हरिभूमि

जबलपुर

रविवार, 28 जनवरी 2024

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

चार दशक बाद बग्घी की वापसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एवं फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ पारंपरिक 'घोड़ा-बग्घी' में कर्तव्य पथ पर पहुंची। बग्घी का ट्रेडिशन 40 साल बाद वापस आया। इस ट्रेडिशन को 1984 तक फॉलो किया गया। इंदिरा गांधी की हत्या के बाद सुरक्षा के कारणों से इसे बंद कर दिया गया था।

स्व सहायता समूह एवं एनजीओ संपर्क अभियान की कार्यशाला में सीएम डॉ. यादव ने कहा

महिलाओं को सशक्त बना अंत्योदय के 'लक्ष्य' को हासिल करेगी भाजपा

1 प्रदेश संगठन महामंत्री, राष्ट्रीय मंत्री समेत अभियान से जुड़े पदाधिकारियों ने भी किया संबोधित

2 सीएम ने कहा कि हमारी सरकार पर हिंदूवादी होने के आरोप लगते थे, पीएम मोदी ने इसे गलत साबित कर दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पहले हमारी सरकार पर हिंदूवादी होने के आरोप लगते थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने तीन तलाक पर रोक लगाकर इसे गलत साबित कर दिया। इस बुराई के कारण मुस्लिम बहनों का जीवन नर्क बन जाता था। अपने राजनीतिक लाभ के लिए देश के कई राजनीतिक दल इसे चुपचाप देखते रहते थे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सुप्रीम कोर्ट के एक 35 साल पुराने निर्णय जिसमें तीन तलाक को अवैध बताया गया था उसे लागू किया और कई मुस्लिम बहनों के जीवन को नर्क बनने से बचा लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बात भाजपा महिला मोर्चा की ओर से आयोजित स्व सहायता समूह एवं एनजीओ संपर्क अभियान की कार्यशाला को संबोधित करते हुए कही। कार्यशाला को प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद, पार्टी की राष्ट्रीय मंत्री एवं महिला मोर्चा की प्रभारी विजया राहटकर, सांसद व प्रदेश महामंत्री कविता पाटीदार, अभियान की प्रदेश संयोजक लता वानखेड़े, महिला मोर्चा अध्यक्ष एवं सह संयोजक माया नारोलिया ने भी संबोधित किया।

हमें षड़यंत्रों और दुष्प्रचार से सतर्क रहकर काम करना है

मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि स्व सहायता समूहों के जरिए महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का पवित्र काम हो रहा है। यह समूह बहनों के जीवन में उजाला ला रहे हैं। केंद्र व राज्य की सरकार बहनों के जीवन को बदलने के लिए काम कर रही है। उज्जैन में एक गारमेंट फैक्ट्री सरकार के प्रयासों से शुरू हुई है, जिसमें 4000 सिर्फ महिला कर्मचारी ही हैं। आज जो स्व सहायता समूह बहनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए छोटे-छोटे प्रयास कर रहे हैं, कल वो कारखानों के संचालन जैसे बड़े काम भी करेंगे। लेकिन हमें षड़यंत्रों और दुष्प्रचार से सतर्क रहकर काम करना है। कई ताकतें हमें भटकाना चाहती हैं, बहनों के विकास में रोड़े अटकाना चाहती हैं, हमें लड़ाना और फूट डालना चाहती हैं। हमें इनसे बचते हुए लगातारआगे बढ़ना है।

बड़े भाई दिग्विजय पर भड़के, कहा-ईवीएम का डेमो देने की क्या जरूरत थी?

लक्ष्मण सिंह ने पूछा- राहुल गांधी तय करें कि कांग्रेस दलालों से चलेगी या कार्यकर्ताओं से?

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुना/कुंभराज

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक लक्ष्मण सिंह ने एक बार फिर अपने बड़े भाई दिग्विजय सिंह और कांग्रेस पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने दिग्विजय सिंह को लेकर कहा कि उन्हें ईवीएम का डेमो देने की क्या जरूरत थी। साथ ही ये भी कहा- राहुल गांधी तय कर लें कि कांग्रेस दलालों से चलेगी या कार्यकर्ताओं से चलेगी?

ईवीएम खराब बताकर हम कुछ छिपा रहे हैं

लक्ष्मण सिंह ने ईवीएम के पक्ष में कहा कि हम कई साल से कह रहे हैं कि ईवीएम खराब है। ईवीएम को लाया कौन? हम लाए। सारी ईवीएम खराब हैं, कौन मानेगा। कांग्रेस हिमाचल में कैसे जीत गई। पिछले चुनाव में राजस्थान में सरकार बनी। एमपी में हमारी ही सरकार बन गई थी, फिर गिर गई। तब ईवीएम पर क्यों सवाल नहीं उठा। साफ है कि हम कुछ छिपा रहे हैं। आने वाले लोकसभा चुनाव में अपने कार्यकर्ताओं का मनोबल गिरा रहे हैं। यह कह कर कि ईवीएम ही खराब है। कौन काम करेगा लोकसभा में कि भैया ईवीएम ही खराब है, क्यों मेहनत करें।

भोपाल से 3 और बीना स्टेशन से 2 ट्रेनें होंगी रवाना

भोपाल मंडल से अयोध्या धाम के लिए चलेंगी 5 आस्था स्पेशल ट्रेन

सभी ट्रेनों का संचालन फरवरी में भोपाल और बीना स्टेशन से किया जाएगा।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

रेलवे द्वारा मप्र के श्रद्धालुओं को भगवान राम के दर्शन कराने के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने जा रहा है। पश्चिम मध्य रेल जोन के भोपाल, जबलपुर और कोटा मंडल से 18 स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी, जिनमें से 5 आस्था स्पेशल ट्रेन भोपाल मंडल से चलाई जाएंगी। जिनमें 3 ट्रेनें भोपाल से और दो ट्रेने बीना स्टेशन से चलाई जाएंगी। जल्द ही ट्रेनों का शेड्यूल जारी कर दिया जाएगा। भोपाल रेल मंडल से रेलवे द्वारा 5 आस्था स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। जिनमें 3 सुपरफास्ट और 2 एक्सप्रेस ट्रेन शामिल हैं। इन सभी ट्रेनों का संचालन फरवरी में भोपाल और बीना स्टेशन से किया जाएगा। आस्था स्पेशल ट्रेनों के स्लीपर क्लास का किराया आने-जाने का 1500 रुपए और एसी थर्ड क्लास का किराया 2500 रुपए तक हो सकता है। अयोध्या जाने वाली स्पेशल ट्रेनों का संचालन आईआरसीटीसी करेगा।

ट्रेनें 10 घंटे लेट

शनिवार को भोपाल से गुजरने वाली अधिकांश प्रमुख ट्रेनें 10 घंटे से अधिक लेट आई। इसमें जहां श्रीधाम 18 घंटे,तो सुबह आने वाली भोपाल एक्सप्रेस सवा 18 घंटे से अधिक की देरी से यानी 27 जनवरी की जगह 28 जनवरी को राजधानी पहुंची।

श्रीरामलला के दर्शन का समय बढ़ाया

अयोध्या। बड़ी संख्या में जनसैलाब उमड़ने की वजह से राम मंदिर ट्रस्ट ने दर्शन अवधि में वृद्धि कर दी है। रामलला का दर्शन सुबह 7:00 से रात 10:00 बजे तक चल रहा है। इस दरमियान 15-15 मिनट के लिए भगवान के भोग और आरती के लिए परदा लगाया जाएगा। भक्त रामलला के मंदिर में प्रवेश करते रहेंगे। रामलला की पांच आरती प्रतिदिन संपन्न की जा रही हैं। आरती के लिए जारी किए जा रहे पास को अस्थाई तौर पर रोक दिया है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली और हरियाणा से एक साथ प्रकाशित
जबलपुर, रविवार 28 जनवरी 2024

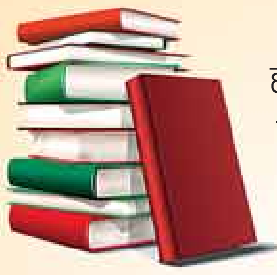

वैसे तो जीवन में सफल होने के लिए कड़ी मेहनत और लगन की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। लेकिन इसके साथ ही कुछ व्यक्तिगत गुण और आदतें भी बहुत मायने रखती हैं। इनके बारे में कई विद्वानों और मनोवैज्ञानिकों ने अपनी किताबों में जिक्र किया है। इनमें से कुछ बेस्ट सेलर किताबों और उसमें छिपे सक्सेस सीक्रेट के बारे में जानिए।

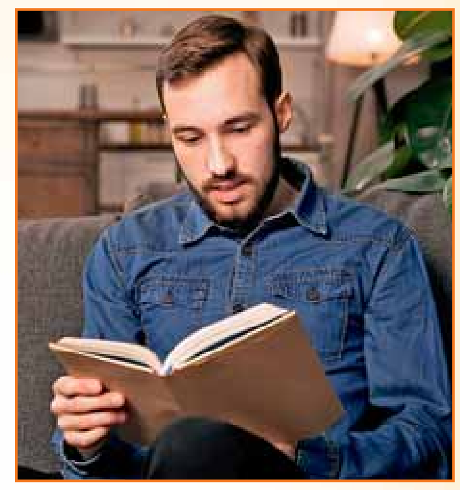

ये किताबें बताती हैं सक्सेस के ईजी सीक्रेट

कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन

कहा जाता है कि किताबें इंसान की सबसे अच्छी दोस्त होती हैं। हताशा के क्षणों में किताबें उम्मीद जगाती हैं, सफल होने की राह सुझाती हैं। हम आपको यहां दुनिया की कुछ ऐसी प्रसिद्ध किताबों के बारे में बता रहे हैं, जिन्होंने अनेक लोगों के जीवन को बदल दिया और उन्हें सफल बनाने में बड़ी भूमिका निभाई।

समस्याओं का खोजें रचनात्मक हल

मनोवैज्ञानिक डेनियल काह्नमैन लिखित 2011 में प्रकाशित 'थिंकिंग, फास्ट एंड स्लो' एक लोकप्रिय प्रेरक पुस्तक है। इस किताब के मुताबिक अगर आप अकसर किसी भी समस्या के सामने आते ही बेहद चिंतित हो जाते हैं तो आपको यह समझ लेना चाहिए कि समस्या के एक ही हिस्से पर आपका नियंत्रण होता है, वह है आपकी प्रतिक्रिया। समस्याएं हमारे भीतर के सर्वश्रेष्ठ गुणों को बाहर निकालती हैं, क्योंकि मुसीबत में ही हम अपनी क्षमताओं के बारे में सही ढंग से चिंतन कर पाते हैं। इसलिए जब आप चिंतित होने की बजाय किसी समस्या को रचनात्मक तरीके से हल करने की कोशिश करेंगे, तो ज्यादा प्रभावशाली बनेंगे। परिणामस्वरूप आप खुद को पहले से ज्यादा बड़ी और कहीं ज्यादा समस्याएं हल करने के लायक बना लेंगे।

स्वतंत्रता में निहित हो आत्मसंयम

स्वामी चिन्मयानंद द्वारा लिखित किताब 'किंडल लाइफ' के अनुसार मनुष्य का मूल स्वभाव पूर्ण स्वतंत्रता है। लेकिन उसकी स्वतंत्रता अनिवार्य रूप से बुद्धिमत्तापूर्ण, आत्मसंयम और अनुशासनयुक्त होनी चाहिए। यह आप पर निर्भर करता है कि आप सीमा में रहकर अपनी क्षमता से जीवन को उत्कृष्ट बनाएं या उसकी उपेक्षा करके अपने लिए दुख आमंत्रित करें। स्वच्छंदता वास्तव में स्वतंत्रता नहीं है। इसका परिणाम है, विनाश। प्रकृति के नियम के अंतर्गत रहकर जीने से ही व्यक्ति सफल हो सकता है।

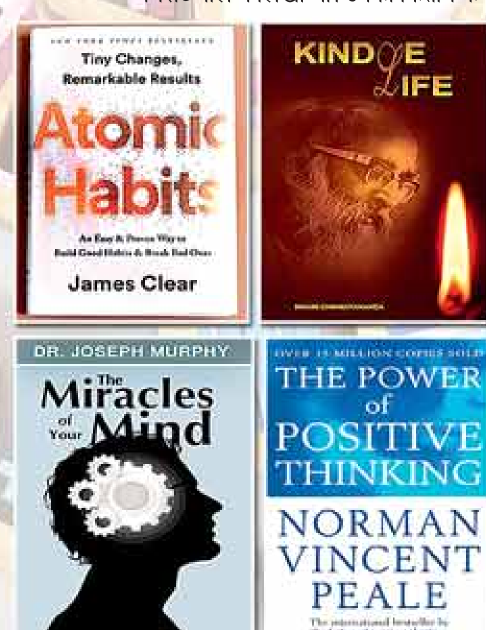

सफलता में सहायक अच्छी आदतें

जेम्स क्लियर की प्रसिद्ध किताब 'एटॉमिक हैबिट्स' बताती है कि सभी बड़ी चीजों की शुरुआत छोटे प्रयासों से होती है। एक छोटा निर्णय ही आदत का वह बीज होता है, जो आपको आगे बढ़ाता है। जब आप एक सही निर्णय को बार-बार दोहराते हैं तो आदत के रूप में वह ज्यादा शक्तिशाली बनने लगता है। क्या आप आमदनी से कम खर्च करते हैं? क्या आप नियमित जिम जाते हैं या एक्सरसाइज करते हैं? क्या आप रोज पुस्तक पढ़ते हैं? क्या आप रोज कोई नई चीज सीखते हैं? ये ऐसी छोटी-छोटी बातें हैं, जो आपकी सफलता और असफलता के बीच के अंतर को प्रभावित करती हैं। अच्छी आदतों के महत्व को समझें, आपकी सफलता की पहली सीढ़ी यही है।

प्रगति के लिए दूर करें डर

किताब 'करेज एंड कॉन्फिडेंस' को एक अमेरिकी प्रोटेस्टेंट पादरी और लेखक नॉर्मन विंसेंट पील ने लिखा था। उनकी किताब के अनुसार डर लोगों को शारीरिक रूप से बेहद कमजोर बना देता है। जब आप बोलना चाहते हैं तो डर आपको बोलने नहीं देता। कुछ करना चाहते हैं तो ये आपको कुछ करने नहीं देता। देखा जाए तो किसी ना किसी रूप में डर लोगों को वह हासिल करने से रोकता है, जो वे जीवन में वाकई हासिल करना चाहते हैं। इसलिए डर का असली कारण क्या है, यह पता करें। देखें कि आप किस चीज से डर रहे हैं, फिर अपने काम व मेहनत से इस डर को दूर करें।

पॉजिटिव थिंकिंग की पावर समझें-अपनाएं

नॉर्मन विंसेंट पील की प्रसिद्ध किताब 'द पॉवर ऑफ पॉजिटिव थिंकिंग' भी सफलता के उपाय बताती है। किताब के मुताबिक अगर आपके मन में यह विश्वास है कि आप कोई भी काम कर सकते हैं तो आपके लिए रचनात्मक समाधानों का रास्ता खुल जाता है। जबकि यह विश्वास या शंका कि कोई काम नहीं किया जा सकता है, आपकी कमजोर सोच को दर्शाता है। यह सोच आपको असफलता की ओर ले जाती है। वहीं अगर आपको विश्वास है कि आप अपनी व्यक्तिगत समस्याओं का हल ढूंढ सकते हैं और खुद पर विश्वास करेंगे, तो आप रचनात्मक रूप से सोचना शुरू करेंगे और सफलता की राह पर चल पड़ेंगे।

चमत्कारी होती हैं मन की शक्तियां

आयरिश लेखक जोसेफ मर्फी की किताब 'द मिरेकल्स ऑफ योर माइंड' बताती है कि हमारे मन के दो पहलू होते हैं। चेतन मन बाहरी चीजों की जानकारी रखता है, जबकि अवचेतन मन आंतरिक चीजों की। मानव जीवन में अवचेतन मन का महत्व सबसे ज्यादा होता है। अवचेतन मन मिट्टी की तरह होता है। आप इसमें जो भी बीज डालेंगे, यह उसे स्वीकार कर लेगा। चाहे, बीज अच्छा हो या बुरा। आप जिस भी चीज को सच मानते हैं और जिसमें विश्वास करते हैं, उसे आपका अवचेतन मन स्वीकार कर लेगा। अवचेतन शक्तियों के सदुपयोग की योग्यता से ही सारे महान वैज्ञानिक और शोधकर्ता सफल हुए हैं। अपने भीतर अवचेतन शक्तियों के उपयोग से आप भी सफल हो सकते हैं।

इस तरह ये मोटिवेशनल किताबें आपको सक्सेसफुल बनाने में बहुत मददगार हो सकती हैं, बशर्ते आप इनमें बताए गए सूत्रों को अपने जीवन में अपना लें। *

लाइफस्टाइल / अंजू जैन

बेहतर, सुकून भरी और ऊर्जावान जिंदगी के लिए आपके व्यक्तित्व में कुछ गुणों का होना जरूरी है। ये सभी गुण आपके ई क्यू, आई क्यू और एस क्यू से निर्धारित होते हैं। इनके बारे में आप जरूर जानना चाहेंगे।

ई क्यू+आई क्यू+एस क्यू बढ़ाए कॉन्फिडेंस-एनर्जी

जीवन का कोई भी क्षेत्र हो, चाहे वो आर्थिक हो या सामाजिक, पारिवारिक हो या फिर मानसिक-शारीरिक सेहत से संबंधित, अगर आप अपने भीतर ईक्यू, आईक्यू और एसक्यू की त्रिशक्ति को जागृत कर लें और इनका संतुलन साध लें तो आपमें एनर्जी और कॉन्फिडेंस की कमी नहीं रहेगी। इस तरह आपका हर क्षेत्र में कामयाब होना तय हो जाएगा। यहां हम जिस त्रिशक्ति की बात कर रहे हैं, वे भावनाओं, बौद्धिकता और आध्यात्मिक जागृति की शक्तियां हैं। इनका संतुलन आपको अद्भुत आत्मविश्वास, ऊर्जा और क्षमता की शक्ति दे सकता है। जाहिर है, इनकी वजह से आपकी कहीं हार नहीं होगी, ना ही कभी हताशा और निराशा का सामना करना पड़ेगा।

ई क्यू यानी इमोशनल कोशेंट : लोगों से संपर्क करना हो या रोजमर्रा के जीवन से जुड़ा छोटा-बड़ा कोई निर्णय लेना हो, हमारा आचरण और हमारी कोई भी एक्टिविटी, इमोशंस यानी भावनाओं से ही नियंत्रित होती है। इमोशनल कोशेंट बहुआयामी होता है। इसके तहत समानुभूति यानी दूसरों की संवेदनाओं और उनके मन को समझना, सामाजिक कौशल यानी किस वक्त, किसी व्यक्ति से कैसा व्यवहार करना चाहिए, स्व-नियंत्रण यानी अपनी अच्छी-बुरी भावनाओं को काबू में रखना, आत्म जागरूकता यानी अपनी क्षमताओं की सही-सही जानकारी और स्वप्रेरणा यानी कभी भी हतोत्साहित या निराश ना होना और खुद को सदैव ऊर्जावान रखना आदि गुण समाहित होते हैं। इन गुणों को बढ़ाने के साथ-साथ बुरी या कहें नकारात्मक भावनाओं जैसे-क्रोध, भय, ईर्ष्या आदि से दूरी रखने से ई क्यू बढ़ती है।

आई क्यू यानी इंटेलिजेंस कोशेंट : यह बात जग जाहिर है कि बौद्धिक क्षमता का अच्छा स्तर हमें किसी भी कार्य को सही तरीके से करने की युक्ति सुझा सकता है। बुद्धिमत्ता यानी अच्छी बौद्धिक क्षमता का यह मतलब कतई नहीं कि आप दुनिया की हर स्किल को सीख लें या हर फील्ड, भाषा या तकनीक आदि पर आपकी पकड़ मजबूत हो जाए। इसका सीधा अर्थ यह है कि आप में प्रेजेंस आफ माइंड होना चाहिए। आपको यह मालूम होना चाहिए कि किस काम के लिए आप किसे हायर कर सकते हैं या किसकी मदद ले सकते हैं? किस व्यक्ति को कैसे अपने फेवर में लाया जा सकता है या अपने प्रस्ताव को मनवाया जा सकता है? कहां आपको बोलना चाहिए और कहां चुप रहना चाहिए? अपने अच्छे बौद्धिक स्तर से आप अपने लिए अच्छे-बुरे का निर्णय ले सकते हैं। नेगेटिव लोगों से दूरी बना सकते हैं और अनावश्यक कामों और व्यवधानों से बच सकते हैं। जाहिर है, ये सारे गुण आगे बढ़ाने और सफलता पाने में मदद करेंगे।

एस क्यू यानी स्पिरिचुअल कोशेंट : आध्यात्मिक शक्ति की मदद से आप अपनी क्षमताओं को सर्वोच्च स्तर पर ले जा सकते हैं। इसकी मदद से आप मन को शांत रख सकते हैं। साथ ही मस्तिष्क को ऊर्जावान और सकारात्मक रूप से सक्रिय भी रख सकते हैं। कहने की जरूरत नहीं कि इस विशेषता की वजह से आप सबके प्रिय बनेंगे और प्रगतिपथ पर अग्रसर रहेंगे।

तीनों का है गहरा संबंध : यहां जिक्र किए गए तीनों गुणों के बारे में यह समझना जरूरी है कि ई क्यू और आई क्यू का परस्पर गहरा संबंध है। आपका कमजोर इमोशनल कोशेंट आपके इंटेलिजेंस कोशेंट का लेवल कम कर सकता है। इसी प्रकार कमजोर इंटेलिजेंट कोशेंट, आपके इमोशनल कोशेंट का लेवल कमजोर कर सकता है। इन दोनों को संतुलित रखने और इनका स्तर ऊंचा रखने में आपकी मदद करता है एस क्यू। आध्यात्मिक गतिविधियों का अभ्यास और इसका सहारा आपको मूल्य आधारित, ईमानदार, सात्विक, निष्ठावान और सच्चा जीवन जीने की प्रेरणा देता है। जाहिर है, इससे आपके मन को शांति-सुकून तो मिलता ही है, सामाजिक और व्यापारिक क्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा भी बढ़ती है। *

एडवाइस

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'

बोर्ड एग्जाम के नाम से ही कुछ छात्रों के मन में तनाव होने लगता है। इस डर से वे अच्छी तैयारी भी नहीं कर पाते हैं। इससे बचने के लिए क्या करें, छात्रों के लिए यूजफुल सजेशंस।

बिना डरे करें एग्जाम की तैयारी

फरवरी से सीबीएसई सहित कई अन्य बोर्डों की परीक्षाएं शुरू होने वाली हैं। बोर्ड परीक्षा के नाम से ही किशोर छात्रों में तनाव पैदा होना नई बात नहीं है। घबराहट और बेचैनी से रात की नींद और दिन का चैन गायब हो जाता है। इस मनोदशा के लिए एग्जाम फीवर और एग्जामिनोफोबिया जैसे शब्द प्रचलन में हैं। जबकि चिकित्सकीय शब्दकोश में इन दोनों शब्दों का नामों निशान नहीं है। बहरहाल, परीक्षा के तनाव को नियंत्रित किया जाना जरूरी है, समय रहते इस पर काबू ना पाया गया तो कभी-कभी छात्र अवसादग्रस्त हो जाते हैं। आजकल किशोरों में अवसाद की स्थिति आत्महत्या का कारण तक बनने लगी है, जोकि अत्यंत चिंताजनक बात है।

पैरेंट्स से करते रहें बातचीत: एग्जाम के तनाव से बचने के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि स्टूडेंट्स अपने पैरेंट्स से संवाद बनाए रखें। खुलकर बात करें। अपनी रुचि-अभिरुचि से उन्हें अवगत कराएं। यहा तक कि अपने कमजोर पक्षों को भी पैरेंट से शेयर करनें में ना झिझकें। बोर्ड की परीक्षाएं डरावनी लगें, तनाव का कारण बन रही हों तो स्वयं अपने भीतर उन कारणों को खोजें, जो इसके लिए जिम्मेदार हैं। निश्चित रूप से इसकी मूल वजह मिल जाएगी। पैरेंट्स की बड़ी अपेक्षाएं, अपने को औरों की तुलना में कमतर आंकना, आत्मविश्वास की कमी, अकेलापन, मित्रों-अभिभावकों से अपनी समस्या शेयर ना करना और टीनएज मानसिकता जैसे कुछ कारण इस समस्या के लिए उत्तरदायी होते हैं। इसके लिए पैरेंट्स भी अपने बच्चों से बातचीत करके उनकी मदद कर सकते हैं।

समस्या का खोजें समाधान: जब समस्या का पता चल जाए तो समाधान खोजना मुश्किल नहीं होगा। अगर आपकी चिंता और तनाव का कारण माता-पिता की लंबी-चौड़ी उम्मीदें हैं तो उनसे बात करें। बेझिझक अपनी स्थिति से उन्हें अवगत कराएं। वे सहानुभूति के साथ आपको जरूर समझेंगे और समाधान तलाशने का रास्ता भी दिखाएंगे। बच्चों के जीवन में पैरेंट से महत्वपूर्ण भूमिका किसी और की नहीं होती है। किसी भी दशा में समस्या को अपने अंदर पालकर घुटन का कारण ना बनने दें।

तुलना करने से बचें: कभी-कभी बच्चे अपने उन क्लासमेट्स से अपनी पढ़ाई-लिखाई की तुलना करने लगते हैं, जो विद्यालय में अपेक्षाकृत अच्छा प्रदर्शन कर रहे होते हैं। यह तुलना ठीक नहीं है। हर बच्चे की अपनी क्षमता और लर्निंग स्टाइल होती है। इसलिए दूसरे से अपनी तुलना करके अनावश्यक तनाव को नहीं बढ़ाना चाहिए।

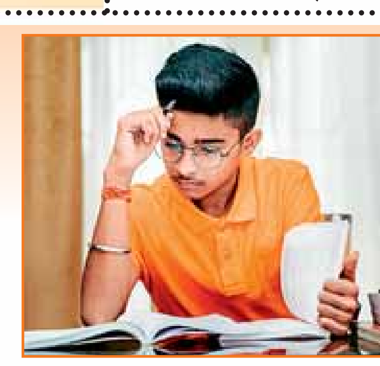

आत्मविश्वास बनाए रखें : किसी भी परीक्षा में अच्छे अंक लाने और परीक्षा पास कराने का सबसे सफल सूत्र है कि आत्मविश्वास बनाए रखें। पढ़ाई के समय मन को तनाव, बेचैनी और दुश्चिंता से बचाएं। एकाग्र होकर पढ़ें। फिजिक्स, केमेस्ट्री, मैथ के साथ हिंदी, अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान सब्जेंट्स भी पढ़ते रहें, उन्हें इग्नोर ना करें। अच्छा स्कोर लाने में सभी सब्जेक्ट्स के नंबर्स जुड़ते हैं।

इनका भी रखें ध्यान: एग्जाम के डर से हमेशा पढ़ते रहना अच्छी बात नहीं है। परीक्षा की तैयारी के दिनों में भी पर्याप्त नींद लेना जरूरी होता है। तली-भुनी चीजों और फास्ट फूड से परहेज रखें, इससे आलस महसूस होती है। एक बार में ज्यादा ना खाएं, इससे भी नींद और आलस्य बढ़ता है। लेकिन भूखे रहकर भी ना पढ़ते रहें। थोड़ा-थोड़ा तीन-चार बार में खाएं। कुछ समय खेलकूद और मनोरंजन के लिए भी निकालना अच्छा रहता है। जब पढ़ाई से थकान आ जाए तो कुछ देर घूम-टहल लें। यहां बताई गई बातों के अलावा परीक्षा के परिणाम के बारे में अभी से सोचना शुरू ना कर दें। इससे अनावश्यक तनाव होगा। फिलहाल केवल तैयारी पर ही फोकस करें। *

लघुकथा / गोविंद भारद्वाज

नेम प्लेट

सोमदत्त जी ने अपने दोनों बेटों में अपनी संपत्ति का बंटवारा बराबर-बराबर कर दिया था। दोनों बेटे और बहुएं बहुत खुश थे।

एक दिन सोमदत्त जी सुबह की सैर करके घर लौटे तो बड़े हैरान रह गए। उन्होंने घर में प्रवेश करते ही बड़े बेटे से पूछा, 'अरे बड़के, तुमने घर की नेम प्लेट कब बदल दी और क्यों बदली?' 'वो क्या है बाबू जी... जब यह घर आपने हमारे नाम कर दिया है तो नेम प्लेट इन्होंने खुद के नाम की लगवा ली...।' बड़का कुछ जवाब देता उससे पहले ही बहू बोल पड़ी।

'क्या मेरी नेम प्लेट लगी रहने से तुम्हारा घर नहीं रहता यह?' सोमदत्त जी ने दुखी स्वर में पूछा। 'बाबूजी... कोई दूसरे का नाम थोड़ी लिखा है नेम प्लेट पर, है तो आपके बेटे का ही नाम...।' बहू ने पलट कर जवाब दिया। 'तो इससे पहले भी तो किसी दूसरे का नाम थोड़ी लिखा था नेम प्लेट पर...। लिखा था तो पापा के पिताजी जी का ही ना..।' सोमदत्त जी के इकलौते पोते ने तपाक से अपनी मम्मी से कहा।

यह सुन सोमदत्त जी ने पोते को सीने से लगा लिया। उनकी आंखों में आंसू आ गए। *

व्यंग्य

केदार शर्मा 'निरीह'

जमाना बहुत बदल चुका है, अब अधिकांश लड़कियां जॉब में हैं, वे अपने पति का चयन बहुत जांच-पड़ताल के बाद कर रही हैं। मिस मलिका की जैसे ही सरकारी नौकरी लगी, उन्होंने अपना पति चुनने के लिए साक्षात्कार लेना शुरू किया, साक्षात्कार में जो प्रश्न पूछे, आप जरूर जानिए।

पति चुनने के लिए एक साक्षात्कार

भारतीय संस्कृति में स्त्री के जीवन में पति का स्थान अधिक संवेदनशील और उसके भाग्य का निर्णायक माना जाता है। अगर वह जी का जंजाल मिल गया तो फिर ऊपर वाला ही मालिक है। अगर वह बेरोजगार है तो पत्नी की जिंदगी एक आफत सी हो जाती है। केवल पत्नी नौकरी में हो तो उस बेचारी की और आफत हो जाती है। पहले जॉब में दिन भर खटो, फिर घर आकर घरेलू कामों में जुटो। अगर वह नौकरी वाले से विवाह करती है तो भी दो पाटन (घर और ऑफिस) के बीच में पति-पत्नी संग बच्चे भी पिसते हैं। इसीलिए मिस मलिका की ज्यों ही सरकारी नौकरी लगी, उसने उसी समय तय कर लिया कि जब पति इतना महत्वपूर्ण जीव होता है तो वह ऐसे जीव का चयन साक्षात्कार के माध्यम से ठोक-बजाकर ही करेगी। वह दो पाटों के बीच नहीं फंसेगी। अगर वह कमाएगी तो उस पति नामक जीव को घर संभालना ही होगा। साक्षात्कार में कई बेरोजगार युवकों ने भाग लिया। यह एक तरह से स्वयंवर का ही आधुनिक वर्जन था। जिस बंदे का पति के रूप में मिस मलिका ने चयन किया, उसका साक्षात्कार इच्छुक बेरोजगारों के लिए जनहित में प्रस्तुत किया जा रहा है।

मिस मलिका : मि. चरणदास आप हाउस हसबैंड ही क्यों बनना चाहते हैं?

चरणदास : जी, पहले तो केवल हसबैंड ही बनने का सपना था, पर इस कमबख्त बेरोजगारी ने ऐसा बैंड बजाया कि शादी के बैंड के बजने की नौबत ही नहीं आ रही है। कई परीक्षाओं की तैयारी के बाद भी सफलता नहीं मिली और जब अब स्वयंवर की तर्ज पर साक्षात्कार के माध्यम से पति चुने जाने लगे हैं तो अब आशा बंधती है कि हो सकता है ईश्वर ने मुझे इस काम के लिए ही पैदा किया हो?

मिस मलिका : आपको कोई हीन भावना तो अनुभव नहीं होगी, कुछ लोग आपको 'जोरू का गुलाम' जैसे तमगों से सम्मानित भी कर सकते हैं।

चरणदास: जब मैं बेरोजगार हूं तब भी लोग निखट्टू, रोडपति, निकम्मा जैसी पदवियों से नवाजते रहते हैं। हाउस हसबैंड कोई बुरा काम नहीं है। एक तो लाइफ टाइम है, दूसरी बात कमाने का झंझट खत्म। जीने के लिए कोई न कोई काम तो करना ही था। जब महिलाएं हाउस वाइफ के साथ-साथ परंपरागत रूप से पुरुषों के माने-जाने काम भी कर रही हैं तो पुरुष हाउस हसबैंड का काम क्यों नहीं कर सकता है?

मिस मलिका : इस पद के जॉब चार्ट के मुताबिक खाना बनाने और स्पेशल डाइट के लिए तरह-तरह के व्यंजन बनाने में निपुण होना अनिवार्य है। क्या आप यह सब कर लेंगे?

चरणदास : जी, एक बार पिताजी ने डांट पिलाई थी तो नाराज होकर शहर चला गया था, जहां एक होटल के मेस में ही काम सीख-सीख कर शेफ तक का काम कर चुका हूं। ये लीजिए अनुभव प्रमाण-पत्र। (सौंपता है और मिस मलिका अवलोकन करती हैं)

मिस मलिका : फर्श पर पोंछा लगाना, जाले साफ करना, घर में पूरी तरह साफ-सफाई रखना दूसरा महत्वपूर्ण काम है। इस बारे में आपका क्या अनुभव है?

चरणदास : जी, कभी किया तो नहीं पर पोंछा लगाती हुई, सफाई करती हुई महिलाओं के काम का अवलोकन बचपन से करते आए हैं, सोचा भी न था कि उस सूक्ष्म निरीक्षण का यह अनुभव भी कभी जीवन में काम आ सकता है।

मिस मलिका : वाशिंग मशीन चलाना और कपड़ों पर प्रेस करने का काम भी आता है या नहीं?

चरणदास: जी, मैं शीघ्र ही सीख लूंगा, बस यही काम सीखने से रह गया था। यह लीजिए, भविष्य में सीख लेने का अग्रिम शपथपत्र। (सौंपता है)

मिस मलिका : यदि आपका हाउस हसबैंड के लिए चयन हो जाता है तो आापकी कोई विशेष अपेक्षा?

चरणदास : जी, यदि कोई काम गलती से गलत हो जाए तो प्यार से समझा दीजिएगा, बस।

मिस मलिका : (मुस्कराकर) अरे! इतना भी डरने की जरूरत नहीं है। वैसे डरने वाला पति ही मेरी पहली पसंद है, लेकिन याद रखना सबके सामने डर जाहिर नहीं होना चाहिए। दिखने में हसबैंड जैसे नहीं लगे तो तीन नोटिस देकर बर्खास्त करने का अधिकार भी मेरे पास सुरक्षित रहेगा। वैसे आप स्मार्ट तो लगते हैं वो बात अलग है, पर ज्यादा स्मार्ट बनने की कोशिश मत करिएगा। आखिरकार आप एक हसबैंड बनने जा रहे हैं, हसबैंड प्लस हाउस हसबैंड! *

लेखक ध्यान दें...

लेखक रविवार भारती में प्रकाशनार्थ अपनी रचनाएं / लेख कृपया ई-मेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर भेजें।

जबलपुर
रविवार, 28 जनवरी 2024
- माघ मास कृष्ण पक्ष-3
- वर्ष : 18, अंक : 265
- पृष्ठ : 2+6+6=14, मूल्य : 3.00 रुपये

मौसम
अधि. 24
न्यून. 10

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

खबर संक्षेप

पीएम करेंगे 'मन की बात' आज सुबह 11 बजे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को 11 बजे 'मन की बात' कार्यक्रम से देश के नागरिकों को संबोधित करेंगे।

यह उनका 109वां एपीसोड होगा। मन की बात आकाशवाणी पर प्रसारित किया जाने वाला एक कार्यक्रम है जिसका पहला प्रसारण 3 अक्टूबर 2014 को किया गया था। इस कार्यक्रम के लिए पीएम लोगों से सुझाव मांगते हैं और उन्हें मिले पत्रों की चर्चा भी करते हैं। 30 अप्रैल 2023 को मन की बात का 100वां भाग प्रसारित हुआ था।

उज्जैन मूर्ति विवाद, 19 आरोपी पकड़ाए

उज्जैन। उज्जैन जिले के माकड़ोन में पूर्व उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा गिराए जाने के बाद दो समुदायों के सदस्यों के बीच हुई झड़प के

मामले में अब तक 19 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितेश भार्गव ने यह बताया। आरोपियों पर बलवा करने और लोक सेवक को अपना कर्तव्य निभाने से रोकने के लिए आपराधिक बल का उपयोग करने का मामला दर्ज किया गया है। इलाके में भारी पुलिस बल तैनात है, बाजार खुले हैं और स्थिति शांतिपूर्ण है।

कांग्रेस ने बनाया वार रूम, महेंद्र बने चेयरमैन

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में वार रूम बनाया गया है। इसका

चेयरमैन पार्टी के वरिष्ठ नेता महेंद्र सिंह चौहान को बनाया गया है। इसके साथ ललित सेन और अलमास सलीम को को-चेयरमैन नियुक्त किया गया है। नियुक्ति के आदेश प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने जारी कर दिए हैं।

◆ *नया खेला-पुराना मेला : भाजपा का कहना है कि ऐसे दरवाजे कोई दीवार नहीं हैं, जो खुल न सकें। दरवाजे तो बंद होने और खुलने के लिए ही होते हैं।*

आज 'खुल' जाएंगे नीतीश के लिए एनडीए के दरवाजे

सीटों का नया गणित

कुल सीटें	:	243
बहुमत	:	122

एनडीए गठबंधन

भाजपा	:	78
जेडीयू	:	45
हम	:	04

कुल : 127 (बहुमत से 5 ज्यादा)

महा-गठबंधन

आरजेडी	:	79
कांग्रेस	:	19
लेफ्ट	:	16
निर्दलीय	:	01

कुल: 115 (बहुमत से 7 कम)

एक अन्य किसी के साथ नहीं

ये है फॉर्मूला नए समीकरणों में दो डिप्टी सीएम व सीएम का फॉर्मूला बन रहा है। दो डिप्टी सीएम में सुशील मोदी और रेणु देवी का नाम चल रहा है।

2019 का प्रदर्शन दोहराना चाहती भाजपा। लोकसभा 2019 के चुनाव में एनडीए को 54% वोट मिले थे, जिसमें से 22 प्रतिशत वोट जदयू का था। जबकि महागठबंधन को 31% वोट मिले थे।

दरअसल, 4 महीने बाद लोकसभा चुनाव होने वाले हैं और भाजपा बिहार फतह करना चाहती है

इस घटनाक्रम के बाद इंडिया गठबंधन का कुनबा बिखर जाएगा भाजपा के लिए यह बड़ा मौका

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्रीय राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे के साथ शनिवार को बक्सर के ब्रह्मेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की।

भाजपा की कुर्मी वोटों पर नजर

भाजपा का ध्यान लोकसभा चुनाव पर है और वह 2019 वाला प्रदर्शन बिहार में फिर से दोहराना चाहती है। 2019 के लोकसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन को 40 में से 39 सीटें बिहार में मिली थी। 17 सीटों पर चुनाव लड़ी जेडीयू ने 16 पर जीत हासिल की थी तो वहीं भाजपा ने सभी 17 सीटों पर जीत हासिल की थी। वहीं 6 सीटें लोक जनशक्ति पार्टी ने जीती थी। लेकिन 2022 के अगस्त महीने में नीतीश कुमार एनडीए से बाहर हो गए और आरजेडी के साथ उन्होंने सरकार बनाई।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली/पटना

राजनीति में एक शब्द बड़ी तेजी से पापुलर है-खेला। अब यह बिहार के लिए प्रयोग हो रहा है। सीएम नीतीश कुमार रविवार को इस्तीफा देकर एनडीए के कुनबे में शामिल हो सकते हैं। नीतीश कुमार एक बार फिर से भाजपा के साथ सरकार बना सकते हैं। भाजपा और जेडीयू ने पटना में विधायक दल की बैठक रविवार को बुलाई है।

मांझी बने लालू की आस, राहुल ने किया फोन

जीतन राम मांझी किस तरफ जाएंगे, इस पर काफी कुछ निर्भर रहने वाला है। इसी वजह से लालू यादव लगातार उनसे संपर्क साध रहे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तो मांझी से फोन पर बात भी की है। पूरी कोशिश है कि उनके विधायकों को अपने समर्थन में लाया जाए।

चिराग पासवान की शर्त

नीतीश के भाजपा के साथ आने से चिराग पासवान असहज हैं। उन्होंने दो टूक कहा है कि भाजपा अगर सबसे बड़ी पार्टी है तो उसे न्यूनतम साझा कार्यक्रम पर काम चाहिए।

एसएफआई का प्रोटेस्ट नहीं रोक पाई पुलिस

भड़के केरल गवर्नर आरिफ 'सड़क' पर कुर्सी डाल बैठे

एजेंसी ▶▶ तिरुवनंतपुरम

कोल्लम के निलामेल में एसएफआई कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन के बाद राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने अपनी गाड़ी रोकी और कार से बाहर निकलकर पास की चाय की दुकान से एक कुर्सी निकालकर सड़क किनारे धरने पर बैठ गए। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान एक आईपीएस अधिकारी को वहीं अंग्रेजी में फटकार लगाते हुए कह रहे हैं- नहीं मैं यहां से वापस क्यों जाऊंगा, आपने (पुलिस) ने एसएफआई को यहां सुरक्षा दी है।

केरल में एक कार्यक्रम के दौरान एसएफआई कार्यकर्ताओं द्वारा काला झंडा दिखाने और विरोध करते हुए गो बैक का नारा लगाए जाने के बाद राज्यपाल आरिफ मोहम्मद सड़क पर ही धरने पर बैठ गए। उन्होंने वहां पुलिस अधिकारियों को भी फटकार लगाई और कानून तोड़ने का आरोप लगाते हुए सवाल किया कि अगर पुलिस ही कानून तोड़ेगी तो कानून का पालन कौन करेगा?साथ ही, अपने सहयोगी को कहा कि प्रधानमंत्री और गृहमंत्री से फोन कर मेरी बात करवाओ।

राज्यपाल ने कहा- अमित शाह साहब से बात कराओ

राज्यपाल को अब जेड प्लस सुरक्षा

गृह मंत्रालय ने राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान की सुरक्षा बढ़ा दी है। उन्हें जेड प्लस सुरक्षा दी गई है जिसमें सीआरपीएफ के जवान शामिल होंगे।

लोकसभा चुनाव के लिए...

भाजपा ने डॉ. महेंद्र सिंह को प्रभारी उपाध्याय को बनाया सह प्रभारी

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

भाजपा ने लोकसभा चुनाव की तैयारी तेज कर दी है। इसी के तहत देश के 23 राज्यों के लिए प्रभारियों की नियुक्ति की गई है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मप्र लोकसभा चुनावों के लिए डॉ. महेंद्र सिंह को प्रभारी और सतीश उपाध्याय को सह प्रभारी नियुक्त किया है।

■ चार जिलों के भाजपा अध्यक्ष भी बदले गए

डॉ. महेंद्र सिंह

सतीश उपाध्याय

सीजेआई ने लिया इसका संज्ञान

ये मतभेद...जज पर 'पार्टी के लिए काम करने' का आरोप

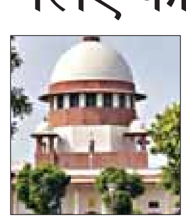

इस मामले पर सोमवार को होगी सुनवाई

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में एमबीबीएस उम्मीदवारों के एडमिशन में कथित अनियमितता मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट के एक जज के दूसरे साथी जज से मतभेद उजागर होने और उन पर राज्य में कुछ राजनीतिक दल के लिए काम करने का आरोप लगाने से विवाद पैदा हो गया है। इसके एक दिन बाद सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को पश्चिम बंगाल सरकार और कलकत्ता हाईकोर्ट को नोटिस जारी किया।

नाइट्रोजन गैस से दे दी गई सजा-ए-मौत

ऐसी सजा देने वाला अमेरिका पहला देश

न्यूयॉर्क। अमेरिका के अलबामा में एक कैदी को अलग तरह से मौत की सज़ा दी गई। कैदी को नाइट्रोजन गैस देकर उसकी जान ली गई। गुरुवार रात हत्या के दोषी को नाइट्रोजन गैस सुंघाकर मौत की सजा दी गई है। अमेरिका में पहली बार मृत्युदंड के लिए इस तरीके का प्रयोग किया गया।

चाय की दुकान में धमाका, 5 झुलसे,तीन की हालत गंभीर

कटनी। जिले में चाय की दुकान में गैस रिसाव के बाद एलपीजी सिलेंडर फट गया। हादसे में 5 लोग झुलस गए। तीन की हालत गंभीर है। घटना बड़वारा थाना इलाके के विलायतकला गांव में देर शाम की है।

ओलंपिक मेजबानी के लिए भारत को मिला फ्रांस का साथ

भोपाल। 75वें गणतंत्र दिवस परेड के मुख्य अतिथि बने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने ओलंपिक को लेकर भारत को बड़ा आश्वासन दिया है। मैक्रों का कहना है कि फ्रांस ओलंपिक के लिए भारत भविष्य में ओलंपिक खेलों के आयोजन की दावेदारी का समर्थन करेगा।

लूटपाट के बाद मर्डर की आशंका, दो दिन पहले पंजाब से लौटे थे

उज्जैन में भाजपा नेता और पत्नी की घर में घुसकर हत्या

घटना शनिवार तड़के 3 से 5 बजे के बीच की

घर में सामान अस्त-व्यस्त, कैमरे भी डैमेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उज्जैन

उज्जैन में भाजपा नेता और उनकी पत्नी की हत्या कर दी गई। दोनों के शव मकान में मिले। घटना देवास रोड स्थित पिपलोदा गांव की है। शनिवार सुबह पुलिस मौके पर पहुंची। लूटपाट के बाद हत्या की आशंका है। दोनों दो दिन पहले ही पंजाब से लौटे थे। भाजपा नेता रामनिवास कुमावत गांव के मकान में पत्नी के साथ रहते थे। बेटी की शादी हो चुकी है। बेटा देवास में रहता है। वे रोज मॉर्निंग वॉक पर जाते थे।

उधर, जबलपुर में किसान की गोली मारकर हत्या

जबलपुर। जबलपुर में किसान की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना पाटन थाने के चौधरी मोहल्ले के वार्ड-3 की है। भाजपा नेता और उसके दो साथियों पर हत्या का केस दर्ज किया गया है। भाजपा नेता और उसके साथी फरार हैं। पुलिस ने आरोपियों की तलाश के लिए चार टीमें बनाई है। पाटन थाना प्रभारी नवल आर्य ने बताया, रिमझा निवासी रामराज नदेंसरिया पेशे से किसान थे। वह शुक्रवार रात 11 बजे चचेरे भाई राघव को घर छोड़ने चौधरी मोहल्ला आए थे। यहां से रिमझा लौटते समय उन्हें पप्पू बर्मन मिला। उससे उन्होंने पूछ लिया कि कहां जा रहे हो? पप्पू को यह नागवार गुजरा। बोला कि तुम पूछने वाले कौन होते हो। दोनों में कहासुनी होने लगी। पप्पू बर्मन ने भाजपा नेता आशीष बेहिरे को बुला लिया।

पहली बार स्कूटी से इंदौर आए पिता-बेटी की हादसे में मौत

बेटी मेघा ही संभाल रही थी पूरा घर

पिता को घर का तोहफा देना चाहती थी 'इंजीनियर बेटी'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

पापा अब हम इस कच्चे मकान में नहीं रहेंगे। यहीं पर छत डालकर अपने नए मकान में रहेंगे। मकान का काम अभी नहीं शुरू करेंगे तो कब करेंगे? अब तो कोरोना भी चला गया। अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है।

आप मकान का काम देखिए और घर पर ही रहा करिए। ये शब्द टीसीएस इंदौर की इंजीनियर मेघा मालवीय (25) के थे जिसे सुपर कॉरिडोर में एक कार ने कुचल दिया। इलाज के दौरान शुक्रवार को इंदौर एमवाय में उसकी मौत हो गई। पिता सुनील मालवीय (53) का पांच दिन पहले घटनास्थल पर ही निधन हो गया था। सॉफ्टवेयर इंजीनियर मेघा की कहानी रुला देने वाली है। पिता के भी चले जाने के बाद अब परिवार में मां बबीता, बड़ा भाई गौरव और छोटी बहन मीनू है। परिवार गरीब है। पिता सुनील मालवीय मजदूरी करते थे।

बड़ा भाई एक एनजीओ में काम करता है। छोटी बहन मीनू अभी 10वीं में हैं। मेघा ही पूरा घर संभाल रही थी। नौकरी लगने के बाद उसने पिता से भी काम छुड़ा दिया था। नए घर का सपना देख रही थी, लेकिन नियति को कुछ और मंजूर था। पिता उज्जैन से पहली बार स्कूटी से इंदौर आए थे।

मेघा

सुनील

सीतारमण 1 फरवरी को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अंतरिम बजट पेश करेंगी

लोकसभा चुनाव के चलते इस साल यह अंतरिम बजट होगा

बजट की तैयारी अंतिम चरण में पहुंची वित्त मंत्री की टीम दे रही फाइनल टच

◆ *प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा की अध्यक्षता वाली पीएमओ अधिकारियों की टीम और वित्त मंत्रालय के अधिकारियों की टीम के बीच बजट को लेकर दिन-रात चर्चा चल रही है।*

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अंतरिम बजट 2024 की तैयारी अंतिम चरण में पहुंच गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों की उनकी टीम इसे अंतिम रूप दे रही है। 'हलवा समारोह'के बाद पूर्ण गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए नॉर्थ ब्लॉक को लॉक-डाउन में डाल दिया गया है। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा की अध्यक्षता वाली पीएमओ अधिकारियों टीम और वित्त मंत्रालय के अधिकारियों की टीम के बीच बजट को लेकर दिन रात चर्चा चल रही है।

बजट तैयार करने वाली अहम टीम

वित्त सचिव टीवी सोमनाथन, तमिलनाडु कैडर के अधिकारी, जिन्होंने वित्त मंत्रालय में शामिल होने से पहले पीएमओ में अतिरिक्त सचिव में कार्य किया, दोनों टीमों के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं। मंत्रालय में बजट की कवायद का नेतृत्व करने वाली वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की टीम के शीर्ष सदस्यों में राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा, आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव अजय सेठ, निवेश और सार्वजनिक संपत्ति विभाग के सचिव तुहिन कांता पांडे, वित्तीय सेवा विभाग के सचिव विवेक जोशी और मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन शामिल हैं।

1 फरवरी के बाद घर जाने की अनुमति मिलेगी

नॉर्थ ब्लॉक में केंद्रीय बजट की छपाई के दौरान, अधिकांश अधिकारियों को बजट से पहले के दिनों में बाहरी दुनिया से बिना किसी संपर्क के कार्यालय में रहना पड़ता है। एक फरवरी को बजट पेश होने के बाद ही उन्हें घर जाने की अनुमति मिलेगी। अंतिम सप्ताह 6 महीने की बजट तैयारी अभ्यास का समापन है जिसमें कृषि, ग्रामीण विकास, उद्योग, बिजली, राजमार्ग और बंदरगाह जैसे सभी मंत्रालय अपने अनुमान तैयार करते हैं और उन्हें वित्त मंत्रालय को प्रस्तुत करते हैं। वित्त मंत्री अपनी टीम की सहायता से प्रस्तावों पर गौर करती हैं और समग्र राजकोषीय घाटे और विकास और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सरकारी नीतियों के साथ किए जाने वाले आवंटन को ध्यान में रखते हुए उन्हें पीएमओ के साथ निकट परामर्श में रखती हैं।

कर्तव्य पथ पर उतरा विक्रम लैंडर-रोवर प्रज्ञान

75वां गणतंत्र दिवस

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस की परेड में कर्तव्य पथ पर अलग-अलग राज्यों की झांकी निकाली गई। इस दौरान इसरो की चांद तक पहुंचने की कामयाबी की झलक भी परेड का हिस्सा बनी। इसरो की ओर से चंद्रयान-3 की झांकी निकाली गई, जिसमें विक्रम लैंडर और रोवर प्रज्ञान कर्तव्य पथ पर चहलकदमी करते हुए दिखाई दिए। इस झांकी में चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर रोवर प्रज्ञान की लैंडिंग को फोकस कर दिखाया गया। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) की झांकी में शानदार दृश्य दिखाए गए। जिसमें एआई का प्रतीक एक महिला रोबोट वैश्विक नागरिकों पर इसके सकारात्मक प्रभाव को दर्शाता है।

देश भर से इन झांकियों को मिली सराहना

1. सीएसआईआर की झांकी में कृषि यंत्र को दिखाया गया
2. परेड में दिखा मिशन चंद्रयान-3 का जलवा
3. झांकी में एआई ने दिखाया अपना करिश्मा

विदेशों में मना गणतंत्र दिवस का जश्न

दूतावास पर बच्चों ने हिंदी गानों पर किया डांस

विदेशी जमीं पर तिरंगे की धूम

भारत के 75वें गणतंत्र दिवस की धूम सात समंदर पार भी दिखाई और सुनाई दी। फ्रांस, रूस, कनाडा, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया समेत अन्य देशों में भारत का तिरंगा लहराया और भारत को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान वहां के दूतावास में कार्यक्रम भी हुए। रूसी दूतावास के अंदर बच्चों ने हिंदी गानों पर जमकर डांस किया और गणतंत्र दिवस का जश्न मनाया। इजरायल दूतावास में तैनात अधिकारियों ने भारत के ट्रडिशनल कपड़े पहनकर गणतंत्र दिवस मनाया।

खबर संक्षेप

विश्व शांति का काम कर रहे मोदीः यूक्रेनी पीएम

नई दिल्ली। यूक्रेन के प्रधानमंत्री डेनिस शमीहाल ने भारत को 75वें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। डेनिस ने यूक्रेन की मदद और मानवीय समर्थन देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ भी की। डेनिस का कहना था कि वो भारत से पहले की तरह छात्रों को वापस यूक्रेन भेजने का भी आग्रह करना चाहते हैं।

आरोपों को भारत ने नकारा कहा- झूठ फैला रहा पाक

इस्लामाबाद। पाक के विदेश सचिव सायरस काजी ने कहा है कि वो भारत के खिलाफ यूएनएससी के सदस्यों से बात करेंगे। पाक ने भारत पर 2 लोगों शाहिद लतीफ और मोहम्मद रियाज की हत्या का आरोप लगाया था। जो उसके देश में वॉन्टेड हैं। आरोपों पर भारत के विदेश मंत्रालय ने इस झूठ बताया।

इंटरनेशनल कोर्ट का बड़ा फैसला

एक महीने में गाजा में नरसंहार रोके इजराइल

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध के दौरान अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) ने एक महत्वपूर्ण आदेश दिया है। वर्ल्ड कोर्ट ने इजराइल से कहा है कि वह गाजापट्टी में अपने हमले में हुई मौतों और नुकसान का पूरा हवाला दें और किसी भी तरह की गंभीर चोट या नुकसान को रोकें। इजराइल यह सुनिश्चित करे कि उनकी सेना गाजा में नरसंहार नहीं करे और वहां मानवीय स्थिति में सुधारवादी कदम उठाएं। इजराइल से इस मामले में एक महीने के भीतर रिपोर्ट देने को कहा है। दक्षिण अफ्रीका ने इजराइल पर गाजापट्टी में नरसंहार का आरोप लगाते हुए संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत का रुख किया था। इसी याचिका पर आईसीजे ने फैसला सुनाया है।

फैसले पर बोले नेतन्याहू...

आईसीजे के फैसले पर इजराइल के पीएम नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल अपनी सुरक्षा के लिए हरसंभव कदम उठाना जारी रखेगा। कोर्ट में सुनवाई के दौरान दक्षिण अफ्रीका ने कहा कि गाजा में इजरायल की कार्रवाई से जेनोसाइड कन्वेंशन का उल्लंघन हुआ है। दक्षिण अफ्रीका ने कहा कि 7 अक्टूबर को हमास के इजराइल पर हमले के बाद से इजरायल ने गाजा पर कहर बरपा रखा है।

फाइटर जेट इंजन की फैक्ट्री बनेगा भारत, दोनों देशों के बीच सहमति

यूएस के बाद अब फ्रांस भी 100% इंजन टेक्नोलॉजी देने के लिए तैयार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

फ्रांस भारतीय लड़ाकू विमान के इंजन निर्माण के लिए 100 प्रतिशत टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के लिए तैयार है। यानि, अमेरिका के बाद फ्रांस दूसरा देश बन गया है, जिसने भारत में टेक्नोलॉजी ट्रांसफर का फैसला लिया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों के भारत दौरे के दौरान भारत-फ्रांस के बीच कई समझौते हुए। दोनों देशों ने डिफेंस इंडस्ट्रियल सेक्टर में साझेदारी बढ़ाने पर सहमति जताई। स्कॉर्पीन-क्लास सबमरीन और उसके पुर्जों को भारत में ही बनेंगे। फ्रांस में भारत के राजदूत जावेद अशरफ ने कहा है कि भारत और फ्रांस पहले से ही सफरान और भारत का डीआरडीओ चर्चा कर रहे हैं।

फ्रांस के साथ विमान इंजन टेक्नोलॉजी ट्रांसफर डील

इस सौदे पर बनी सहमति

भारतीय राजदूत के मुताबिक, भारत जिस सौदे की तलाश में है, उसमें इंजन के वास्तविक डिजाइन, इंजन के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले धातुओं की पहचान के साथ साथ, तमाम तरह के तत्वों की गहराई तक पहचान करना शामिल है, ताकि भारत एडवांस इंजन का विकास कर सके। हालांकि, अशरफ ने माना, कि सौदे पर बातचीत जटिल थी, और जटिलताओं से निपटने के लिए भारत की समग्र सैन्य आवश्यकता लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सामान्य आधार खोजने की आवश्यकता थी।

भारत में राफेल के इंजन की मरम्मत-रखरखाव

दोनों नेताओं ने स्कॉर्पीन-क्लास सबमरीन और उसके पुर्जों को भारत में ही बनाने के लिए हुए समझौते का स्वागत किया। उन्होंने इस प्रोजेक्ट की प्रोग्रेस का भी मुआयना किया। साथ ही भारत में राफेल फाइटर जेट के इंजनों के लिए सेफरान कंपनी की तरफ से रखरखाव, मरम्मत और इसके ऑपरेशन की फेसिलिटी तैयार करने के लिए हुए समझौते का भी स्वागत किया गया। इसके अलावा सेफरान कंपनी आईएमआरएच हेलिकॉप्टर इंजन बनाने के लिए भारत की हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के बीच जॉइंट वेंचर करेगी। वडोदरा में एच125 सिंगल इंजन हेलिकॉप्टर बनेंगे।

भारत से जुड़ना चाहता है सफरान

एयरोस्पेस उद्योग में सफरान एक प्रमुख खिलाड़ी है, जो डिजाइन डेवलपमेंट्स, प्रमाणन और उत्पादन सहित एडवांस मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) परियोजना के विभिन्न चरणों में भारतीय सैन्य अनुसंधान एजेंसी के साथ जुड़ने का इच्छुक रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, जब यह सौदा पूरा हो जाएगा, तो यह दूसरी ऐसी व्यवस्था होगी, जो भारत ने हाल ही में अपने स्वदेशी लड़ाकू विमान परियोजनाओं के लिए जेट इंजन की अधूरी जरूरत को पूरा करने के लिए की है। एएमसीए के लिए सफरान, तेजस एमके 2 के लिए घोषणा की है। वहीं, सफरान सौदा, भारत के भविष्य के डबल इंजन एएमसीए प्रोजेक्ट के लिए जेट इंजन की आवश्यकता को पूरा करेगा।

अमेरिका ने 2021 में जीवन की संभावना तलाशने के लिए भेजा था रोवर

मंगल पर पानी, नासा के रोवर से पुष्टि, 65 फीट नीचे मिले सबूत

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

मंगल ग्रह पर पानी होने के सबूत मिले हैं। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के मंगल ग्रह पर भेजे गए पर्सीवरेंस रोवर के डेटा से इसकी पुष्टि हुई है। रोवर को नासा ने 2021 में मार्स पर जीवन तलाशने भेजा था। इसने मंगल ग्रह के जजीरो क्रेटर से चट्टानों के सैंपल इकट्ठा किए थे। जमीन के नीचे भी पानी की खोज के लिए एक्सपेरिमेंट किया था। यूसीएलए और ओस्लो यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों की एक टीम को रोवर के डेटा से पता चला है कि मार्स की जमीन के 65 फीट नीचे मिट्टी के कणों में नमी है।

रोवर ने ऑडियो रिकॉर्डिंग भेजी थी

लॉन्चिंग के कुछ दिन बाद ही पर्सीवरेंस रोवर ने मंगल ग्रह की पहली ऑडियो रिकॉर्डिंग जारी की थी। 10 सेकेंड की इस ऑडियो क्लिप में बहुत मामूली आवाज थी। नासा के मुताबिक यह उसके पर्सीवरेंस रोवर के उतरने के बाद वहां मौजूद धूल और मिट्टी पर पड़े दबाव की वजह से पैदा हुई थी। करीब 1 महीने बाद मार्च में इस रोवर ने करीब 21.3 फीट तक टेस्ट ड्राइव की थी। इससे मंगल की मिट्टी पर उसके पहियों के निशान बन गए थे। नासा ने इन निशानों की तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की थी।

रोवर का वजन एक हजार किलोग्राम

पर्सीवरेंस रोवर का वजन 1000 किलोग्राम है। पहली बार किसी रोवर में प्लूटोनियम को ईंधन के तौर पर उपयोग किया गया। यह रोवर मंगल ग्रह पर 10 साल तक काम करेगा। इसमें 7 फीट का रोबोटिक आर्म, 23 कैमरे और एक ड्रिल मशीन है।

रहने लायक था मंगल ग्रह

वैज्ञानिकों का कहना है कि ठंडा और जीवनहीन दिखने वाला मार्स कभी गर्म, पानी वाला और रहने लायक था। साइंटिस्ट्स को पहले से इस बात का शक था कि जजीरो क्रेटर पर कभी पानी हुआ करता था, इसकी पुष्टि के लिए पर्सीवरेंस रोवर को यहां उतारा गया था। पर्सीवरेंस मार्स रोवर 18-19 फरवरी 2021 की रात मंगल पर पानी की पुष्टि और जीवन की तलाश के लिए उतरा था। इसने भारतीय समय के अनुसार रात करीब 2 बजे मार्स की सबसे खतरनाक सतह जजीरो क्रेटर पर लैंडिंग की थी। 6 पहियों वाला यह रोवर 7 महीने में 47 करोड़ किमी की यात्रा पूरी कर तेजी से अपने लक्ष्य के करीब पहुंचा था। इसके आखिरी 7 मिनट बेहद मुश्किल और खतरनाक रहे थे।

कम खाद्य कीमतों और नौकरशाही का विरोध

फ्रांस में सड़कों पर उतरे किसान

पेरिस। फ्रांस में किसानों ने मोर्चा खोल दिया है। किसानों ने ट्रैक्टर के साथ पेरिस कूच कर दिया। शहर के आसपास की सड़कों को जाम कर दिया। उत्तरी शहर लिले और बेल्जियम को जोड़ने वाले प्रमुख सड़क को भी किसानों ने घेर लिया। किसान कम खाद्य कीमतों और अत्यधिक नौकरशाही का विरोध रहे हैं, जिससे लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। आरोप है कि राष्ट्रपति मैक्रों मदद के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रही है।

पिछले 8 वर्ष में एआईएसएचई में छात्रों का नामांकन 26 फीसदी बढ़ा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

शिक्षा मंत्रालय द्वारा किए गए सर्वेक्षण के अनुसार 2021-22 में उच्च शिक्षा में छात्रों का नामांकन लगभग 4.33 करोड़ तक पहुंच गया, जो 2014-2015 के बाद से 26.5 प्रतिशत की वृद्धि है। गुरुवार को जारी उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण (एआईएसएचई) के अनुसार, 2014-15 से 341 विश्वविद्यालय और विश्वविद्यालय स्तर के संस्थान स्थापित किए गए हैं। सर्वेक्षण से पता चला कि सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) 2014-15 में 23.7 से बढ़कर 2021-22 में 28.4 हो गया है। सर्वेक्षण से पता चला कि महिला जीईआर 2014-15 में 22.9 से बढ़कर 2021-22 में 28.5 हो गई है।

खबर संक्षेप

उस्मानिया यूनिवर्सिटी में छात्राओं का विरोध प्रदर्शन

हैदराबाद। हैदराबाद के उस्मानिया विश्वविद्यालय के पोस्ट ग्रेजुएट गर्ल्स हॉस्टल की छात्राओं ने शनिवार को हंगामा किया। ये परिसर मेंसुरक्षा उल्लंघन को लेकर गुस्साई हुई है। छात्रों को अपने छात्रावास के सामने बैठकर 'हमें न्याय चाहिए' के नारे लगाते देखा गया। छात्रों का कहना है कि वह केवल वीसी को परिसर में आने की मांग कर रहे हैं।

दोस्तों ने एसीपी के बेटे को नहर में डुबाकर मारा

नई दिल्ली। दिल्ली के आउटर नॉर्थ जिले में तैनात एसीपी के लापता बेटे लक्ष्य चौहान को उसके दोस्तों ने ही कथित तौर पर पानीपत की नहर में धक्का देकर मार डाला। शुक्रवार को पहले से दर्ज एफआईआर में हत्या की धारा जोड़ दी गई है। एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुख्य आरोपी की तलाश में छापा मारा जा रहा।

सरेबाजार युवक को मारी गोली, चाकू से रेता गला

नई दिल्ली। नॉर्थ ईस्ट दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में बीच बाजार एक युवक को कुछ लोगों ने गोली मार दी और फिर उसका गला भी रेत दिया। इस घटना को जिसने भी देखा उसकी रूह कांप गई। इसका सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, सभी आरोपी फरार हो गए हैं। इनकी तलाश में जगह-जगह छापेमारी की जा रही है।

जामिया इस्लामिया विवि 'बंगले' पर हंगामा

नई दिल्ली। जामिया मिल्लिया इस्लामिया की पूर्व कुलपति नजमा अख्तर ने सरकारी बंगला खाली करने के लिए समय मांगा है और कहा उन्हें वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए समय चाहिए। अख्तर का अनुरोध रजिस्ट्रार कार्यालय में एक महीने से अधिक समय से लंबित है, अभी तक जवाब नहीं दिया है। उनका लागों रुपए भी बकाया है।

अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में पीएम मोदी बोले

संविधान सभा से बहुत कुछ सीखें और उनके आदर्शों से प्रेरणा भी लें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पीठासीन अधिकारी संविधान सभा के आदर्शों से प्रेरणा लें।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शनिवार को सभा को किया संबोधित

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन को संबोधित किया।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन खास है, क्योंकि यह 75वें गणतंत्र दिवस के ठीक बाद हो रहा है। उन्होंने कहा कि पीठासीन अधिकारियों के पास यह अवसर है कि वे संविधान सभा के आदर्शों से प्रेरणा लें। उन्होंने अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन के लिए शुभकामनाएं दीं और कहा, इस बार का यह सम्मेलन और भी खास है, क्योंकि यह भारत के 75वें गणतंत्र दिवस के ठीक बाद हो रहा है। आज से 75 वर्ष पहले 26 जनवरी को ही हमारा संविधान लागू हुआ था। संविधान के भी 75 सा पूरे हो रहे हैं। मैं देशवासियों की ओर से संविधान सभा के सभी सदस्यों को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं।

पहले वरिष्ठ सदस्य दूसरों को मर्यादा का पालन सिखाते थे

उन्होंने कहा कि पीठासीन अधिकारियों के इस सम्मेलन के लिए संविधान सभा से सीखने को बहुत कुछ है। पीठासीन अधिकारियों के पास यह अवसर है कि वे संविधान सभा के आदर्शों से प्रेरणा लें। प्रधानमंत्री ने कहा, एक समय था, जब सदन में कोई भी सदस्य शिष्टाचार का उल्लंघन करता था और अगर उसके खिलाफ नियमों के तहत कार्रवाई की जाती थी तो सदन के अन्य वरिष्ठ सदस्य उस सदस्य को समझाते थे कि भविष्य में वे ऐसी गलती न करें, जो सदन के माहौल और उसकी मर्यादा को प्रभावित करती है।

आजकल कई सदस्य गलतियों का ही बचाव करने लगे

पीएम ने कहा कि आज के समय में हमने देखा है कि कुछ राजनीतिक दल ऐसे ही सदस्यों के समर्थन में खड़े हो जाते हैं। उनकी गलतियों का बचाव करने लगते हैं। यह स्थिति संसद हो या विधानसभा, किसी के लिए भी ठीक नहीं है। इस पर चर्चा बहुत जरूरी है।

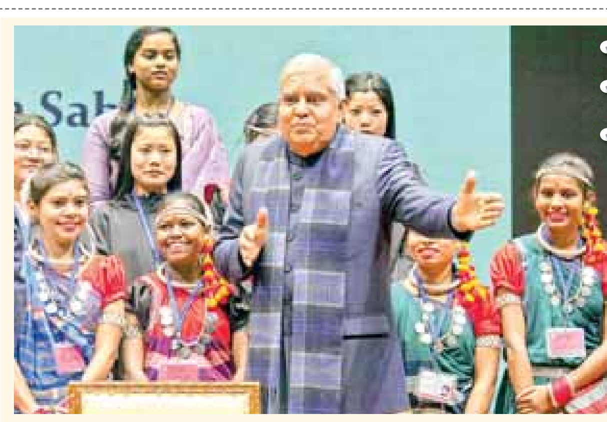

राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेवकों से बोले उप राष्ट्रपति धनखड़

अब निरंकुशता और भाई-भतीजावाद नहीं, भ्रष्टाचार और बिचौलियों का पारिस्थितिकी तंत्र खत्म

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि देश में 'निरंकुशता और भाई-भतीजावाद' की जगह अब 'प्रतिभा' ने ले ली है और आज युवाओं के पास अपने लक्ष्य हासिल करने के अधिक अवसर हैं। यहां राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की स्वयंसेवकों के साथ बातचीत करते हुए धनखड़ ने दावा किया कि अब कानून के समक्ष वास्तव में सभी समान हैं जबकि अतीत में कुछ लोग सोचते थे कि वे इससे ऊपर हैं।धनखड़ ने कहा कि भ्रष्टाचार और बिचौलियों का पारिस्थितिकी तंत्र नष्ट हो गया है और युवाओं के पास अपार अवसर हैं।उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार की निरंकुशता को लोकतंत्र की प्रतिभा से बदल दिया गया है।

अनुसंधान, उद्यमिता पर ध्यान दें

एनएसएस स्वयंसेवक उस महिला दल का हिस्सा थीं, जिसने शुक्रवार को गणतंत्र दिवस परेड में भाग लिया था। युवाओं को 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनने में मदद करने वाले 'सैनिक' बताते हुए उपराष्ट्रपति ने उनसे नवोन्वेषी बनने और अनुसंधान तथा उद्यमिता पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

कोर्ट ने लालू परिवार को किया तलब

राबड़ी देवी और मीसा 9 फरवरी को पेश हों

नई दिल्ली। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की फैमिली पर फिर शिकंजा कसा है। यादव की पत्नी और बेटी को कोर्ट ने समन देकर तलब किया है।

रेलवे में जमीन के लिए नौकरी वाले चर्चित लैंड फॉर जॉब घोटाला मामले में दिल्ली की राज एवेन्यू कोर्ट ने ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान ले लिया है। सुनवाई की अगली तारीख 9 फरवरी है। इससे जुड़े एक अन्य मामले में लालू और तेजस्वी पर भी मुकदमा चल रहा है। सभी बेल पर हैं। यह कांड तब हुआ था जब लालू यादव रेल मंत्री थे। उसमें कई लोगों को निमयों को ताख पर रखते हुए बगैर वैकेंसी के रेलवे में नौकरी दी गई और उनसे जमीनें लिखवाई गईं।

हेमा यादव और हृदयानंद भी आरोपी

जांच कर रही एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय ईडी ने राउज एवेन्यू कोर्ट में पिछले दिनों पहली चार्जशीट दाखिल की थी, जिसमें कारोबारी अमित कात्याल समेत 7 लोगों को आरोपी बनाया गया था। इस चार्जशीट में लालू प्रसाद यादव की पत्नी राबड़ी देवी, बेटी राज्यसभा सांसद मीसा भारती, एक अन्य बेटी हेमा यादव और हृदयानंद चौधरी का भी नाम है। इसके अलावा ईडी ने दो कंपनियों को भी आरोपी बनाया है। ईडी ने कोर्ट में पहली चार्जशीट दाखिल की है, जबकि सीबीआई तीन चार्जशीट दायर कर चुकी है।

नौकरी के बदले जमीन लेने का मामला

नौकरी के बदले जमीन और फ्लैट रजिस्ट्री कराने के मामले में ईडी की तरफ से चार्जशीट दाखिल की गई है। इस पर 20 जनवरी को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट का फैसला आने वाला था। कोर्ट ने 27 जनवरी की तारीख दी थी।

केंद्रीय मंत्री प्रधान ने उद्यमियों के साथ की बात

अब छोटे व सूक्ष्म उद्यमी भी देश की प्रगति के लिए तैयार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दिल्ली के कौशल भवन में 100 से अधिक उद्यमियों के साथ बातचीत की। इन उद्यमियों को राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान, भारतीय उद्यमिता संस्थान जैसे विभिन्न कौशल विकास संस्थानों और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत प्रशिक्षित किया गया है। प्रधान ने कहा कि यह पहली बार है कि कौशल पारिस्थितिकी तंत्र के उद्यमियों को गणतंत्र दिवस समारोह में अतिथि होने का सम्मान दिया गया है। यह पीएम नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का प्रमाण है।

आपकी यह यात्रा प्रेरणादायी रही

प्रधान ने कहा कि उद्यमिता से आत्मनिर्भरता तक की उनकी यात्रा को देखना वास्तव में प्रेरणादायक रहा। उन्होंने कहा कि ये छोटे और सूक्ष्म उद्यमी देश की विकास यात्रा में एक नया योगदान देने के लिये तैयार हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि समाज के वंचित और कमजोर वर्गों को सशक्त बनाना इस इस सरकार का मूल आधार है और आम नागरिक पीएम मोदी की दृढ़ प्राथमिकता हैं। प्रधान ने उद्यमियों की सराहना की और उन्हें प्रोत्साहित किया। उन्होंने पीएम मोदी और कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के प्रति आभार व्यक्त किया।

सांसद और केंद्रीय मंत्री बोलीं

अमेठी के दो लाख लोगों को राम के दर्शन कराएंगी स्मृति

अमेठी। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री स्मृति ईरानी अपने संसदीय क्षेत्र अमेठी के 2 लाख से अधिक लोगों को अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के दर्शन कराएंगी। केंद्रीय मंत्री के प्रतिनिधि विजय गुप्तान ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही तीन लाख से अधिक घरों तक प्रभु श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा का प्रसाद पहुंचाने का लक्ष्य सुनिश्चित कर घर-घर प्रसाद पहुंचाने का काम शुरू कर दिया गया है। मंत्री के प्रतिनिधि विजय गुप्ता कहा कि अमेठी की सांसद ईरानी के निर्देश पर उत्थान सेवा संस्थान द्वारा अमेठी संसदीय क्षेत्र के 3 लाख परिवारों तक प्रभु श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा का प्रसाद पहुंचाने का काम शुरू कर दिया गया है।

गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण करते पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली के करियप्पा ग्राउंड में एनसीसी रैली के दौरान गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया।

उप मुख्यमंत्री फड़नवीस ने कहा

मराठा आंदोलन खत्म, पुलिस को मारने वाले लोगों पर चलेंगे केस

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र में लगातार मराठा आंदोलन को लेकर हो रहा प्रदर्शन अब थम गया है। महाराष्ट्र सरकार ने मनोज जरांगे पाटिल की सभी मांगे मानते हुए इस पर अध्यादेश जारी किया है। इसके बाद मनोज जरांगे ने आंदोलन वापस लेने की घोषणा की है। मराठा आंदोलन वापस लेने पर देवेंद्र फड़नवीस ने जरांगे का अभिनंदन किया साथ ही ये भी कहा जिन्होंने पुलिस को मारा है और घर जलाए हैं उनके खिलाफ मुकदमे वापस नहीं होंगे।

कानूनन मिलेगा कुनबियों को हक

नागपुर में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री फड़नवीस ने कहा कि जो आंदोलन चल रहा था उसका सॉल्यूशन निकल गया है। मुख्यमंत्री ने बहुत अच्छा निर्णय लिया है। मनोज जरांगे पाटिल ने भी इसको मान्यता दी है। मराठा समाज में जो कुनबी हैं, उनकी इसमें जो एंट्री आई है, उनको सर्टिफिकेट मिलना, यह कानून के हिसाब से भी सही है। उन्हें सर्टिफिकेट नहीं मिल पा रहा था, अब आसानी से मिलेगा और ये अच्छी बात है कि यह सब सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के पालन के तहत होगा।

मुकदमे नहीं होंगे वापस

फड़नवीस ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात है कि मराठा आंदोलन के दौरान जिसने भी पुलिस वाले को मारा है या फिर किसी के घर जलाए हैं उनके खिलाफ महाराष्ट्र सरकार कोई भी केस वापस नहीं ले रही है और न ही ऐसा प्रस्ताव है, न ही महाराष्ट्र सरकार ने कोई निर्णय लिया है।

यूपी में 'आईएनडीआईए' में सीट बंटवारे पर अखिलेश का ऐलान

लोकसभा की 11 सीटों पर चुनाव लड़ेगी कांग्रेस

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन में सीटों के बंटवारे पर सहमति बन गई है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीटों की डील पक्की हो गई है। कांग्रेस यूपी में 11 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर यह जानकारी दी है। यादव ने पोस्ट करते हुए लिखा- कांग्रेस के साथमजबूत सीटों से हमारे सौहार्दपूर्ण गठबंधन की अच्छी शुरुआत हो रही है। ये सिलसिला जीत के समीकरण के साथ और भी आगे बढ़ेगा। 'इंडिया' की टीम और 'पीडीए' की रणनीति इतिहास बदल देगी।

यादव बोले-'इंडिया' की टीम और 'पीडीए' की रणनीति इतिहास बदलेगी

ममता, नीतीश के अलग होने से गठबंधन टूटेगा

मोदी सरकार को सत्ता से बाहर करने के इरादे से बनाया गया आईएनडीआईए गठबंधन लोकसभा चुनाव से पहले ही बिखरने लगा है। बिहार में नीतीश कुमार आरजेडी का साथ छोड़कर फिर से भाजपा के साथ गठबंधन करके सरकार बनाने जा रहे हैं। इस सियासी घमासान से विपक्ष में बेचैन है। उधर, बंगाल में ममता बेनर्जी एकला चलो की राह पर हैं तो पंजाब में आम आदमी पार्टी भी साथ नहीं लेना चाहती है। इससे विपक्ष की परेशानी और बढ़ गई है। गठबंधन का टूटना तय है।

ममत-कांग्रेस में बढ़ी तकरार

सिलीगुड़ी में राहुल की सभा पर रोक

टीएमसी के अकेले लोकसभा चुनाव लड़ने के ऐलान के बाद पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बेनर्जी और कांग्रेस के बीच तकरार बढ़ गई है। ममता ने सिलीगुड़ी में राहुल गांधी को सभा करने की अनुमति देने से मना कर दिया है। इसके बाद कांग्रेस ने यात्रा के रूट में बदलाव किया है। कूच बिहार की बजाय अब जलपाईगुड़ी से यात्रा शुरू होगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और ममता की बातचीत भी बेनतीजा रही।

खरगे का ममता को पत्र

न्याय यात्रा को सुरक्षित मार्ग दें

नई दिल्ली। कांग्रेस और टीएमसी में जारी तनाव के बीच मल्लिकार्जुन खरगे ने बंगाल की सीएम ममता बेनर्जी को पत्र लिखा है। कांग्रेस प्रमुख खरगे ने पत्र लिखकर बंगाल से गुजरने वाली 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के लिए सुरक्षित मार्ग की मांग की है। उन्होंने ममता बेनर्जी से 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के लिए अधिकारियों को निर्देश जारी करने को कहा है।

महिंद्रा की ऑल-इलेक्ट्रिक एक्सयूवी 400 प्रो रेंज पेश

मुंबई। भारत की अग्रणी एसयूवी निर्माता महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने आज 15.49 लाख की शुरुआती कीमत पर एक्सयूवी400 प्रो रेंज के लॉन्च की घोषणा की। नवीनतम प्रो रेंज में तीन नए वेरिएंट पेश किए गए हैं। ईसी प्रो (34.5 किलोवाट बैटरी, 3.3 किलोवाट एसी चार्जर), ईएल प्रो (34.5 किलोवाट बैटरी, 7.2 किलोवाट एसी चार्जर) और ईएल प्रो (39.4 किलोवाट बैटरी, 7.2 किलोवाट एसी चार्जर), प्रत्येक उन्नत सुविधाएँ और बेहतर आराम प्रदान करती है।

महिंद्रा ऑल- इलेक्ट्रिक एक्सयूवी400 में गैर-लक्जरी सेगमेंट में सबसे तेज़ त्वरण है; महज़ 8.3 सेकंड में 0-100 किमी प्रति घंटा, टॉप स्पीड 150 किमी प्रति घंटा। सी-सेगमेंट एसयूवी श्रेणी में परिचालन करने वाली, एक्सयूवी 400 4200 मिमी लंबी है और इसमें 2600 मिमी का व्हीलबेस है, जो इसके यात्रियों को न केवल उत्कृष्ट केबिन स्पेस और लेगरूम प्रदान करता है, बल्कि 378 लीटर / का सर्वश्रेष्ठ-इन-क्लास बूट स्पेस भी प्रदान करता है। 418 लीटर (छत तक)। एक्सयूवी400 अपने सेगमेंट में उच्चतम शक्ति 110 किलोवाट (150पीएस) और 310 एनएम टॉर्क प्रदान करता है, जो उच्च क्षमता 39.4 किलोवाट और 34.5 किलोवाट लिथियम-आयन बैटरी द्वारा संचालित है, जो भारतीय ड्राइविंग चक्र मानकों के अनुसार क्रमशः 456 किलोमीटर और 375 किलोमीटर की रेंज प्रदान करता है। 3 इंटेलिजेंट ड्राइव मोडः मज़ेदार, तेज़ और निडर, ड्राइविंग अनुभव को आपके मूड के अनुरूप बनाते हैं। 'लाइवली मोड' एक सेगमेंट-पहली सुविधा है, जो घने ट्रैफिक में सहज संचालन को सक्षम बनाता है। एक्सयूवी एक्सयूवी400 में छह एयरबैग, ईपीएस, टीपीएमएस, ऑटो-डिमिंग आईआरवीएम, सभी 4 डिस्क ब्रेक, आईएसओ एफआईएक्स सीटों सहित श्रेणी-अग्रणी सुरक्षा सुविधाएँ भी प्रदान की जाती हैं। इसकी फास्ट-चार्जिंग अनुकूलता का विश्व स्तर पर परीक्षण किया गया है। वाहन उद्योग में सर्वश्रेष्ठ धूल और जलरोधक बैटरी पैक और मोटर के साथ आता है, जो आईपी 67 मानकों को पूरा करता है।

मुथूट फाइनेंस 'नेतृत्व' के लिए ब्रिक्स बिजनेस अवार्ड से सम्मानित

नई दिल्ली। भारत के अग्रणी वित्तीय संस्थानों में से एक, मुथूट फाइनेंस को 19 जनवरी 2024 को ली मेरिडियन, नई दिल्ली में एक शानदार पुरस्कार समारोह के दौरान प्रतिष्ठित 'ब्रिक्स-सीसीआई बिजनेस एक्सीलेंस अवार्ड इन लीडरशिप' से सम्मानित किया गया।

यह विशिष्ट पुरस्कार द मुथूट ग्रुप के संयुक्त प्रबंध निदेशक अलेक्जेंडर जॉर्ज मुथूट को पूर्व राज्यसभा सदस्य एवं जम्मू-कश्मीर रियासत के महाराजा डॉ. करण सिंह द्वारा के साथ प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में केजे अल्फोंस, पूर्व केंद्रीय पर्यटन राज्य मंत्री अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों, वीवीआईपी, वीआईपी और अन्य सम्मानित अतिथियों की भी उपस्थिति रही।

निर्णायक मण्डल में न्यायमूर्ति नजमी वज़ीरी, पूर्व न्यायाधीश, दिल्ली उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति विक्रमजीत सेन, पूर्व न्यायाधीश, भारत के सर्वोच्च न्यायालय, एएमबी अमरेंद्र खटुआ, डॉ. एस.वाई. क़ुरैशी, आईएएस (सेवानिवृत्त), भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त, पद्श्री डॉ. उमा तुली, पद्मश्री डॉ. शोवना नारायण रुमझुम चटर्जी, अध्यक्ष, सीआईआई राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण परिषद शामिल थे।

श्री अलेक्जेंडर जॉर्ज मुथूट ने अपना आभार व्यक्त करते हुए कहा, 'नेतृत्व के लिए ब्रिक्स बिजनेस अवार्ड प्राप्त करना नवाचार और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हम ब्रिक्स देशों के बीच प्रगति और सहयोग में हमारे योगदान के लिए मान्यता प्राप्त होने पर सम्मानित महसूस कर रहे हैं।'

पुरस्कार के अलावा, एक विशेष प्रमाणपत्र भी दिया जाता है जिसमें उल्लेख किया गया है कि यह पुरस्कार अत्यधिक सस्ती दरों पर सोने के बदले ऋण प्रदान करने में मुथूट फाइनेंस के उत्कृष्ट योगदान और भारत में वित्तीय सेवाओं पर इसके महत्वपूर्ण प्रभाव को मान्यता देता है।

ब्रिक्स एक अंतरसरकारी संगठन है जिसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं, जो ब्रिक्स समुदाय के भीतर सहयोग, नवाचार और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। ब्रिक्स बिजनेस अवार्ड विशेष महत्व रखता है क्योंकि यह समाज में असाधारण योगदान को मान्यता देता है और सम्मानित करता है।

सीएमपीडीआई में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस

रांची। सीएमपीडीआई में ध्वजारोहण कर पूरे हर्षोल्लास के साथ गणतंत्र दिवस मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक मनोज कुमार रहे। इस अवसर पर अन्य गणमान्य व्यक्तियों में सीएमपीडीआई के निदेशक (तकनीकी/सीआरडी) शंकर नागाचारी, निदेशक (तकनीकी/ईएस) सतीश झा, मुख्य सतर्कता अधिकारी सुमीत कुमार सिन्हा, वरीय सलाहकार (माइनिंग) ए.के. राणा, कस्तूरी महिला सभा की अध्यक्षा श्रीमती रूपाली गुप्ता, श्रीमती किरण झा, जेसीसी सदस्य एवं श्रमिक प्रतिनिधि, सीएमओएआई के प्रतिनिधि सहित सीएमपीडीआई परिवार के सदस्यगण उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर अपने उद्बोधन में श्री कुमार ने कहा कि विभाग की उपलब्धियों पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कोयला एवं गैर-कोयला क्षेत्र में एनएमईटी के माध्यम से अन्वेषण का पूरा प्रयास किया जा रहा है। अभी तक कुल 41 प्रस्ताव दिए गए हैं जिसमें गैर कोयला ब्लॉक्स के 4 प्रस्ताव सहित कुल 27 प्रस्ताव स्वीकृत किए गए है वहीं गैर कोयला क्षेत्र में अन्वेषण के तहत सीएमपीडीआई ने 1 बॉक्साइट ब्लॉक की भूवैज्ञानिक रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है एवं कॉपर, लेड और जिंक जैसे बेस मेटल में एक प्रोजेक्ट में अन्वेषण शुरू हो गया है। दिसम्बर, 2023 तक कुल 242 रिपोर्ट तैयार कर लिया गया है जिसमें 22 जियोलाजिकल रिपोर्ट्स (जीआर) और 24 प्रोजेक्ट प्रतिवेदन (पीआर) शामिल हैं। 22 जीआर के जरिए लगभग 449 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र को शामिल कर विस्तृत अन्वेषण के माध्यम से 8 बिलियन टन अतिरिक्त कोल रिजर्वस को प्रमाणित श्रेणी में लाया गया है। देश के कुल कोयला उत्पादन में कोल इंडिया की भागीदारी 79 प्रतिशत है। कोल इंडिया की इस सफलता में सीएमपीडीआई प्रदत्त सेवाओं का प्रमुख योगदान है।

BAWEJA STUDIOS

बावेजा स्टूडियोज का आईपीओ 29 जनवरी को खुलेगा

मुंबई। बावेजा स्टूडियोज लिमिटेड जो फिल्म निर्माण की गुणवत्ता के लिए जाना जाता हैए अपने एसएमई पब्लिक इश्यू से रु 97.20 करोड़ तक जुटाने की योजना बना रहा है। कंपनी को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर अपना पब्लिक इश्यू लॉन्च करने की मंजूरी मिल गई है। पब्लिक इश्यू 29 जनवरी को सब्स्क्रीप्शन के लिए खुला है और 1 फरवरी को बंद होगा। पब्लिक इश्यू की आय का उपयोग कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों को पूरा करने सहित कंपनी की विस्तार योजनाओं को फंड देने के लिए किया जाएगा। फेडेक्स सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड इश्यू का बुक रनिंग लीड मैनेजर है। रु 10 के अंकित मूल्य वाले 54 लाख इक्विटी शेयरों के आइपीओ में 40 लाख इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू और 14 लाख इक्विटी शेयरों की ऑफर फॉर सेल का प्रस्ताव शामिल है। कंपनी ने पब्लिक इश्यू के लिए रु 170.180 प्रति इक्विटी शेयर का प्राइज बैंड ;रुण 160.170 प्रति इक्विटी शेयर के प्रीमियम सहितद्ध तय किया है। कंपनी की योजना पब्लिक इश्यू से रुण 97.20 करोड़ तक जुटाने की है।

आईसीआईसीआई का एन्युइटी प्लान लॉन्च

मंबई। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने लाभ में बढ़त के साथ आईसीआईसीआई प्रू गारंटीड पेंशन प्लान फ्लेक्सी लॉन्च किया है। यह इंडस्ट्री की पहली वार्षिकी योजना हैए जो जरुरत पड़ने पर खरीद की तारीख से प्रीमियम का 100ः रिफंड प्रदान करती है। यह एन्युइटी प्रोडक्ट ग्राहकों को आजीवन गारंटीकृत आय प्रदान करता हैए जो उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद वित्तीय रूप से स्वतंत्र जीवन जीने में सक्षम बनाता है। आईसीआईसीआई प्रू गारंटीड पेंशन प्लान फ्लेक्सी जॉइंट लाइफ एन्युइटी विकल्प प्रीमियम लाभ की छूट के साथ आता है जो प्रीमियम भुगतान अवधि के दौरान प्रथम धारक के निधन के मामले में उपयोगी है। ऐसे परिदृश्य मेंए भविष्य के सभी प्रीमियम को माफ कर दिया जाता है जबकि यह सुनिश्चित किया जाता है कि दूसरे या संयुक्त धारक को आस्थगन अवधि के समापन पर जीवन भर की गारंटीकृत नियमित आय प्राप्त हो। यह दूसरा संयुक्त धारक ग्राहक की पसंद के अनुरूप हो सकता हैए जिसमें जीवनसाथी, माता-पिता बच्चे आदि शामिल हो सकते हैं।

महिला 3 घंटे रही बर्फ से भरे डिब्बे में, बनाया विश्व रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पोलैंड की कटारजीना जकुबोव्स्का नामक महिला ने 3 घंटे से अधिक समय तक बर्फ के डिब्बे में रहकर विश्व रिकॉर्ड बनाया है। 48 वर्षीय कटारजीना ने 3 घंटे 6 मिनट 45 सेकंड तक बर्फ में रहकर गिनीज बुक में अपना नाम दर्ज करवा लिया है। पुरुषों की श्रेणी में यह रिकॉर्ड पोलैंड के क्रिज्सटॉफ गजेवस्की के नाम है, जिन्होंने 3 घंटा 11 मिनट 27 सेकंड बर्फ में रहकर ये रिकॉर्ड बनाया। कटारजीना ने मीडिया से बात करते हुए कहा, मैं एक साधारण महिला हूं, जिसने गिनीज बुक का धारक बनने का सपना देखा और दूसरी महिलाओं को रास्ता दिखाने के लिए प्रेरणा बनने की कोशिश की।

खुद को नियंत्रित करना जानती हूं- कटारजीना

कटारजीना ने बताया कि वह जानती थीं कि इस प्रयास के लिए उन्होंने खुद को कैसे नियंत्रित करना था और उनका दिमाग भी जानता है कि कब उसे अधिक कांपने और तापमान को ऊपर रखने के लिए संकेत भेजने की जरूरत है। उन्होंने यह भी बताया कि उनके लिए सबसे कठिन क्षण तब था जब दर्शकों को डरा हुआ देखा। दरअसल, उनका शरीर कांप रहा था, जिसे देखकर दर्शक डर रहे थे। हालांकि, यह एक सामान्य प्रक्रिया है।

पेशे से डिजाइनर है कटारजीना

कटारजीना पेशे से एक डिजाइनर हैं। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि महिलाओं के पास बहुत ताकत होती है और मैं भी यह पूरी दुनिया को दिखाना चाहती थी कि अगर हम कुछ चाहती हैं तो उसे पूरा करके भी दिखाती हैं। रिकॉर्ड का प्रयास करने से पहले कटारजीना के कई तरह के स्वास्थ्य टेस्ट किए गए थे, ताकि इससे उनके स्वास्थ्य पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना न हो।

प्रयास के दौरान नहीं हुई कोई असुविधा

गिनीज बुक के अनुसार, कटारजीना के प्रयास के दौरान उनके शरीर के तापमान में उतार-चढ़ाव पर निगरानी रखी गई। कटारजीना का कहना है कि इस प्रयास के दौरान उन्हें किसी तरह का दर्द या असुविधा महसूस नहीं हुई और यहां तक ठंड का भी अहसास नहीं हो रहा था। उन्होंने आगे कहा, ठंड मेरे लिए कोई बाधा नहीं है, मुझे इससे गर्मी लगती है।

राशिफल

मेष — मन अशान्त रहेगा। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों के साथ वाद-विवाद से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें।

वृष — मन परेशान रहेगा। आत्मसंयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि होगी।

मिथुन — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा, परन्तु परिवार में शान्ति बनाये रखने का प्रयास करें। नौकरी में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

कर्क — मन अशान्त रहेगा। मन में निराशा एवं असन्तोष भी हो सकता है। कारोबार में सुधार होगा, परन्तु कुछ कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा।

सिंह — आत्मसंयत रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में सन्तुलित रहें। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यभार बढ़ सकता है।

कन्या — नौकरी में कार्यभार बढ़ सकता है। आवेश के अतिरेक से बचें। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। सहयोग मिलेगा।

तुला — आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु मन अशान्त हो सकता है। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है।

वृश्चिक — मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। व्यर्थ के क्रोध से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। खर्चों में वृद्धि होगी।

धनु — व्यर्थ के क्रोध से बचें। परिवार का साथ मिलेगा। विदेशी कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है।

मकर — आत्म संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्च बढ़ेंगे।

कुंभ — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन में उतार-चढ़ाव भी रहेगा। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। पिता का साथ मिल सकता है।

मीन — अपनी भावनाओं को वश में रखें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता

गालियां देते हैं यहां के तोते, दूसरे पक्षियों को बिगाड़ रहे

नई दिल्ली। वैसे तो धरती पर मौजूद हर जीव-जंतु की अपनी खासियत होती है। पक्षियों में तोता ऐसा पक्षी है, जो इंसान की आवाज की हूबहू नकल कर सकता है। हालांकि उसे इसका मतलब नहीं पता होता है, ऐसे में अगर ये कुछ गलत सीख जाए, तो मुसीबत बड़ी हो जाती है। सुनने में ये ज़रा अजीब है लेकिन इंग्लैंड के लिंकनशायर वाइल्डलाइफ पार्क के कुछ आफ्रीकन ग्रे तोते ऐसा ही कुछ सीख चुके हैं। यहां के तोते भद्दी-भद्दी गालियां देने में एक्सपर्ट हो चुके हैं। हालात ये है कि उन्हें सुधारने में अधिकारियों के पसीने छूट रहे हैं लेकिन ये दूसरे पक्षियों को भी बिगाड़ रहे हैं। तोते चिड़ियाघर में आने वाले लोगों को गंदी-गंदी गाली देने लगते हैं। हालात ये हैं कि चिड़ियाघर में ये संदेश लगाए गए हैं कि तोते की बदतमीज़ी पर कृपया हंसें नहीं, न ही उन्हें प्रोत्साहित कीजिए।

8 तोतों ने कर रखा है नाक में दम

पार्क की ओर से बताया गया है कि पार्क में सिर्फ 8 तोते ही ऐसे हैं, जो गंदी भाषा का इस्तेमाल करते हैं। ये सभी आफ्रीकन ग्रे तोते हैं, जो कुछ सबसे बुद्धिमान पक्षियों की श्रेणी में गिने जाते हैं। इनमें से 6 तोते महिला तो 2 पुरुष की आवाज़ में बोलते हैं, लेकिन मुश्किल ये है कि ये जब भी मुंह खोलते हैं, सिर्फ गालियां ही देते हैं। हालांकि मुश्किल ये है कि अब इनकी गाली देने की आदत की वजह से डर है कि बाकी के 92 तोते भी यही न सीख जाएं।

सुधारने में छूट रहे हैं पसीने

इन तोतों को जब समूह से हटाने के लिए बॉक्सेज़ में रखा गया, तो इन्होंने उसके अंदर से भी गालियां देना जारी रखा। इन्हें ये आदत तब लगी, जब कोविड के दौरान इन्हें एक साथ क्वारंटाइन में रखा गया था। एक-दूसरे से इन्होंने ये शब्द सीखे और विज़िटर्स के आने पर बोलने लगे। चूंकि लोग इनकी भाषा पर हंस देते थे, ऐसे में बाकी पक्षियों ने भी यही सीख लिया।

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए- 43 वर्ष वर के लिए, जाति ठाकुर, वधु चाहिए जाति बंधन नहीं है रायपुर में घर एवं कृषि जमीन सम्पन्न परिवार संपर्क करे मो. 9300982497 (58)

वर चाहिए

वर चाहिए
जाति महरा उम्र 25 वर्ष बिलासपुर छ.ग. बंधवापारा शिक्षा बी. कॉम एम. कॉम कन्या हेतु वर चाहिए
छत्तीसगढ़ निवासी को प्राथमिकता
सम्पर्क करें
9179368254

Agrawal Marrige Beuro
+917067566950
Azad ward,Mandla(M.P.) 481661
devendra agrawal
agrawaldevendra287@gmail.com

शब्द पहेली - 5407

बाएँ से दाएँ
1.महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाकाव्य-5
4.आज्ञापत्र, पतंगा-4
7.शरीर, बदन-2
8.होशियार, हुनरमंद-3
9.नस, नाड़ी-2
10.तीर रखने का पात्र-4
11.गधा, गर्दभ-2
13.जो बंदी हो-3
14.पत्नी, भार्या-2
15.दृष्टि, निगाह-3
17.खैरात, दक्षिणा-2
19.अपने ही घर में कैद होना-5
22.भाग्यवाला-5
25.जी, इच्छा-2
26.तन, काया-3
28.दुनिया, संसार-2
29.वेतन-3
30.भीगा हुआ-2
32.सागौन, एक प्रकार की मूल्यवान लकड़ी-4
34.परिणाम,हल,फ्रूट-2
36.सचेग-3
37.राजकपूर,नरगिस की फिल्म-2
38.चाणक्य के समय मगध की राजधानी-4
39.निरस्त करना-2,3

ऊपर से नीचे
1.आमिर,मनीषा कोइराला की फिल्म-2
2.रवि, सूर्य-3
3.तमाशा देखनेवाले-5
4.परीक्षण,जांच-3
5.सप्ताह का दिन-2
6.जो नापसंद हो (उर्दू-4)
7.गोविंदा व खुशबू की फिल्म-2,3
10.भाग्य,किस्मत-4
12.क्रिकेट में बनते हैं-2
16.नसीरुद्दीन शाह की एक फिल्म -3
17.खुजली-2
18.रस्सी पर अपराधी को लटकाना-2
20.आवश्यक-3
21.कैदी, बंधक-2
22.इसाई साध्वी-2
23.बालकपन-4
24.असावधान-5
25.महासमुद्र-5
26.सज्जनता, भद्रता-4
27.अभिषेक की फिल्म-2
31.मुद्दा (उर्दू-3)
33.वाचन करनेवाला-3
35.उद्देश्य-2
37.आगमन,आने का भाव-2

शब्द पहेली- 5406 का हल

उ	थ	ल	पु	थ	ल	■	मा	न	व	ता
त	न	■	ल	■	ल	व्वा	ई	■	श	र
रा	■	आ	क	र्ष	क	■	न	स	■	को
धि	क्का	र	ना	■	■	अ	■	च	प	ल
का	■	क्ष	■	भा	गी	दा	र	■	र	■
र	म	ण	यो	ग्य	■	व	ज	न	दा	र
■	ह	■	ग	फ	ल	त	■	म	■	ह
द	ल	ना	■	ल	■	■	य	की	न	न
श	■	का	व्य	■	त	न	म	न	■	स
ह	रा	■	स	ला	मी	■	रा	■	रा	ह
रा	ह	ज	न	■	ज	हा	ज	चा	ल	न

सूडोकू नवताल - 5417

* * * * * कठिनतम

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

MANGAL SENACHA BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल - 5416 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

रोहन बोपन्ना ने जीता दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब, एबडेन के साथ बने ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन, सबालेंका को एकल ट्रॉफी

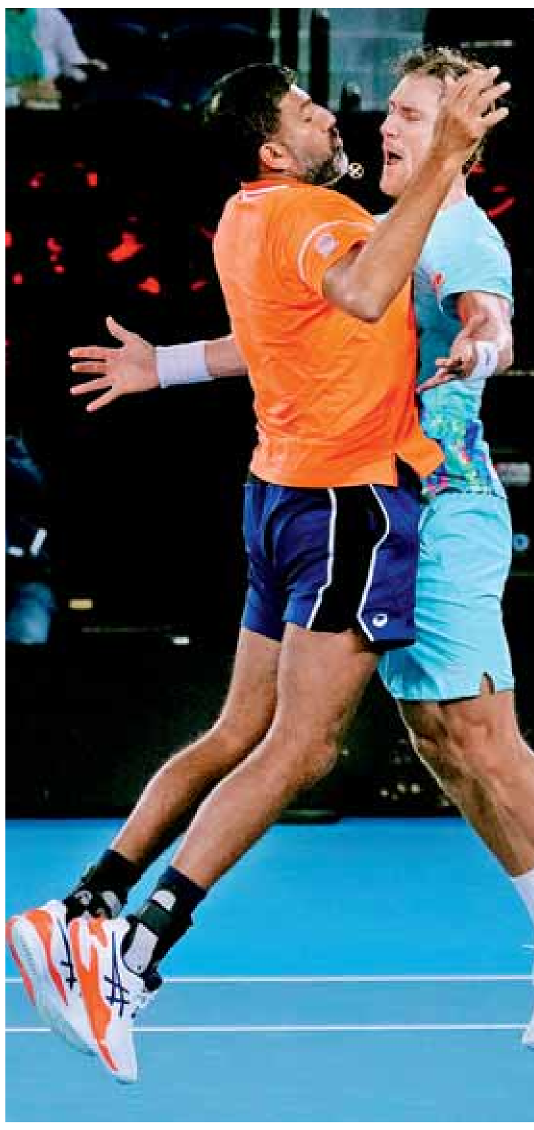

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने 43 साल की उम्र में दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। ऑस्ट्रेलियन ओपन के पुरुष युगल में बोपन्ना और मैथ्यू एब्डेन की जोड़ी ने शनिवार को फाइनल में इटली के सिमोन बोलेली और एंड्रिया वावसोरी की जोड़ी को सीधे सेटों में हराया। भारत के बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के एब्डेन की जोड़ी ने पहली बार इस खिताब को जीता है। बोपन्ना और एब्डेन ने 7-6 (7-0), 7-5 से मैच को अपने नाम किया। दोनों ने टाइब्रेकर तक चले पहले सेट को 7-6 (7-0) से जीता था। इसके बाद दूसरा सेट 7-5 के अंतर से जीत लिया। 43 साल के बोपन्ना हाल ही में पुरुष युगल की रैंकिंग में पहले स्थान पर पहुंचे हैं। उन्हें प्रतिष्ठित पद्म श्री पुरस्कार के लिए भी चुना गया। बोपन्ना ओपन एरा में ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। वह 43 साल और 329 दिन की

बोपन्ना और एबडेन का सफर

राउंड	जोड़ी को हराया	जीत का अंतर
पहला	जेम्स डकवर्थ-मार्क पोल्मैन्स	7-6(5), 4-6, 7-6(2)
दूसरा	जॉन मिलमैन-एडवर्ड विंटर	6-2, 6-4
तीसरा	वेस्ली कोहलॉफ-निकोला मेक्टिक	7-6(8), 7-6(4)
क्वार्टर फाइनल	मैक्सिमो गोंजालेज-आंद्रेस मोलटेनी	6-4, 7-6(5)
सेमी फाइनल	तोमास माचाक- झिझेन झांग	6-3, 3-6, 7-6(7)
फाइनल	सिमोन बोलेली- एंड्रिया वावसोरी	7-6 (7), 7-5

राजीव राम के रिकॉर्ड को तोड़ा

रोहन बोपन्ना का ग्रैंड स्लैम के पुरुष युगल स्पर्धा में यह 61वां मैच था। वह 19 अलग-अलग साथियों के साथ मैच खेल चुके हैं। बोपन्ना ने अमेरिका के राजीव राम के एक अनोखे रिकॉर्ड को तोड़ दिया। बोपन्ना पहला पुरुष युगल खिताब जीतने से पहले इस स्पर्धा में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन गए। राजीव राम को पहला पुरुष युगल ग्रैंड स्लैम जीतने में 58 मैच लग गए थे। बोपन्ना 61वें मैच में यह खिताब अपने नाम कर लिया।

बोपन्ना का तीसरा फाइनल मुकाबला

देखा जाए तो रोहन बोपन्ना का ये पहला ग्रैंड स्लैम मेंस डबल्स खिताब है। इससे पहले मेन्स डबल्स में बोपन्ना का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन साल 2010 और 2023 में रहा था, तब उन्होंने यूएस ओपन के फाइनल में जगह बनाई थी। इसके अलावा बोपन्ना फ्रेंच ओपन (2022) और विंबलडन (2013, 2015, 2023) में सेमीफाइनल तक का सफर तय कर चुके हैं।

फ्रेंच ओपन जीत चुके रोहन

रोहन बोपन्ना मिक्स्ड डब्लस के तहत 2017 में फ्रेंच ओपन का खिताब जीत चुके हैं। तब बोपन्ना ने गैब्रिएला डाब्रोव्स्की के साथ मिलकर अन्ना-लेना ग्रोनफेल्ड और रॉबर्ट फराह को 2-6, 6-2, (12-10) से हराया था।

बोपन्ना वर्ल्ड नंबर-1

बोपन्ना ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के अंत तक नंबर 1 स्थान पक्का कर लिया है। वहीं, बोपन्ना के सबसे सफल पार्टनर्स में से एक मैथ्यू एब्डेन का मेन्स डब्ल्स रैंकिंग में नंबर 2 स्थान पर पहुंचना तय हो गया है। मैथ्यू एब्डेन ऑस्ट्रेलियाई खलिाड़ी हैं।

आर्यना सबालेंका ने महिलाओं के एकतरफा फाइनल में झेंग क्विनवेन पर 6-3, 6-2 से जीत के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब का बचाव किया। पिछले 13 महीने में 25 साल की यह खिलाड़ी अपना तीसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल खेल रही थी। इसमें से वह दो में जीत दर्ज करने में सफल रही। उन्होंने पिछले साल इस टूर्नामेंट के फाइनल में एलिना रायबकिना को हराया था। सबालेंका 2012 और 2013 में विक्टोरिया अजारेंका के बाद लगातार ऑस्ट्रेलियाई ओपन खिताब जीतने वाली पहली महिला हैं। वह 2000 के बाद बिना कोई सेट गंवाए यहां चैंपियनशिप जीतने वाली पांचवीं महिला हैं।

सबसे बड़ा उलटफेर, वर्ल्ड नंबर-1 नोवाक जोकोविच हारकर बाहर

24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 के सेमीफाइनल मुकाबले में हार गए हैं। वर्ल्ड नंबर-1 जोकोविच को सेमीफाइनल में चौथी सीड इटली के यानिक सिनर के हाथों 1-6, 2-6, 7-6 (8-6), 3-6 से हार का सामना करना पड़ा। दोनों खिलाड़ियों के बीच शुक्रवार को मेलबर्न पार्क में खेला गया यह सेमीफाइनल मुकाबला 3 घंटा और 23 मिनट तक चला। पहली बार नोवाक जोकोविच को ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में हार मिली है।

खबर संक्षेप

11वें दौर में डी गुकेश दूसरे स्थान पर खिसके

विज्क आन जी। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश यहां टाटा स्टील मास्टर्स के 11वें दौर में फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा के साथ ड्रॉ खेलने के बाद दूसरे स्थान पर खिसक गए। टूर्नामेंट में अब दो दौर का खेल बचा है और उज्बेकिस्तान के अब्दुसत्तारोव नोडिरबेक ने चीन की महिला विश्व चैंपियन वेंजुन जू को हराकर तालिका में एकल बढ़त बना ली है। इस जीत के बाद नोडिरबेक के 7.5 अंक हो गए हैं जबकि गुकेश उनसे आधा अंक पीछे है। ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती ने ईरान के परहम माघसूदलू पर शानदार जीत के साथ पोडियम पर अपने अभियान को खत्म करने की उम्मीदों को मजबूत किया।

टीम इंडिया में वंदना पूनिया की वापसी

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में जगह बनाने की विफलता से उबरते हुए सविता पूनिया की अगुवाई वाली 24 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम आगामी एफआईएच प्रो लीग मैच में ताजा शुरुआत करने की कोशिश करेगी।

वंदना कटारिया की फ्रेक्चर से उबरने के बाद बतौर उप कप्तान टीम में वापसी हुई है। इसी फ्रेक्चर के कारण वह इस महीने के शुरू में रांची में ओलंपिक क्वालीफायर्स में नहीं खेल पायी थीं। रांची में भारतीय टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा जिससे वह ओलंपिक में जगह बनाने से चूक गई जबकि पिछले दो चरण में टीम ने क्वालीफाई किया था। प्रो लीग का भुवनेश्वर चरण तीन से नौ फरवरी तक चलेगा जबकि राउरकेला चरण 12 से 18 फरवरी तक होगा।

टेस्ट : ओली 148 पर नाबाद, इंग्लैंड ने 6 विकेट पर बनाए 316 रन

पोप के शतक से संभला इंग्लैंड भारत पर बनाई 126 की बढ़त

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

इग्लैंड ने ओली पोप (नाबाद 148 रन) के संयम से खेले गए शतक से शनिवार को यहां पहले टेस्ट के तीसरे दिन स्टंप तक दूसरी पारी में छह विकेट पर 316 रन बनाकर भारत की उन्हें जल्दी समेटने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इंग्लैंड ने इस तरह भारत पर 126 रन की बढ़त हासिल कर मैच को रोमांचक स्थिति में पहुंचाने की ओर कदम बढ़ाए। हालांकि उसके पास चार विकेट बचे हैं। पोप के साथ रेहान अहमद 16 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं।

भारत ने इग्लैंड के पहली पारी के 246 रन के जवाब में 436 रन बनाकर 190 रन की बढ़त हासिल की थी। पोप ने यहां 'आरजीआई स्टेडियम' में गजब का संयम दिखाया और तकनीकी निपुर्णता से बल्लेबाजी करते हुए भारतीय गेंदबाजों की सारी कोशिश नाकाम कर दीं जिन्हें उम्मीद थी कि वे तीसरे दिन ही इंग्लैंड की पारी खत्म कर देंगे जबकि इंग्लैंड ने 163 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। लेकिन पोप और बेन फोक्स (34 रन) ने छठे विकेट के लिए 104 रन की भागीदारी निभाकर भारतीय गेंदबाजों को निराश किया। इससे मैच चौथे दिन तक खिंच गया। पोप ने स्वीप और रिवर्स स्वीप से काफी रन जुटाए। उन्होंने इंग्लैंड की पारी संभालते हुए 156 गेंद में भारत के खिलाफ अपना पहला और कॅरियर का पांचवां टेस्ट शतक पूरा किया।

पंड्या ने दमखम से शुरू किया गेंदबाजी अभ्यास

वडोदरा। भारत के अनुभवी हरफनमौला हार्दिक पंड्या ने अपने टखने की चोट से उबरने के बाद पूरी लय में गेंदबाजी करना शुरू कर दिया है। इससे स्पष्ट संकेत मिलता है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी सत्र के लिए तैयार हैं जहां वह मुंबई इंडियंस की कप्तानी करेंगे। पिछले साल टखने की चोट के कारण विश्व कप से बाहर होने वाले पंड्या को इंस्टाग्राम पर साझा किए गए वीडियो फुटेज में गेंदबाजी करते देखा गया। हार्दिक ने कहा, 'खेल में वापसी करके मुझे अच्छा लग

स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
क्राउले का शर्मा बो अश्विन	31	33	4	1
बेन डकेट बो बुमराह	47	52	7	0
ओली पोप खेल रहे हैं	148	208	17	0
जो रूट पगबाधा बो बुमराह	02	06	0	0
जॉनी बेयरस्टो बो जडेजा	10	24	1	0
बेन स्टोक्स बो अश्विन	06	33	0	0
बेन फोक्स बो पटेल	34	81	2	0
रेहान अहमद खेल रहे हैं	16	31	2	0

अतिरिक्त : 22 कुल : 77 ओवर में 316/6

गेंदबाजी : बुमराह 12-3-29-2, अश्विन 21-3-93-2, अक्षर 15-2-69-1, जडेजा 26-1-101-1, सिराज 3-0-8-0.

सीनियर राष्ट्रीय कुश्ती में 700 पहलवान लेंगे भाग

नई दिल्ली। निलंबित भारतीय कुश्ती महासंघ ने शनिवार को कहा कि पंजाब और ओडिशा को छोड़कर सभी संबद्ध राज्य इकाइयों का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 700 पहलवान सोमवार से पुणे में आयोजित होने वाली सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भाग लेंगे। डब्लूएफआई ने दिसंबर के अंतिम सप्ताह में उत्तर प्रदेश के गोंडा में 2023 आयु वर्ग के राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी करने की घोषणा की थी। इसके बाद खेल मंत्रालय इस निकाय को अपने स्वयं के संविधान का उल्लंघन कर चुनाव कराने के आरोप में निलंबित कर दिया था। खेल मंत्रालय ने चुनाव के तीन दिन बाद ही डब्लूएफआई को निलंबित करते हुए कहा था कि उसके द्वारा आयोजित राष्ट्रीय चैम्पियनशिप को मान्यता नहीं दी जाएगी। डब्लूएफआई हालांकि पुणे में आयोजन पर तुला हुआ है। डब्लूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा, 'भारतीय कुश्ती महासंघ फ्री स्टाइल, ग्रीको रोमन और महिला कुश्ती में अपनी 2023 सीनियर राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप का आयोजन कर रहा है। चैंपियनशिप का आयोजन महाराष्ट्र राज्य कुश्तीगिरी संघ द्वारा 29 से 31 जनवरी 2024 तक पुणे में किया जा रहा है।'

रिदम, उज्जवल ने वर्ल्ड कप में जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी ▶▶| काहिरा

रिदम सांगवान और उज्जवल की जोड़ी ने शनिवार को यहां 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा के फाइनल में एलमिरा कारापेयन और बेनिक खलघाटयान की अर्मेनियाई जोड़ी को 17-7 से हराकर भारत को आईएसएसएफ विश्व कप में पहला स्वर्ण पदक दिलाया। इससे पहले अर्जुन बबुता और सोनम उत्तम मस्कर की जोड़ी ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया।

भारतीय निशानेबाजों ने अभी तक एक स्वर्ण और दो रजत पदक जीत लिए हैं। पदार्पण कर रही निशानेबाज अनुराधा देवी ने रियो ओलंपिक चैंपियन अन्ना कोराकाक्की को पछाड़ते हुए महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीतकर भारत का खाता खोला। रिदम का यह लगातार दूसरा विश्व कप मिश्रित टीम स्वर्ण पदक है।

अनुराधा की इस उपलब्धि ने भारत को ओलंपिक वर्ष के पहले आईएसएसएफ विश्व कप चरण में पहला पदक दिलाया। फाइनल में उन्होंने कजाखस्तान की इरिना युनुस्मेतोवा को पछाड़कर दूसरा स्थान हासिल किया। अनुराधा 239.9 के स्कोर से कोराकाक्की से 1.2 अंक पीछे रहीं।

डब्लूटीटी : श्रीजा की शानदार जीत, मनिका और अर्चना हारीं

मापुसा। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी श्रीजा अकुला ने शनिवार को यहां शानदार जीत दर्ज करते हुए विश्व टेबल टेनिस स्टार कंटेंडर गोवा के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई जबकि

मनिका बत्रा और अर्चना कामत को अपने मुकाबलों में हार का मुंह देखना पड़ा। हैदराबाद की 25 वर्षीय अकुला ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए प्री क्वार्टर फाइनल में हांगकांग की डू होई केम पर 3-1 (12-10, 8-11, 11-8, 11-8) से जीत हासिल की। भारत की शीर्ष (38वीं) रैंकिंग पर काबिज मनिका को दुनिया की 13वें नंबर की जियाओजिन यांग से 1-3 (11-9, 11-13, 7-11, 9-11) से हार मिली। महिला एकल के अन्य प्री क्वार्टरफाइनल में बेंगलुरु की कामत को दक्षिण कोरिया की जियोन जिही से 1-3 (11-13, 11-9, 6-11, 4-11) से पराजय झेलनी पड़ी। अकुला ने इससे पहले दुनिया की 30वें नंबर की खिलाड़ी हाना गोडा को 3-0 (11-8 11-6 14-12) से पराजित किया था। मनिका ने दक्षिण कोरिया की सुह हयो वोन पर 3-1 (11-6 9-11 11-9 11-7) की आसान जीत हासिल कर प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी।

भारत ने द.अफ्रीका को 3-0 से हराया

एजेंसी ▶▶| केपटाउन

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने दक्षिण अफ्रीका दौरे पर अजेय सिलसिला जारी रखते हुए मेजबान पर 3-0 से आसान जीत दर्ज की। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने शुक्रवार रात हुए मुकाबले में दूसरे मिनट में, अभिषेक ने 13वें मिनट में और सुमित ने 30वें मिनट में गोल दागे।

भारत ने आक्रामक शुरुआत करते हुए पहले ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया जिसे हरमनप्रीत ने ताकतवर ड्रैगफ्लिक से गोल में बदलकर बढ़त दिलाई। पहले क्वार्टर में दो ही मिनट बचे थे कि अभिषेक ने फुर्तीला शॉट लगाकर दक्षिण अफ्रीका के गोलकीपर को पछाड़ दिया और भारत की बढ़त दोगुनी कर दी। हाफ टाइम से तुरंत पहले सुमित मैदानी

गोल करने में सफल रहे और भारत 3-0 से आगे हो गया। चौथे क्वार्टर में दोनों टीम के खिलाड़ियों ने काफी प्रयास किए लेकिन कोई गोल नहीं हो सका।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने फाइनल में बनाई जगह

मस्कट। भारतीय महिला टीम ने यहां दक्षिण अफ्रीका पर 6-3 की रोमांचक जीत दर्ज करते हुए एफआईएच हॉकी फाइव्स महिला विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में रविवार को भारत का सामना नीदरलैंड से होगा। अक्षता अबासो ढेकाले (सातवें मिनट), मारियाना कुजूर (11वें), मुमताज खान (21वें), रुतुजा दादासो पिसल (23वें), ज्योति छत्री (25वें) और अजीमा कुजूर (26वें) ने शुक्रवार रात हुए सेमीफाइनल मुकाबले में भारत के लिए गोल दागे। दक्षिण अफ्रीका के लिए टेशॉन डी ला रे (पांचवें), कप्तान टोनी मार्क्स (आठवें) और डिर्की चेम्बरलेन (29वें) ने गोल किए।

भारत 'ए' ने लायंस को पारी, 16 रन से हराया

अहमदाबाद। भारत 'ए' ने बेहतरीन हरफनमौला खेल के दम पर शनिवार को यहां दूसरे 'अनौपचारिक टेस्ट' में इंग्लैंड लायंस (ए टीम) पर पारी और 16 रन से जीत दर्ज कर तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 की अजेय बढ़त बना ली।

तन्मय ने ठोका 147 गेंद में सबसे तेज तिहरा शतक

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

हैदराबाद के तन्मय अग्रवाल प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सर्वाधिक छक्के लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। तन्मय ने अपनी पारी में रिकार्ड 26 छक्के जड़े। प्रथम श्रेणी मैच की एक पारी में किसी बल्लेबाज द्वारा सबसे अधिक छक्के लगाने के कॉलिन मुनरो के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर मुनरो ने सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के खिलाफ ऑकलैंड के लिए खेलते हुए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 23 छक्के जड़े थे। हैदराबाद ने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी प्लेट ग्रुप मैच के पहले दिन प्रथम श्रेणी क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज (147 गेंद) तिहरा शतक लगाने वाले तन्मय अग्रवाल शनिवार को 366 रन बनाकर आउट हो गए। रणजी ट्रॉफी में 26 जनवरी 2024 खेला गया अरुणाचल प्रदेश और हैदराबाद के बीच का मुकाबला इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया है।

अंडर-19 विश्व कप : पहले ही 'सुपर सिक्स' में जगह पक्की कर चुकी टीम इंडिया

भारत अंतिम ग्रुप मैच में अमेरिका से भिड़ेगा आज

एजेंसी ▶▶| ब्लोमफोंटेन

पहले ही 'सुपर सिक्स' में जगह पक्की करने वाली रिकॉर्ड पांच बार की चैंपियन भारतीय टीम के रविवार को यहां अंडर-19 विश्व कप के अपने अंतिम ग्रुप मैच में अमेरिका पर आराम से जीत दर्ज करने की उम्मीद है। भारत ने अपने पहले दो मैच में बांग्लादेश और आयरलैंड को हराया है। भारतीय मूल के खिलाड़ियों से भरी अमेरिका टीम के खिलाफ जीत हासिल करते ही भारत ग्रुप में शीर्ष पर पहुंच जाएगा।

अमेरिकी को अपने शुरुआती मैच में आयरलैंड और बांग्लादेश से हार झेलनी पड़ी है। बांग्लादेश ने जहां भारतीय बल्लेबाजों को थोड़ा दबाव में रखा, वहीं उदय सहारन की अगुवाई वाली टीम ने आयरलैंड के खिलाड़ियों के खिलाफ जरा भी गलती नहीं की। ग्रुप ए और बी से तथा ग्रुप सी और डी से शीर्ष तीन टीम 'सुपर सिक्स' के लिए क्वालीफाई करती हैं।

टीम इस प्रकार हैं

भारत : अर्शिन कुलकर्णी, आदर्श सिंह, रुद्र मयूर पटेल, सचिन धस, प्रियांशु मोलिया, मुशीर खान, उदय सहारन (कप्तान), अरवेल्ली अवनीश राव, सौम्य कुमार पांडे, मुरुगन अभिषेक, इनेश महाजन, धनुष गौड़ा, आराध्या शुक्ला, राज लिम्बानी और नमन तिवारी

अमेरिका : अमोघ अरेपल्ली, रेयान भगानी, आर्यन बत्रा, खुश भलाला, प्रणव चेट्टीपलायम, आर्य गर्ग, सिद्धार्थ कप्पा, भाव्या मेहता, आरिन नाडकर्णी, मानव नायक, पार्थ पटेल, ऋषि रमेश (कप्तान), उत्कर्ष श्रीवास्तव, अतींद्र सुब्रमण्यन, आर्यमान सूरी. रिजर्व: अर्जुन महेश, अंश राय, आर्यन सतीश।

फार्म में टीम इंडिया

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज नमन तिवारी ने शुरू में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। वहीं बाएं हाथ के स्पिनर सौम्य पांडे के पास गेंद को टर्न कराने की क्षमता है और वह दो मैच में सात विकेट लेकर सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे हैं। तीसरे नंबर के बल्लेबाज मुशीर खान ने आयरलैंड के खिलाफ शतक जड़कर काफी उम्मीदें जगा दी हैं और वह भी अपने बड़े भाई सरफराज की तरह रनों का अंबार लगाने की कोशिश करेंगे। सलामी बल्लेबाज अर्शिन कुलकर्णी पिछले दो मैच में सात और 32 रन ही बना पाए हैं जिससे वह भी इस मैच में बड़ा स्कोर बनाना चाहेंगे। कप्तान सहारन ने लगातार दो अर्धशतक जड़कर अच्छी जिम्मेदारी निभायी है और वह अमेरिका जैसी कमजोर टीम के खिलाफ फायदा उठाना चाहेंगे। सचिन धास ने पारी के अंत में बड़े हिट लगाकर 'फिनिशर' की भूमिका बखूबी निभाई है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड मण्डला (म.प्र.)

दूरभाष-07642-252443 ई-मेल-eephedmal@mp.nic.in फेक्स-07642-253622

निविदा क्र. 182 एवं 183 / 2023-24 / लेखा / लो.स्वा. यां. / 2024 मण्डला, दिनांक 18.01.2026

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नानुसार कार्य हेतु ऑनलाईन वेबसाईट http://mptenders.gov.in/nicgep/app पर निविदा आमंत्रित किये जाते है। ऑन लाईन निविदा प्रस्तुत किये जाने की अंतिम तिथि 30/01/2024 सायं 17.30 बजे तथा निविदा खुलने का दिनांक 01/02/2024 सायं 12.00 बजे के पश्चात है निविदा से सम्बंधित कोई भी संशोधन ई-टेण्डरिंग पोर्टल पर प्रदर्शित है। विस्तृत निविदा एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट http://mptenders.gov.in/nicgep/app पर देखा जा सकता है।

क्र.	निविदा क्रमांक	ई-टेण्डर आई.डी. न.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत	धरोहर राशि (रुपये में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समयावधि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	182 / 2023-24	2024_PHED_327269_1	Work for Cleaning and Maintenance for filter bed Group Water Supply Scheme (GWSS) at Badikhairi filter paint Block Mandla District Mandla	1692460	34000	2000.00	06 Month
2	183 / 2023-24	2024_PHED_327275_1	Work for Cleaning and Maintenance for filter bed Group Water Supply Scheme (GWSS) at Saliwara filter paint Block Mohgaon District Mandla	1692460	34000	2000.00	06 Month

नोट :- निविदा प्रपत्र उपरोक्त वेबसाईट पर केश कार्ड, ए.टी.एम. कम डेबिट कार्ड या इंटरनेट बैंकिंग एकाउण्ट के माध्यम से ऑनलाईन भुगतान पर क्रय किया जा सकता है।

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड,मण्डला (म.प्र.)

G-23426/23

दुर्घटना से दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

लोक निर्माण मंत्री ने दीवार पर कमल बनाकर लिखा नारा

अपने क्षेत्र में दीवार लेखन करे भाजपा कार्यकर्ताः राकेश सिंह

जबलपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2024 के लोकसभा चुनाव पुन भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई में एनडीए की सरकार बनना तय है क्योंकि देश की जनता के मन में मोदी और मोदी के मन में पूरा देश है और कार्यकर्ता होने के नाते हम सभी अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह कर रहे है इसी क्रम में पश्चिम विधानसभा में दीवार लेखन की शुरुआत की गई, यह बात लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने भारतीय जनता पार्टी के दीवार लेखन अभियान के दौरान कही।

उल्लेखनीय है कि 15 जनवरी से देश भर में दीवार लेखन अभियान शुरू किया है इसी क्रम में लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह ने दीवार लेखन अभियान के तहत पश्चिम विधानसभा स्थित ग्वारीघाट रोड पोलीपाथर में 'एक बार फिर से मोदी सरकार' का नारा लिखते हुए कमल का निशान दीवार पर बनाया। इस अवसर पर उन्होंने कहा 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने जो संकल्प लिए थे उन्हे पूरा होते हम आज देख रहे है और देशहित व जनहित के लिए निर्णयों से जनता पूरी तरह से उनके नेतृत्व में सरकार बनाने आश्वस्त है। आज भारत का वैश्विक पटल में ऊंचा स्थान है और हम दुनिया की पांचवी अर्थव्यवस्था बन गए है और मोदी जी का संकल्प है की आने वाले समय में हम दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनेंगे साथ ही भारत विश्व का नेतृत्व करेगा और इसीलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनाने के लिए हर कार्यकर्ता कृत संकल्पित है और आज दीवार लेखन के माध्यम से हमने प्रचार की शुरुआत की है साथ ही कार्यकर्ताओ से आह्वान किया है कि अपने अपने क्षेत्र में दीवार लेखन करे।

इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता शशिकांत शुक्ला, मंडल अध्यक्ष कौशल सूरी, पार्षद मालती चौधरी, शारदा कुशवाहा, मनीष दुबे, राजेंद्र सूर्यवंशी, अखिलेश तिवारी, शरद गुप्ता, राजेश पटेल, दीपक यादव आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा जियो पार्क : राकेश सिंह

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने जबलपुर स्थित लम्हेटाघाट-भेड़ाघाट में बनने जा रहे देश के पहले जियो पार्क के डिजाइन के संदर्भ में आज जीएसआईए पर्यटन विकास निगम एवं लॉड्‌र्स कल्चरल रिसोर्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ बैठक कर इसकी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की तत्पश्चात अधिकारियों के साथ स्थल पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि देश का पहला जियो पार्क जबलपुर में बनने जा रहा है तो इसकी डीपीआर इस तरह तैयार की जाए कि जियो पार्क पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण केंद्र बनकर सामने आए। इस दौरान क्षेत्रीय विधायक नीरज सिंह, जीएसआई के डिप्टी जनरल डॉ.एसएस सरकार व अधिकारीगण, मध्यप्रदेश टूरिज्म के जॉइंट डायरेक्टर, कलेक्टर दीपक सक्सेना व अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

नाबालिग बच्ची के साथ रेप के दोषी को 20 साल की कैद

जबलपुर। पाक्सो एक्ट की विशेष अदालत ने नाबालिग लड़की के साथ दुष्कृत्य करने के आरोपी को दोषी पाते हुए 20 साल के कठोर कारावास से दंडित किया, साथ ही जुर्माना भी लगाया। इसके साथ ही न्यायालय ने पीड़िता को 1लाख रुपए की प्रतिकर राशि देने के आदेश भी पारित किए हे। अभियोजन पक्ष के मुताबिक तिलवारा थाना क्षेत्र की एक नाबालिग लड़की 15 दिसंबर 2020 को मेडीकल कॉलेज में गर्भावस्था में पहुंची, मेडीकल कॉलेज से इस बात की सूचना मिलने पर, तिलवारा थाने की उपनिरीक्षक शिल्पा कौरव मेडीकल कॉलेज पहुंची और नाबालिग का बयान दर्ज किया।

पॉक्सो एक्ट की विशेष अदालत ने सुनाई सजा

नाबालिग ने पुलिस बयान में कहा कि आरोपी देवराम विश्वकर्मा से उसकी दोस्ती हुई और दोनों की आपस में बातचीत होने लगी, आरोपी ने एक दिन उसे कहा कि वह उससे प्यार करता है वह प्रतिदिन करीब पांच माह पहले से सुबह आई.टी. पार्प घूमने जाती थी। 26 अक्टूर 2020 को सुबह 05.30 बजे आई.टी. पार्प गई थी, वहां वह घूम रही थी, तभी अचानक देवराम उसे वहां मिला, तब वह उसके साथ थोड़ा आगे घूमने चली गई। फिर आगे देवराम ने जंगल में ले गया जहां उसके साथ उसकी मर्जी के विरुद्ध आरोपी ने उसका बलात्कार किया, इसके बाद लड़की गर्भवती हो गई तो उसने यह बात आरोपी को बताई, तब आरोपी ने उसे अगले दिन दवाई देने की बात कही और दवाई भी दी, दवाई खाने के बाद उसकी तबियत बिगड़ी तब वह अपनी माँ के साथ मेडीकल अस्पताल पहुंची, जहां उसका गर्भपात हुआ। लड़की और उसकी माँ के बयान के आधार पर आरोपी के खिलाफ धारा 376(2)(जे), 376(2)(एन), 376(3), 312 व 3 सहपठित धारा 4 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना के बाद न्यायालय में चालान पेश किया गया। अभियोजन पक्ष की ओर से अतिरिक्त जिला लोक अभियोजन अधिकारी श्रीमती स्मृतिलता बरकडे ने पैरवी की, जिनके तर्को से सहमत होकर न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराया और 20 साल की सजा सुना दी।

जेएमएफसी कोर्ट ने दिए अपराध पंजीबद्ध करने के निर्देश

पहली पत्नी से तलाक लिए बिना दूसरा विवाह करने पर वारंट जारी

जबलपुर। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी ज्योति सिंह टेकाम की अदालत ने पहली पत्नी से तलाक लिए बना दूसरा विवाह करने के आरोपित सदर बाजार, जबलपुर निवासी सचिन पासी के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर वारंट जारी करने का निर्देश दिया है। परिवादी सदर बाजार निवासी प्रियंका नामदेव की ओर से अधिवक्ता संदेश दीक्षित ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि सचिन व प्रियंका के प्रेम संबंध थे। 28 जून, 2012 को दोनों ने हिंदू रीति-रिवाज से विवाह किया। जिसके बाद मां न बन पाने की वजह से बांझ जैसा ताना देकर प्रताड़ित किया जाने लगा। दहेज की भी मांग की जाने लगी। जिससे तंग आकर प्रियंका ने दहेज प्रताड़ना का केस कर दिया, जो फिलहाल विचाराधीन है। अदालत ने चार हजार रुपये मासिक भरण-पोषण का आदेश भी पारित कर चुकी है। किंतु सचिव ने प्रियंका से विधिवत तलाक लिए बिना एकता पासी नामक दूसरी युवती से विवाह कर लिया। 10 दिसंबर, 2022 को उसने एक संतान को भी जन्म दे दिया। दरअसल, संतान होने की जानकारी के बाद ही दूसरे विवाह का सच सामने आया। लिहाजा, प्रियंका ने कानूनी कार्रवाई का निर्णय लिया। विवाद के बाद से प्रियंका पति से अलग निवास करने लगी थी। सचिन ने दूसरी शादी की बात सबसे छिपाकर रखी थी।

सेवानिवृत्त सब इंस्पेक्टर से रिकवरी पर हाईकोर्ट की रोक

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने सेवानिवृत्त सब इंस्पेक्टर से रिकवरी पर रोक लगा दी। मामला समयमान वेतनमान का लाभ देने से जुड़ा है। जस्टिस विवेक जैन की एकलपीठ ने पुलिस अधीक्षक रेडियो को निर्देश दिए हैं कि याचिकाकर्ता अधिकारी के अभ्यावेदन पर विचार कर 30 दिन के भीतर उस पर उचित निर्णय पारित करें। जबलपुर निवासी विजय कुमार रॉय की ओर से अधिवक्ता सचिन पांडे ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि याचिकाकर्ता सब इंस्पेक्टर रेडियो के पद से 2016 को सेवानिवृत्त हुआ है। जब उनके सेवानिवृत्ति लाभ तय किए गए तो उनके खिलाफ एक लाख 98 हजार रुपए की रिकवरी निकाल दी। दलील दी गई कि याचिकाकर्ता को पहले ही दो प्रमोशन के लाभ दिए जा चुके हैं, इसलिए उन्हें दिया गया द्वितीय समयमान वेतनमान का लाभ वापस करना होगा। याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि पूर्व में हाईकोर्ट ने प्रताप नारायण विश्वकर्मा के प्रकरण में यह स्पष्ट किया है कि वर्ग के अंदर वर्गीकरण नहीं किया जा सकता। इसलिए समयमान का लाभ वापस लेना अवैधानिक है।

पाटन में सनसनीखेज वारदात, आरोपी फरार

"काय रे" बोलने पर किसान युवक की गोली मारकर हत्या

जबलपुर। पाटन थाना अतंर्गत चौधरी मोहल्ला में 26 जनवरी की रात 9 बजे के लगभग एक किसान की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या की वजह मामूली विषय बताया गया है। "काय रे" बात करने के विवाद पर गोली मार दी गई। आरोपी हमलावर भाजपा का नेता बताया गया है। फिलहाल आरोपी पुलिस गिरफ्त से बाहार है। आरोपियों ने लायसेंसी बंदूक से फायर किया, जिससे युवक की मौत हो गई। घटना के संबंध में पाटन पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक के चचेरे भाई राघव शर्मा (नंदेसरिया) ने बताया कि उसके बड़े भाई 34 वर्षीय रामराज नंदेसरिया उसे घर छोड़ने के लिए पाटन स्थित चौधरी मोहल्ला आए हुए थे। रामराज अपने घर रिमझा वापस गांव जा रहे थे, तभी भाजपा नेता आशीष और उसके साथी पप्पू बर्मन से किसी बात को लेकर रामराज का विवाद हो गया। रामराज ने कहा कि "काय रे" करके क्यों बात की, इसी बीच आरोपी आशीष बेहुरे ने 12 बोर की लायसेंसी बंदूक लाकर रामराज को गोली मार दी। गोली पीठ में लगी, रामराज जमीन पर गिर पड़ा। चचेरे भाई राघव और अनुराग, व उमाकांत, श्रीकांत ने बीच बचाव किया तो आरोपी आशीष बेहुरे, पप्पू बर्मन, कृष्णा चौधरी ने उनके साथ मारपीट की और भाग गए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 394, 323, 302, 34 के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया है।

कई पदों में रह चुका आरोपी

बताया जा रहा है कि आरोपी आशीष भाजपा का एक स्थानीय कद्दावर नेता है। जो युवा मोर्चा ग्रामीण सहित कई पद पर रह चुका है। मृतक के भाई का कहना है कि 3 माह पहले भी एक आदिवासी युवक के साथ इन लोगों ने मारपीट कर उस पर ही आरोप लगा दिया था कि वह अपराधी है। आदिवासी युवक के खिलाफ ही आरोपियों ने मामला दर्ज करवा दिया था। इस वारदात में आशीष का साथी पप्पू बर्मन भी शामिल रहा। बताया जा रहा है कि आरोपी की मां नीरा बेहुरे पाटन नगर परिषद की अध्यक्ष रह चुकी है। इलाके में इनका अच्छा खासा दबदबा है। घटना को लेकर एडिशनल एसपी ने बताया कि आरोपी ने 12 बोर की लाइसेंस बंदूक से गोली चलाई थी। बहरहाल पाटन पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

धारा 144 में मौजूद रहना अपराध नहीं: हाईकोर्ट

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है, कि धारा 144 लागू रहने के दौरान, संबंधित क्षेत्र में केवल उपस्थित रहने के कारण उसे धारा 144 के उल्लंघन का अपराधी नहीं बनाया जा सकता है। ऐसा करना कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में यह कहा, कि पुलिस को इस तरह की कार्रवाई की अनुमति नहीं दी जा सकती है। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति संजय द्विवेदी की पीठ ने कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर विशेष अदालत में, लंबित मामले में कार्रवाई निरस्त करने के आदेश दिए हैं। गोविंद राजपूत की ओर से अधिवक्ता अंकित सक्सेना ने याचिका दायर की थी। विधानसभा चुनाव के दौरान कलेक्टर अलीराजपुर ने किसी बाहरी व्यक्ति को धारा 144 लागू होने के दौरान, वहां पर उपस्थित रहने पर राजपूत के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध किया था। सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए एफआईआर को निरस्त करने का आदेश दिया।

514 नर्सिंग व पैरामेडिकल कॉलेज ने नहीं किया संबद्धता के लिए आवेदन

जबलपुर। मध्य प्रदेश के 514 नर्सिंग और पैरामेडिकल कॉलेज द्वारा विश्वविद्यालय से संबंधता लेने से इनकार कर दिया है। उन्होंने अपनी आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए, संबद्धता लेने से इनकार किया है।जिसके कारण मध्य प्रदेश के 150000 छात्र छात्राओं का भविष्य अंधकार में हो सकता है। नर्सिंग कॉलेज की जांच सीबीआई के द्वारा की जा रही है। लाखों छात्राओं की परीक्षाएं नहीं हुई है जिसके कारण कॉलेजों को फीस भी प्राप्त नहीं हुई है। ऐसी स्थिति में कॉलेज पैरामेडिकल और नर्सिंग कोर्स चलाने के लिए इच्छुक ही नहीं हैं।

मेडिकल विश्वविद्यालय द्वारा इन संस्थाओं को संबंधता दी जाती है। नर्सिंग और पैरामेडिकल कॉलेज द्वारा संबंधता नहीं लिए जाने के कारण, इसका असर परीक्षाओं पर पड़ रहा है। मेडिकल विश्वविद्यालय द्वारा 2024-25 की संबद्धता के लिए मार्च तक दिया जाना है। विश्वविद्यालय द्वारा एफीलिएशन की फीस बढ़ा दिए जाने के कारण,नर्सिंग कॉलेज ओर पैरामेडिकल कॉलेजों ने आवेदन करने से ही इनकार कर दिया है। मेडिकल यूनिवर्सिटी के कुल सचिव का कहना है, कि वह पैरामेडिकल और नर्सिंग कॉलेज के लिए वर्ष 2024-25 के एफीलिएशन के लिए समय सीमा बढ़ाने का एक प्रस्ताव,एकेडमिक काउंसिल के समक्ष रखेंगे। उसका क्या निर्णय होता है, उसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

माशिमं ने परीक्षाओं के लिए जारी की नई गाइडलाइन

बोर्ड परीक्षाओं को अधिक पारदर्शी बनाने नियमों में किया बदलाव

जबलपुर। माध्यमिक शिक्षा मंडल की हाईस्कूल और हायर सेकेंड्री परीक्षाओं का काउंटडाउन शुरू हो गया है। शिक्षा विभाग भी एग्जाम मोड पर है। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने परीक्षाओं के लिए नई गाइडलाइन जारी कर दी है। बोर्ड परीक्षाओं को अधिक पारदर्शी बनाने माध्यमिक शिक्षा मंडल ने इस बार कुछ बदलाव किए हैं। प्रायोगिक तौर पर कुछ उत्तर पुस्तिकाओं में बार कोड लगाया जाएगा। 32 पेज की उत्तर पुस्तिका रहेगी, लेकिन इस बार सप्लीमेंट्री कॉपी नहीं मिलेगी। परीक्षा में विद्यार्थियों को दो तरह की उत्तर पुस्तिकाएं मिलेंगी। 32 पेज की मुख्य विषय की और 20 पेज की वोकेशनल और संस्कृत विषय की कापी होगी। प्रायोगिक परीक्षाओं में 10वीं के विद्यार्थियों को आठ और 12वीं के विद्यार्थियों को 12 पन्नों की कॉपियां देना तय हुआ है। गणित विषय में 32 पन्नों की ग्राफ कॉपी मिलेंगी। सप्लीमेंट्री कापी नहीं दी जाएगी। कॉपी में

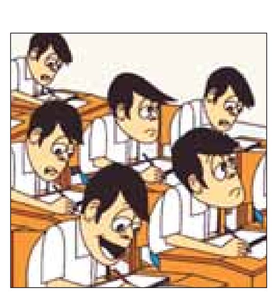

रोल नंबर छिपाने के लिए किसी भी तरह के स्टीकर का उपयोग नहीं किया जा सकेगा। पहली बार पायलट प्रोजेक्ट के तहत मूल्यांकन की व्यवस्था बदली है, जो 10वीं-12वीं परीक्षा के कुछ विषयों पर लागू होगी। 10वीं में गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान और 12वीं में सिर्फ हिंदी विषय की उत्तरपुस्तिका पर बार कोड लगाकर विद्यार्थियों की पहचान छिपाई जाएगी। उसके बाद कापियां मूल्यांकनकर्ताओं को जांचने के लिए देंगे। मूल्यांकन पूरा होने के बाद बार कोड को स्कैन कर विद्यार्थियों के अंकों को आनलाइन चढ़ाने में आसानी होगी। मूल्यांकन से जुड़ी दोनों व्यवस्थाओं का आकलन किया जाएगा। मंडल के एक अधिकारी ने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर नकल पर्ची रखने के लिए मंडल ने एक लोहे की पेटी रखने के लिए निर्देशित किया है। इसके अलावा अगर किसी परीक्षार्थी के पास कोई नकल सामग्री, जिसमें गाइड चिट सामग्री है। तो परीक्षा केंद्र में रखी उस लोहे की पेटी में डाल सकेंगे। इस पेटी पर स्पष्ट रूप से लिखा जाएगा कि यह पेटी स्वेच्छा से नकल सामग्री परीक्षा कक्ष में प्रवेश लेने से पहले जमा करने के उद्देश्य से रखी गई है। परीक्षा केंद्रों में छात्रों की एंट्री और एग्जिट के लिए एक ही गेट होगा। सुरक्षा के लिहाज से ऐसा किया जाएगा। मेन गेट पर परीक्षार्थियों की तलाशी ली जाएगी। इसी के साथ परीक्षा केंद्र में जो स्टाफ तैनात रहेगा उसके लिए आई कार्ड जारी किए जाएंगे। परीक्षा के दौरान सभी को आई कार्ड लगाना अनिवार्य होगा।

सरप्लस बिजली का कुप्रबंधन, लक्ष्य से कम विक्रय

जबलपुर। बिजली कंपनियों द्वारा सरप्लस बिजली का कुप्रबंधन हो रहा है। मप्र विद्युत नियामक आयोग ने निर्देश दिया है कि ज्यादा राजस्व प्राप्ति के लिए भारी मात्रा में सरप्लस बिजली बेची जाए (टेरिफ आदेश 2023-24, पृष्ठ 65) लेकिन सरप्लस बिजली बिक्री से राजस्व आमदनी कर बचत करने में बिजली कंपनियां फेल हो गई है। यही नहीं

आर्थिक उत्तरदायित्व बिजली कंपनी का : नियामक आयोग

सरप्लस की बैंकिंग जिस तादाद में की गई, उस मात्रा में बिजली की वापसी नहीं की गई। इस कारण बिजली खरीदी की कुल लागत बढ़ गई। नियामक आयोग ने (टैरिफ आदेश पृष्ठ 70) में स्पष्ट कहा है कि बैंकिंग की गई बिजली को वापिस नहीं लेने का आर्थिक उत्तरदायित्व मप्र पावर मैनेजमेंट कंपनी झेले।

डॉ.पीजी नाजपांडे ने बताया कि पावर मैनेजमेंट कंपनी ने 50 से 60 प्रतिशत तक सरप्लस बिजली बेचने का लक्ष्य तय किया था। वर्ष 2023-24 के लिए 14608 मिलियन यूनिट सरप्लस बिजली उपलब्ध थी, जिसमें 8 हजार मि.यू.बेचने को तय हुआ, लेकिन अक्टूबर 2023 तक मात्र 3398 मि.यू.बेची गई, जो केवल 33 प्रतिशत है। बिजली कंपनियों ने वर्ष 2024-25 हेतु प्रस्ताव में 20, 243 मि.यू.में से 6085 मि.यू.बेचने को तय किया है। यह केवल 42 प्रतिशत है। मंच ने विद्युत नियामक आयोग से अपील की है कि ऐसे कुप्रबंधन पर जांच के निर्देश जारी करे।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240

मुख्य समारोह में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने किया ध्वजारोहण

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस

जबलपुर। जबलपुर में गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने यहां पुलिस ग्राउंड में आयोजित मुख्य समारोह में राष्ट्रीय ध्वज झंडा फहराया और परेड की सलामी ली। उसके बाद मुख्य अतिथि ने मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के संदेश का वाचन करने के बाद मीडिया से चर्चा में कहा कि मध्य प्रदेश तेजी से विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। अब वह दिन दूर नहीं जब हमारा मध्य प्रदेश देश का सबसे अच्छा राज्य होगा और पूरे देश में राम राज्य होगा। इस मौके पर सशस्त्र बलों ने हर्षफायर किये तथा पुलिस बैंड द्वारा राष्ट्र धुन बजाई गई। लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह ने तिरंगे के तीन रंगों के गुब्बारे मुक्त आकाश में छोड़े। जिले में स्थित राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों एवं स्थलों, शासकीय भवनों, कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थाओं में ध्वजारोहण किया गया। जिला मुख्यालय में आयोजित होने वाले मुख्य समारोह के साथ-साथ अनुविभागों, तहसील, विकासखण्ड, नगरीय निकायों तथा ग्राम पंचायत स्तर तक गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित किया गया। सम्मानपूर्वक राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। गणतंत्र दिवस के मुख्य कार्यक्रम में संभागायुक्त अभय वर्मा, आईजी उमेश जोगा, कलेक्टर दीपक कुमार सक्सेना, एसपी आदित्य प्रताप सिंह सहित बड़ी संख्या में पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने कई मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

आकर्षक मार्च पास्ट

समारोह में सशस्त्र बलों एवं अन्य प्लाटूनों द्वारा शानदार मार्चपास्ट किया गया। मार्चपास्ट में एस.ए.एफ. की छठवीं वाहिनी, जिला पुलिस बल पुरूष, होमगार्ड, जिला पुलिस बल महिला, नेशनल कैडेट कोर की नेवल यूनिट, नेशनल कैडेट कोर की सीनियर तथा जूनियर डिवीजन की बालक एवं बालिका, स्काउट, गाईड, शहर एवं ग्राम रक्षा समिति, ट्रैफिक वार्डन दल की प्लाटून शामिल थीं। मुख्य अतिथि लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने परेड की सलामी ली तथा मार्चपास्ट के बाद प्लाटून कमाण्डरों से परिचय प्राप्त किया। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों व लोकतंत्र रक्षक सेनानियों का शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान भी किया। इस मौके पर कला पथक दल द्वारा मध्यप्रदेश गान प्रस्तुत किया गया।

छायाकार राशिद खान सम्मानित

जबलपुर। जिला प्रशासन एवं फोटो जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसियेशन के संयुक्त तत्वावधान में भारत वर्ष 2024 का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें प्रेस छायाकार राशिद खान का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में प्रहलाद पटेल पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्री मप्र शासन, राकेश सिंह लोक निर्माण मंत्री मप्र शासन, रिंकू विज, विनय सक्सेना, कमलेश अग्रवाल नेता प्रतिपक्ष ननि, सुमित्रा वाल्मीक राज्यसभा सांसद, स्वामी राघवदेवाचार्य, साध्वी ज्ञानेश्वरी दीदी, स्वामी मुकुंददास महाराज एवं बड़ी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित रहे।

नयागांव सोसाइटी में गणतंत्र दिवस हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया

जबलपुर। राष्ट्र का 75 वां गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को नयागांव कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी में रजत भार्गव अध्यक्ष ने नयागांव सोसाइटी कार्यालय में ध्वजारोहण किया, ध्वजारोहण से पहले भारत माता का तिलक बंधन समिति की वरिष्ठ महिलाओ ने एवं विधायक अजय विश्नोई ने किया, अध्यक्ष रजत भार्गव ने कहा कि हम बड़े सौभाग्यशाली हैं कि राम राज्य की स्थापना के अवसर पर गणतंत्र दिवस कर्तव्य और मौलिक अधिकारों से परे संविधान को हम सब मिलकर हर्षोल्लास के साथ गणतंत्र दिवस का यह दिन मना रहे हैं समिति की महिलाओं ने देश भक्ति के गीत गाए, इस अवसर पर सोसाइटी के अध्यक्ष रजत भार्गव, विधायक अजय विशनोई, संजय अग्रवाल, शिरीष अग्रवाल, उषा बिरथरे, माधवी माहेश्वरी, अलका विशनोई, राजीव गौतम, डॉ कौल, स्मृति देवी खैरागढ़, ऋतु अग्रवाल, आदि उपस्थित थे।

जनेकृविवि में गणतंत्र दिवस की रही धूम, कुलपति डॉ. मिश्रा ने किया ध्वजारोहण

जबलपुर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर मुख्यालय के जवाहर स्टेडियम में गणतंत्रता अमर रहे गणतंत्र का सम्मान करें के जयघोष के साथ, समारोह के मुख्यअतिथि कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने ध्वजारोहण किया, साथ ही सामूहिक राष्ट्रगान किया गया। इस दौरान कुलपति डॉ. पीके मिश्रा ने सभी को गणतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुये अपने उद्बोधन में कहा कि जनेकृविवि अपने स्थापना काल से ही कृषि एवं कृषको के हित में सतत रूप से कार्य करते हुये, शिक्षा एवं अनुसंधान और विस्तार के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं दी है।

एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के प्रबंध संचालक ने फहराया तिरंगा

जबलपुर। मध्यप्रदेश की बिजली कंपनियों के मुख्यालय में 75 वे गणतंत्र दिवस समारोह में एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के प्रबंध संचालक श्री रघुराज राजेन्द्रन पाण्डुताल मैदान में राष्ट्रीय ध्वज फहरा कर परेड की सलामी ली। उन्होंने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि हम सब मिल कर एक स्थायी, सुलभ, सस्ती और विश्वसनीय बिजली आपूर्ति करने के लक्ष्य को हासिल करेंगे।

खालसा महाविद्यालय में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

जबलपुर। श्री गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय जबलपुर एवं मध्य प्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को "बौद्धिक संपदा अधिकार" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. राजेश कुमार उमाँ (कुलपति सभी दुमोवती विश्वविद्यालय) उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. आर. एस. चंडोक जी ने की। राजेश वर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि बौद्धिक सम्पदा का अधिकार आज का ज्वलंत विषय है जिसकी जानकारी समाज के हर वर्ग को होना आवश्यक है।

राजधानी के कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कंवेंशन सेंटर में राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर कार्यक्रम

वोटर्स-डे पर नए मतदाताओं को बांटे वोटर कार्ड, एक महीने बाद बंटेंगे 36 हजार कार्ड

हरिभूमि न्यूज ⏩ भोपाल

नेशनल वोटर्स-डे पर राजधानी के कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कंवेंशन सेंटर में राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें नए वोटर्स को वोटर कार्ड बांटे गए।

इन मतदाताओं को पहले ही कार्ड दे दिए थे। वर्तमान में 18 हजार नए वोटर्स और 16 हजार संशोधन वाले मतदाताओं को इपिक कार्ड दिए जाने है। यह कार्ड फरवरी के अंतिम सप्ताह तक दिए जाएंगे। जिससे घर पर ही मतदाताओं को कार्ड मिलेंगे। गुरुवार को हुए कार्यक्रम में राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने नए वोटर्स को कार्ड बांटे। जबकि अफसरों को भी चुनाव में बेहतर काम करने के लिए सम्मानित किया गया। इस मौके पर राज्यपाल ने कहा कि हमें उम्मीद है कि आने वाले समय में मतदान का प्रतिशत और अधिक बढ़ाने में सफल होंगे। उन्होंने मतदान करने के लिए बुजुर्ग वोटर्स को वाहनों के माध्यम से मतदान केंद्र तक लाने और घर पर मतदान कराने की सुविधा को सराहनीय बताया। उन्होंने कहा कि मतदाता जागरूकता के लिए और अधिक प्रयास करने की जरूरत है।

- राज्यपाल पटेल ने नव मतदाताओं को दिए मतदाता परिचय-पत्र
- 18 हजार नए, 16 हजार संशोधन वाले मतदाताओं को इपिक कार्ड दिए जाने हैं
- मतदाता जागरुकता के लिए और अधिक प्रयास करने की जरूरत : पटेल
- अफसरों को चुनाव में बेहतर काम करने के लिए सम्मानित किया

ये अधिकारी हुए सम्मानित

विधानसभा चुनाव में अच्छा काम कराने वाले पांच जिलों के अफसरों 5 जिलों के कलेक्टर को सम्मानित किया गया। जिसमें सिवनी कलेक्टर क्षितिज सिंघल, कलेक्टर मुरैना अंकित अस्थाना, कलेक्टर मंडला सलोनी सिडाना, कलेक्टर उमरिया बुद्धेश वैद्य और कलेक्टर धार प्रियंक मिश्रा को राज्यपाल ने सम्मानित किया। इसके अलावा आईजी शहडोल डीसी सागर को भी स्पेशल अवार्ड से सम्मानित किया। इनके अलावा तीन उप जिला निर्वाचन अधिकारी, तीन रिटर्निंग अफसर, चार तहसीलदार और नायब तहसीलदार, 12 बूथ लेवल अफसर भी आयोग की ओर से चुनाव कार्य में बेस्ट परफॉर्मेंस के लिए सम्मानित किया।

जिपं सीईओ को मिला स्पेशल अवॉर्ड

जिला पंचायत सीईओ भोपाल ऋतुराज सिंह को विधानसभा चुनाव के दौरान मतदाताओं में मताधिकार के प्रति जागरुकता लाने के विशेष प्रयासों के लिए सम्मानित किया। राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर जिला पंचायत निवाड़ी के सीईओ रोहन सक्सेना को दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सम्मानित किया। यह सम्मान चुनाव आयोग की ओर से बेस्ट इलेक्टोरल अवॉर्ड 2023 के रूप में बतौर स्पेशल अवॉर्ड दिया गया है।

पहली बार वोट डालेंगे अजय, मिलन और ईशा

मतदाता दिवस पर राज्यपाल ने जिले के दस युवा वोटर्स को इपिक कार्ड दिया। पहली बार नाम जुड़वाने वाले उत्तर विस के अजय मालवीय ने बताया कि इस बार मैं भी वोट डालूंगा। वोट डालने की खुशी अलग ही महसूस हो रही है। ईशा वर्मा और मिलन यादव ने भी वोट डालने को लेकर खुशी जाहिर की।

देश का युवा पीएम मोदी की गारंटी का गारंटर है: शर्मा

हुजूर में नमो-नवमतदाता सम्मेलन का आयोजन

विधायक रामेश्वर ने राष्ट्रीय सहसंगठन महामंत्री शिवप्रकाश के साथ प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन को सुना

कोलार में हजारों नवमतदाताओं के साथ विधायक रामेश्वर ने किया संवाद, लोकतंत्र का महत्व बताया

2024 के आम चुनाव से पहले देशभर में नवमतदाताओं को जोड़ने की कवायद शुरू हो गई है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर भाजयुमो द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर 'नमो-नवमतदाता सम्मेलन' आयोजित किया गया, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने संबोधित किया। भोपाल की हुजूर विधानसभा में भी विधायक रामेश्वर शर्मा द्वारा नमो-नवमतदाता सम्मेलन का आयोजन कराया गया, जिसमें भाजपा के राष्ट्रीय सहसंगठन महामंत्री शिवप्रकाश, भाजयुमो प्रदेशाध्यक्ष वैभव पवार के साथ हजारों नवमतदाताओं ने शामिल होकर प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन को सुना।

नवमतदाताओं से राष्ट्र के लिए आगे आने का आग्रह

प्रधानमंत्री मोदी ने नवमतदाताओं से राष्ट्र की उन्नति के लिए आगे आने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि - आपका एक वोट देश को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना सकता है। इसलिए युवाओं को विवेकशीलता के साथ मतदान के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस बार भाजपा का संकल्प पत्र कैसा हो उसके लिए भी युवा सुझाव भेजें, खास कर युवाओं को लेकर आगे किस तरह की योजनाएं बनाई जाए इसके लिए युवाओं को सुझाव भेजना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा का संकल्प पत्र युवाओं के सुझावों पर जारी किया जाएगा।

विश्व में बढ़ रहा भारत का मान

नवमतदाताओं को संबोधित करते हुए विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि देश का युवा आज देश को प्रगति की राह पर द्रुत गति से अग्रसर होते देख रहा है। विश्व में भारत के बढ़ते मान-सम्मान का साक्षी है। वह मोदी की गारंटी भी देख रहा है और उन गारंटियों को पूरा होते भी देख रहा है। इसलिए अब देश का युवा मोदी की गारंटी का गारंटर बन गया है।

हिंदी भवन में नमो नव मतदाता सम्मेलन

नए भारत की नई शक्ति, नया स्वरूप हैं नव मतदाता: वीडी

नवमतदाता सम्मेलनों में 5 लाख से अधिक नवमतदाता शामिल हुए

देश में लगभग 5 करोड़ नव मतदाता हैं, जिनमें से करीब 53 लाख मध्यप्रदेश में हैं। देश और मध्यप्रदेश में नौजवानों की यह जो पीढ़ी है, इसे प्रधानमंत्री एक बड़ी ताकत के रूप में देखते हैं और यही नए भारत का नया स्वरूप है। सृजनात्मक काम करने की क्षमता रखने वाले ऐसे नौजवान देश के किसी भी कोने में हों, प्रधानमंत्री उनसे राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को लेकर संवाद कर रहे हैं। यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कही।

युवा मोर्चा द्वारा गुरूवार को हिंदी भवन में 'नमो नव मतदाता सम्मेलन' आयोजित किया गया। सम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि स्वामी विवेकानंद दुनिया के युवाओं के आदर्श हैं। हमारे प्रधानमंत्री का फोकस भी देश की युवाशक्ति पर है, इसीलिए प्रधानमंत्री मोदी नमो एप पर देश के एक करोड़ युवाओं, नव मतदाताओं से संवाद कर रहे हैं।

प्रदेश में 460 स्थानों पर हुए सम्मेलन

भाजपा युवा मोर्चा द्वारा पहली बार मतदाता बने 18 वर्ष से 23 वर्ष के युवाओं को पार्टी से जोड़ने के अभियान के तहत गुरूवार को देश भर के पांच हजार स्थानों पर नमो नव मतदाता सम्मेलन का आयोजन किया गया। 'नमो नवमतदाता सम्मेलन' को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने वर्चुअली संबोधित किया। मध्यप्रदेश में प्रत्येक विधानसभा में 2-2 सम्मेलन आयोजित हुए। युवा मोर्चा द्वारा प्रदेश में कुल 460 स्थानों पर हुए नवमतदाता सम्मेलनों में 5 लाख से अधिक नवमतदाता शामिल हुए। पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ओरिएंटल कॉलेज में आयोजित नमो नवमतदाता सम्मेलन में शामिल हुए। प्रदेश भर में अलग-अलग स्थानों पर सम्मेलन हुए।

घंगरी के एकलव्य आवासीय विद्यालय का मामला

समस्याओं के निदान के लिए बच्चे छह किमी पैदल चलकर पहुंच गए शहर

हरिभूमि न्यूज ⏩ अंबिकापुर

जुगाड़ की व्यवस्था में समस्याओं के बीच सरगुजा का एकलव्य आवासीय विद्यालय संचालित हो रहा है। शनिवार को एकलव्य आवासीय विद्यालय के बच्चे लगभग छह किलोमीटर दूर पैदल चलकर शहर पहुंच गए। समस्याओं और मांगों को लेकर नारेबाजी करते हुए विद्यार्थियों के शहर पहुंचने की सूचना मिलते ही कलेक्टर भोस्कर विलास संदिपान कलेक्टोरेट पहुंचे। सभाकक्ष में कलेक्टर ने बच्चों से बातचीत की। समय पर भोजन नहीं मिलने, समस्याओं की ओर ध्यान दिलाने पर मारपीट करने, सुविधाओं की कमी, विद्यार्थियों से अमर्यादित आचरण, स्वजनों से बातचीत नहीं कराने, परिसर में गंदगी जैसी बुनियादी कमियों की ओर बच्चों ने कलेक्टर का ध्यान आकृष्ट कराया। कलेक्टर ने सभी बच्चों की समस्याओं को ध्यान से सुना। उन्होंने बच्चों को आश्वस्त किया कि विद्यालय का स्वयं का भवन बनकर तैयार होने पर सुविधाओं में विस्तार होगा। वर्तमान सुविधा में बेहतर व्यवस्था कराने का आश्वासन देते हुए कलेक्टर ने कहा कि वे स्वयं विद्यालय के निरीक्षण पर आएंगे। समय-समय पर समीक्षा होगी।

प्राचार्य पर गिरेगी गाज

बच्चों को कलेक्टोरेट से विद्यालय वापस भेजने के लिए कलेक्टर ने बसों की व्यवस्था भी कराई। निजी स्कूलों से बसें मंगवाकर बच्चों को सुरक्षित तरीके से वापस भेजा गया। कलेक्टर ने पदस्थ प्रभारी प्राचार्य और अधीक्षिका को अन्यत्र स्थानांतरित करने के निर्देश दिए हैं। एकलव्य आवासीय विद्यालय का संचालन अंबिकापुर शहर से लगभग छह किलोमीटर दूर घंगरी में संचालित किया जा रहा है। शनिवार सुबह विद्यार्थियों के आवासीय विद्यालय परिसर से बाहर निकल आने की सूचना प्रशासनिक अधिकारियों को मिल गई थी। प्रशासन का प्रयास था कि बच्चे शहर नहीं आए। कलेक्टर के स्वयं विद्यालय पहुंच कर विद्यार्थियों से बातचीत की योजना थी। इसके लिए अंबिकापुर शहर से जिलाधिकारियों को भेजा गया था। जिलाधिकारियों ने बच्चों को रास्ते मे ही रोकने का प्रयास किया लेकिन बच्चे किसी की भी सुनने को तैयार नहीं थे। वे नारेबाजी करते तेजी से चलते हुए शहर की ओर बढ़ते रहे। कलेक्टर से मुलाकात और अपनी बात रखने की बच्चों की जिद को देखते हुए विभिन्न विभागों के अधिकारी भी उनके साथ पैदल ही कलेक्टोरेट पहुंचे। इस दौरान चौक-चौराहों में बच्चों को सुरक्षित तरीके से पार कराने के लिए पुलिसकर्मी भी मुस्तैद रहे।

जुगाड़ की व्यवस्था में संचालित हो रहा एकलव्य विद्यालय

एकलव्य आवासीय विद्यालय सीतापुर के पेटला के नाम स्वीकृत है। स्वयं का भवन नहीं होने के कारण विद्यालय का संचालन अंबिकापुर शहर के नजदीक घँगरी स्थित जुगाड़ के शासकीय भवन में किया जा रहा है। तय मानक के अनुरूप भवन में सुविधाओं की कमी है।इसलिए विद्यार्थी महीनों से परेशान थे। इधर यहां पदस्थ जिम्मेदारों के व्यवहार ने बच्चों को और नाराज कर दिया। इसी कारण बच्चे पैदल ही शहर पहुंच गए।

रोल दिलाने के नाम पर पांच लाख रुपए ठगे

टीवी कलाकार के साथ मुंबई में धोखाधड़ी

हरिभूमि न्यूज ⏩ रायपुर

रायपुर की टीवी एक्टर के साथ धोखाधड़ी हुई है। मुंबई में अभिनेत्री का रोल दिलाने के नाम पर पांच लाख रुपए ठग लिए गए। पुलिस ने आरोपी राहुल रमन नाम के व्यक्ति ने ठगी की है। डीडीनगर थाना पुलिस के मुताबिक शांति विहार कॉलोनी, डंगनिया रायपुर निवासी लवली शर्मा से ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। वे मुंबई में टीवी सीरियल में काम करती हैं। वह काम के सिलसिले में मुंबई गई थी, जहां सीरियल में छोटे रोल करने लगी। शूटिंग के दौरान लवली की पहचान राहुल रमन नाम के व्यक्ति से हुई। राहुल और लवली की फोन में बातचीत होती थी। दोनों की दोस्ती हो गई थी। राहुल ने अपने आप को एक्टर कम प्रोड्यूसर बताया था। लवली ने बताया कि बातचीत के दौरान ही राहुल ने बोला था कि अपने सीरियल में अभिनेत्री का रोल दूंगा। फिल्म में भी अभिनेत्री का रोल दिला दूंगा। जिसके लिए कम से कम पांच लाख रुपए लगेंगे। पैसों का इंतजाम करने के लिए वह रायपुर आई। भाई सिद्धार्थ शर्मा के कोटेक महिंद्रा बैंक से राहुल रमन के अकाउंट में 23 मार्च 2023 को 99,000 रुपए, दूसरे दिन फिर 99000 रुपए खाते में डाल दिए। 26 मार्च को दो हजार सहित कुल दो लाख रुपए दे दिए। वहीं तीन लाख रुपये लवली ने पिता से लेकर मुंबई जाकर राहुल रमन को नकद दे दिए। कुल पांच लाख रुपए मांग के आधार पर दे दिए गए। पैसे मिलने के बाद भी राहुल ने लवली को कोई रोल नहीं दिलाया। उसके बाद राहुल मुंबई से कहीं चला गया। लवली ने जब उससे संपर्क करना चाहा तो उसने नंबर ही ब्लाक कर दिया। वहीं अश्लील जबाव देने लगा। इसके बाद राहुल ने धमकी दी कि उसे झूठे केस में फंसा देगा। वहीं फैमिली लाइफ को बरबाद करने की धमकी भी दी।

बाइक सवार युवक को तेज रफ्तार ट्रक ने मारी टक्कर, मौके पर मौत

भिलाई। काम से वापस घर लौटते समय एक युवक सड़क हादसे का शिकार हो गया। नेशनल हाईवे पर गुरुद्वारा के सामने कुम्हारी में उसे पीछे से आ रहे एक ट्रक ने अपनी चपेट में ले लिया। घटना में उसके सिर, सीना और पेट में गंभीर चोट लगी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। कुम्हारी पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या की धारा के तहत कार्रवाई की है। पुलिस ने बताया कि जंजगिरी निवासी संतोष यादव (38) सरोरा रायपुर के सिंप्लेक्स कंपनी में काम करता था। गुरुवार सुबह काम करने सरोरा गया था। शाम को अपनी बाइक से से वापस घर लौट रहा था। करीब 6:20 बजे नेशनल हाईवे पर गुरुद्वारा के सामने कुम्हारी में ने उसे पीछे से टक्कर मार दी।

जंगल सफारी किया गया इलाज के बाद

नजर आया दुर्लभ हिमालयन गिद्ध, अचनाकमार में छोड़ेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏩ रायपुर

जंगल सफारी में दुर्लभ हिमालयन गिद्ध का इलाज होने के बाद अब अचानकमार टाइगर रिजर्व में उसे छोड़ने की तैयारी कर ली गई है। क्योंकि अचानकमार में अभी गिद्ध संरक्षण पर कार्य किया जा रहा है।

जंगल सफारी के प्रबंधक ने बताया कि गिद्ध को मोहला वन मंडल क्षेत्र के एक खेत से 15 जनवरी को ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग ने रेक्स्यू किया था। इसके बाद इलाज के लिए जंगल सफारी में लाया गया। उस समय गिद्ध कुछ खा नहीं पा रहा था और उड़ भी नहीं पा रहा था। लेकिन अब वह पूरी तरह से स्वस्थ है। अभी 500 ग्राम मटन खा रहा है। उड़ने का भी प्रयास कर रहा है। पक्षी विशेषज्ञों का कहना है कि इस प्रजाति के गिद्ध हिमालय पर्वत श्रृंखला की ऊंची चोटियों एवं घाटियों में पाए जाते हैं। यह पहली बार छत्तीसगढ़ में नजर आया है। इसकी उड़ने की क्षमता आसमान में 20 हजार फीट की ऊंचाई से अधिक रहती है। गिद्ध की यह प्रजाति विलुप्तप्राय है। फिलहाल जंगल सफारी के प्रबंधक द्वारा गिद्ध को छोड़ने के लिए बड़े अधिकारियों को पत्र लिखा गया है। जैसे ही निर्देश मिलेगा अचानकमार टाइगर रिजर्व में गिद्ध को छोड़ दिया जाएगा। वहां पहले से गिद्ध संरक्षण पर कार्य किए जा रहे हैं। इससे वहां अच्छे से देखभाल होगी। हिमालयन गिद्ध हल्के भूरे रंग के होते हैं। सिर सफेद, पंख काफी बड़े और पूंछ छोटी होती है। इसकी गर्दन पर सफेद पंख होते हैं और चोंच पीले रंग की होती है। साथ ही इसके शरीर का रंग हल्का सफेद होता है। इसकी आयु 15 से 18 वर्ष तक होती है।

गोवा का वादा कर पति ने अयोध्या जाने का बनाया प्लान पत्नी ने लगाई तलाक की अर्जी

भोपाल। राजधानी के कुटुंब न्यायालय मे दंपति के बीच कलह का एक अनोखा मामला पहुंचा है। मामले में पत्नी ने तलाक का आवेदन दिया है। पत्नी ने आरोप लगाए है कि शादी के बाद उसका मन हनीमून पर सिंगापुर या मलेशिया जाने का था, लेकिन पति काम का बहाना बनाकर करीब आठ माह से टालता रहा। इसके बाद फिर से पत्नी ने नए साल पर गोवा जाने की योजना बनाई तो पति बुजुर्ग माता-पिता का हवाला देते हुए टाल गया कि ठंड में उन्हें छोड़कर कैसे जाया जाएं और सभी के साथ अयोध्या जाने की योजना बना ली। फिलहाल दंपति की काउंसलिंग की जा रही है, ताकि रिश्ते को टूटने से बचाया जा सके। मामला पिपलानी क्षेत्र का बताया जा रहा है। दोनों की शादी पिछले साल मई में हुई थी। दोनों आईटी कंपनी में नौकरी करते हैं।

राजमाता विजयाराजे सिंधिया को अर्पित किए श्रद्धासुमन

भोपाल। भाजपा प्रदेश कार्यालय में गुरूवार को राजमाता विजयाराजे सिंधिया की पुण्यतिथि पर पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर पुण्य स्मरण किया। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी, सहित अन्य ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए।

सागर और चित्रकूट में वीसी के जरिए बैठक के दौरान ऑडियो क्वालिटी में आई थी दिक्कत

वीसी में माइक क्वालिटी से नाराज हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव, आदेश दिया... बैठक से पहले करें ड्राय रन

हरिभूमि न्यूज ⏩ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जिले की वीडियो कांफ्रेंसिंग बैठकों के आयोजन में माइक व अन्य उपकरणों से काफी नाराज है। मामला यहां तक पहुंच गया है कि सीएम के आदेश पर सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी संभागायुक्त और कलेक्टरों को सीएम की बैठक के पहले ड्राय रन करने तक के आदेश दे दिए हैं।

दरअसल सीएम ने हाल ही में सागर और चित्रकूट में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा बैठक ली। लेकिन इस दौरान ऑडियो क्वालिटी की भारी समस्या आई। इससे सीएम नाराज हुए। इन दोनों ही जगह सिस्टम सही नहीं चल रहा था। इसके बाद सीएम ने इसे लेकर आदेश जारी करने के निर्देश विभाग को दिए।

विभागीय आदेश में इन सात बिंदुओं पर दिया जोर

1. मीटिंग के लिए बैठक व्यवस्था, ऑडियो, वीडियो सिस्टम आदि की व्यवस्था के लिए उच्च अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त करें।
2. नोडल अधिकारी बैठक के पहले सभी विभागों से समन्वय कर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे
3. बैठक के पहले ड्राय रन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें पहले से ही देखा जाएगा कि सिस्टम सही तरीके से चल रहे हैं या नहीं। कलेक्टर इस ड्राय रन का सुपरीवजन कर सकते हैं
4. बैठक में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की संख्या को देखते हुए आवश्यक संख्या में माइक की व्यवस्था की जाएगी।
5. बैठक में शामिल प्रतिभागियों के नेम प्लेट की भी व्यवस्था होगी
6. बैठक के मिनिट्स व्यवस्थित बनेंगे और अनुमोदन लिया जाएगा।
7. सभी संभागायुक्त अपने स्तर पर निदेर्शों के पालन की समीक्षा करेंगे।

निवेश के लिए सही रणनीति बनाकर कर सकते हैं कमाई, बाजार की लाल-हरी कैंडल देखकर विचलित न हों

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- पोर्टफोलियो में अचानक बदलाव जोखिम बढ़ाएगा
- बाजार में गिरावट का दौरा आए तो घराएं नहीं, अलर्ट हो जाएं
- नुकसान में शेयर बेचने से बचें, लॉन्ग टर्म में मिलेगी रिकवरी और आप पा लेंगे बेहतर रिटर्न

संयम बरतें, बाजार के उतार-चढ़ाव में भी कमा सकते हैं बढ़िया मुनाफा

अक्सर देखने में आता है कि पोर्टफोलियो में नाटकीय रूप से बदलाव करते रहने से जोखिम बढ़ता है। ऐसी आदत लंबी अवधि के लक्ष्यों पर नकारात्मक असर डाल सकती है। बेहतर होगा कि बाजार में फौरी उतार-चढ़ाव को नजरअंदाज करें और अनुशासन बनाए रखें। यदि पोर्टफोलियो में बदलाव जरूरी लगे तो छोटे-छोटे बदलाव करें। ज्यादा बड़ा दलाव कई बार नुकसान कर जाता है।

इस समय शेयर बाजारों में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। ऐसे में निवेश के मन में लगातार डर बना रहता है कि वे क्या करें। कैसे अपने मुनाफे को बचाएं और बाजार के उतार-चढ़ाव के दौर में निवेश की कैसी रणनीति अपनाएं कि उन्हें अच्छा मुनाफा हो सके। इस गिरावट से निवेशकों में डर का माहौल बन गया है। एक्सपट्र्स के अनुसार आने वाले दिनों में भी शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। इसलएि निवेशकों को चाहिए कि वे संयम बरतें और धैर्य के साथ निवेश करते जाएं। बाजार की लाल और हरी कैंडल को देखकर विचलित नहीं हों। निवेश के लिए अच्छी रणनीति बनाकर संयपूर्वक निवेश करेंगे तो बाजार के उतार-चढ़ाव वाले दौर में भी बढ़िया मुनाफा कमा लेंगे और अपनी पूंजी को भी सुरक्षित रख सकेंगे। एक्सपट्र्स बताते हैं कि इस गिरावट में सही स्ट्रैटजी आपको अच्छा पैसा कमा के दे सकती है। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसी ही कुछ बातों के बारे में बता रहे हैं, जिनकी मदद से आप बाजार की गिरावट में पैसा कमा सकते हैं। अक्सर देखने में आता है कि पोर्टफोलियो में नाटकीय रूप से बदलाव करते रहने से जोखिम बढ़ता है। ऐसी आदत लंबी अवधि के लक्ष्यों पर नकारात्मक असर डाल सकती है। बेहतर होगा कि बाजार में फौरी उतार-चढ़ाव को नजरअंदाज करें और अनुशासन बनाए रखें। यदि पोर्टफोलियो में बदलाव जरूरी लगे तो छोटे-छोटे बदलाव करें। ज्यादा बड़ा दलाव कई बार नुकसान कर जाता है। इसलिए अनुशासन में रहना बेहद जरूरी है।

एसआईपी के जरिए करें निवेश

शेयर बाजार अपने ऊपरी स्तरों से काफी गिर गया है, लेकिन फिर भी यदि निवेशक अभी निवेश करना चाह रहे हों तो उन्हें एक मुश्त निवेश करने की बजाय किस्तों में यानी एसआईपी में करना चाहिए। इससे शेयर बाजार से संबंधित उतार चढ़ाव का जोखिम थोड़ा कम हो जाता है। आप थोड़ा संयम रखकर गिरते बाजार में भी फायदा कमा सकते हैं। इसलिए कोशिश करें कि निवेश एसआईपी में करें। इससे रिस्क कम होता है और अच्छा मुनाफा भी मिलता है।

घबराहट में निर्णय न लें

निवेक को हमेशा याद रखनी चाहिए अर्थव्यवस्था और बाजार का मिजाज चक्रीय होता है। जिस तरह तेजी का दौर आता है, वैसा ही गिरावट का दौर भी बन सकता है। जाहिर है, गिरावट वाले दौर में घबराकर बिकवाली करना अच्छी रणनीति नहीं होगी। अच्छे शेयर अक्सर लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न देते हैं। इसलिए जब बाजार में गिरावट का दौरा आए तो घराएं नहीं, वरना नुकसान उठाना पड़ सकता है।

निवेश को ट्रैक करते रहें

जब आप कई तरह के एसेट में निवेश करते हैं, तो हो सकता है कि सभी निवेश को नियमित रूप से ट्रैक नहीं कर रहे हों। ऐसे में बाजार का रुझान बदलने पर सटीक प्रतिक्रिया देना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए यदि आप अपने निवेश को ट्रैक नहीं कर पा रहें तो एक विश्वसनीय वित्तीय सलाहकार की मदद लें। इसके बाद अपने निवेश को ट्रैक करते जाएं। नुकसान का खतरा काफी हद तक कम हो जाएगा।

नुकसान में न बेचें शेयर

उतार चढ़ाव शेयर बाजार का एक अभिन्न स्वभाव है। निवेशकों को शेयर बाजार में आई गिरावट से घबराना नहीं चाहिए, बल्की उस समय कछुए कि भांति सिर छुपाकर बैठ जाना चाहिए। अगर आपने शेयर बाजार में पैसा लगा रखा है और इसमें आपको अभी नुकसान हुआ है तो भी आपको नुकसान में अपने शेयर बेचने से बचना चाहिए। क्योंकि लॉन्ग टर्म में मार्केट में रिकवरी की उम्मीद है। ऐसे में अगर आप अपने शेयर्स को लम्बे समय के लिए होल्ड करते हैं तो आपको नुकसान होने की उम्मीद कम हो जाएगी और आपको मुनाफा मिलेगा। जब बाजार में बढ़ोतरी हो आप शेयर बेचकर मुनाफा कमा सकते हैं।

स्टॉक बास्केट रहेगी सही

बाजार में आजकल स्टॉक बास्केट का कॉन्सेप्ट भी चल रहा है। इसके तहत आप शेयर्स का एक बास्केट बनाते हैं और अपने सभी शेयर्स में निवेश करते हैं। यानी अगर आप इस 5 शेयर्स में कुल 25 हजार निवेश करना चाहते हैं तो सभी में 5-5 हजार रुपये लगा सकते हैं। इससे जोखिम कम हो जाता है और आपको मुनाफा मिलने के चांस ज्यादा हो जाते हैं।

रिस्क क्षमता जांचें

वैसे भी बाजार में जब भी निवेश करने उतरें अपनी रिस्क क्षमता को जांच लें। जिस कंपनी में निवेश करने जा रहे हैं उसे एक बार जांच परख लें। कुछ वित्तीय सलाहकारों की भी मदद ली जा सकती है। इससे आपको निवेश में घाटा नहीं होगा। निवेश करने के लिए संयम और धैर्य रखना बेहद जरूरी है। इसके बाद मुनाफे से कोई नहीं रोक सकता।

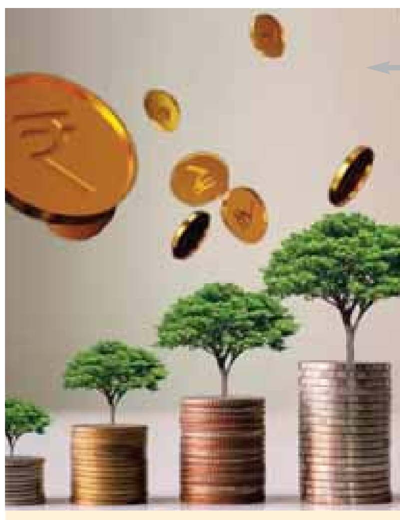

लार्ज कैप पर भी कर सकते हैं फोकस, दे रहा अच्छा रिटर्न

जानकारी | बिजनेस डेस्क

नए साल के पहले महीने में शेयर बाजार में खूब उलट-फेर हो रहे हैं। बड़े-बड़े खिलाड़ी एक्शन में वापस आ गए हैं। साल भर ज्यादातर समय डगआउट में बिताने के बाद, लार्ज कैप म्यूचुअल फंड एक बार फिर से मैदान में जलवे बिखेरने लगे हैं। सिर्फ वापसी ही नहीं, शानदार प्रदर्शन के साथ आगे बढ़ रहे हैं। जानकारों का कहना है कि निफ्टी 50 ने बीते दिसंबर में जुलाई 2022 के बाद से अपना सबसे अच्छा महीना देखा। इस महीने एनएसई स्मॉल कैप इंडेक्स के 6.4 प्रतिशत की बढ़त की तुलना में लगभग 8 प्रतिशत का रिटर्न मिला। यह साफ दर्शाता है कि स्मॉल कैप के लिए हनीमून खत्म हो गया है, लेकिन कहानी कुछ और ही है। लार्ज कैप म्यूचुअल फंड के प्रति लोगों के उन्माद को बढ़ावा देने वाला फैक्ट यह है कि ये कंपनियां बीएसई 500 कंपनियों के मुनाफे में 68% और मार्केट कैप में 63% का योगदान देती हैं, जो भारत के बाजार पूंजीकरण के एक तिहाई के करीब है। इसके अलावा, इन कंपनियों ने पिछले 25 वर्षों में 14 प्रतिशत से अधिक का चक्रवृद्धि रिटर्न दिया है और इन कंपनियों के आकार को देखते हुए, वे अन्य इक्विटी एसेट क्लास की तुलना में सबसे कम अस्थिर हैं।

लार्ज कैप के पीछे ये कारक

लार्ज कैप म्यूचुअल फंडों के मजबूत रिटर्न को बड़े पैमाने पर वैश्विक फंडों से खरीदारी, अच्छे वैल्यूएशन और घरेलू राजनीतिक स्थिरता से बढ़ावा मिला है, जिसने लार्ज कैप में खरीदारी को बढ़ावा दिया है। इनके परफॉरमेंस पर नजर डालें तो निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड लगातार आगे रहा है, जिसने पिछले एक साल में 35% का शानदार रिटर्न दिया है। यह फंड पिछले 16 वर्षों से नंबर 1 स्थान पर है। बैंक ऑफ इंडिया, क्वांट, इनवेस्को और जेएम फाइनेंशियल के लार्ज कैप म्यूचुअल फंड ने भी इस दौरान अच्छा फायदा दिया है।

यह हमेशा रिटर्न देता है

म्यूचुअल फंड के शीर्ष जानकारों का तर्क है कि लार्ज कैप में निवेश लगभग हमेशा अच्छा रिटर्न देता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि ये कंपनियां छोटी मोटी चुनौतियों का प्रबंधन करने के लिए बेहतर स्थिति में हैं और चूंकि वे वर्तमान में छोटे और मिड-कैप शेयरों की तुलना में उचित मूल्यांकन प्रदान करते हैं, इसलिए इनका रिस्क-रिवार्ड बैलेंस कहीं बेहतर है। दिलचस्प बात यह है कि विश्व स्तर पर टॉप-100 कंपनियों की सूची में केवल तीन भारत से हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज 36वें, टीसीएस 65वें और एचडीएफसी बैंक 91 वें स्थान पर है। एपल, सऊदी अरामको और माइक्रोसॉफ्ट इस लिस्ट में शीर्ष तीन में हैं। इसलिए, अधिक भारतीय लार्ज कैप के मेगा कैप बनने और विशिष्ट क्लब में प्रवेश करने की संभावना है। ये फ्रैक्टर्स वास्तव में लार्ज कैप म्यूचुअल फंड में निवेश के लिए एक बेहतरीन अवसर बनाते हैं।

आखिर क्या हैं लार्जकैप फंड

लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड एक ऐसा फंड है जो अपनी संपत्ति का 80% लार्ज-कैप शेयरों में निवेश करता है, जिनकी मार्केट कैप कम से कम 20,000 करोड़ रुपये है और जो स्टॉक एक्सचेंज पर 1 से 100 तक रैंक करते हैं। लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड की विशेषताएं कम जोखिम, स्थिर रिटर्न, उच्च तरलता, पोर्टफोलियो विविधीकरण, कम एनएवी उतार-चढ़ाव आदि हैं। इंडेक्स फंड और लार्ज-कैप फंड के बीच अंतर यह है कि इंडेक्स फंड अपनी संपत्ति का 95% एक विशेष इंडेक्स में निवेश करते हैं, जबकि लार्ज-कैप फंड अपनी संपत्ति का 80% लार्ज-कैप शेयरों में निवेश करते हैं। इंडेक्स फंड निष्क्रिय रूप से प्रबंधित होते हैं, और लार्ज-कैप फंड सक्रिय रूप से प्रबंधित होते हैं। 2023 में निवेश करने के लिए सबसे अच्छे लार्ज-कैप फंड हैं केनरा रोबेको ब्लूचिप इक्विटी फंड, कोटक ब्लूचिप फंड, बड़ौदा बीएनपी पारिबा लार्ज कैप फंड, आदि।

- फिक्स्ड डिपॉजिट की तरह ही सुरक्षित रहेगा पैसा
- 7.75 फीसदी तक मिल रहा इस पर सालाना ब्याज
- 6 माह से 10 साल तक का मैच्योरिटी पीरियड

रिकरिंग डिपॉजिट में छोटे निवेश से बनाएं बड़ा फंड

- कम इनकम वाले लोगों के लिए भी अच्छा ऑप्शन है आरडी
- आरडी में निवेशक 100 रुपये से भी शुरू किया जा सकता हैं निवेश

जानकारी | बिजनेस डेस्क

अगर आप हर महीने एक स्मॉल अमाउंट इन्वेस्ट कर बड़ा फंड बनाना चाहते हैं, तो रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी) आपके लिए बेहतर ऑप्शन हो सकता है। रिकरिंग डिपॉजिट, फिक्स डिपॉजिट की तरह ही एक सुरक्षित निवेश योजना है। रिकरिंग डिपॉजिट खाते को आप किसी भी बैंक और डाकघर में ओपन कर सकते हैं। इसमें आप 6 महीने से लेकर 10 साल तक के लिए निवेश कर सकते हैं। जिसके लिए आपको अलग-अलग अवधि के लिए अलग-अलग रेट्स पर निश्चित ब्याज मिलेगा।

हर महीने निवेश की सुविधा

कम इनकम वाले लोगों के लिए आरडी एक अच्छा निवेश ऑप्शन है, क्योंकि इसमें फिक्स्ड डिपॉडिट (एफडी) की तरह एक बार में एकमुश्त राशि निवेश नहीं करना पड़ता है। इसमें डिपॉजिट की जाने वाली राशि पहले से तय होती है। आरडी में निवेश की गई पूरी राशि सुरक्षित रहती है और टेन्योर की समाप्ति के बाद आखिर में ब्याज सहित वापस मिल जाती है। आरडी में पहले से ही इंटरेस्ट रेट तय होता है, इसलिए मार्केट के उतार चढ़ाव से आपके राशि पर कोई असर नहीं पड़ता है। इसलिए आरडी निवेश का बेहतरीन विकल्प हो सकती है।

कहां ओपन कर सकते हैं आरडी अकाउंट

आरडी एक तरह की स्मॉल सेविंग्स स्कीम है। कोई भी व्यक्ति बैंक या पोस्ट ऑफिस में अपना आरडी अकाउंट ओपन कर सकता है। आप जिस बैंक में अपनी आरडी करना चाहते हैं, उसमें आपका बैंक अकाउंट होना जरूरी है। इसके लिए नए सिरे से अकाउंट ओपन करने की जरूरत नहीं होती है।

कितने रुपये से शुरू करें निवेश

आरडी स्कीम में आप 100 रुपये की कम राशि से भी निवेश शुरू कर सकते हैं। इससे ज्यादा आप 10 के मल्टिपल यानी 500, 1000, 2000, 5000 या 10,000 रुपये का कोई भी निवेश कर सकते हैं। इसमें अधिकतम अमाउंट की कोई लिमिट नहीं हैं। इससमें आपको अच्छा रिटर्न मिल सकता है।

कितने साल तक करना होगा निवेश

आरडी में आमतौर पर 6 महीने से लेकर 10 साल तक का मैच्योरिटी पीरियड होता है। हालांकि, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) में आपको कम से कम 1 साल के लिए निवेश करना होगा। कोई भी व्यक्ति आरडी अकाउंट खोल सकता है। इसमें आप एक या एक से ज्यादा अकाउंट भी खोल सकते है। छोटे बच्चों के नाम पर भी यह अकाउंट खोला जा सकता है। 10 साल या उससे अधिक उम्र होने पर आप इसे खुद ऑपरेट कर सकते हैं। 3 लोग मिलकर जॉइंट अकाउंट भी खोल सकते हैं।

आरडी पर ज्यादा ब्याज देने वाले बैंक

बैंक	1-3 वर्ष	3-5 वर्ष	5-10 वर्ष
एसबीआई	7.00%	6.50%	6.50%
यस बैंक	7.75%	7.25%	7.00%
केनरा बैंक	7.03%	6.98%	6.87%
पीएनबी	7.25%	6.50%	6.50%
एचडीएफसी	7.00%	7.00%	7.00%
आईसीआईसीआई	7.10%	7.00%	6.90%

टैक्स-छूट और बेहतर रिटर्न के लिए ईएलएसएस में करें निवेश

बिजनेस डेस्क

वित्त वर्ष 2023-24 खत्म होने में महज कुछ ही दिन बचे हैं। ऐसे में अगर आपने अभी तक टैक्स सेविंग्स प्लानिंग नहीं की है तो अभी भी इसके लिए निवेश कर सकते हैं। अगर आप टैक्स बचाने के साथ निवेश पर अच्छा रिटर्न चाहते हैं तो इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम (ईएलएसएस) म्यूचुअल फंड आपके लिए सही विकल्प साबित हो सकते हैं। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) की ऑफिशियल वेबसाइट के अनुसार, ईएलएसएस कैटेगिरी के म्यूचुअल फंड ने बीते एक साल में 44.30% तक का रिटर्न दिया है। इस रिपोर्ट के जरीये जानते हैं सबसे पहले ईएलएसएस फंड के बारे में जानते हैं और उसके बाद पिछले एक साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले टॉप-10 ईएलएसएस म्यूचुअल फंड के बारे में।

क्या है ईएलएसएस म्यूचुअल फंड

ईएलएसएस यानी इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम ऐसे म्यूचुअल फंड होते हैं, जिनमें 3 साल के लिए इन्वेस्टर्स का पैसा ब्लॉक हो जाता है। म्यूचुअल फंड की इस कैटेगरी में आईटी एक्ट के सेक्शन 80सी के तहत 1.50 लाख रुपये तक निवेश पर टैक्स छूट मिलती है। हालांकि, शेयर मार्केट लिंक्ड होने के चलते इसमें एफडी या एनएससी जैसी स्माल सेविंग्स की तुलना में इसमें ज्यादा जोखिम होता है।

कम लॉक-इन पीरियड

टैक्स सेविंग एफडी, पब्लिक प्रोविडेंट फंड सहित अन्य टैक्स सेविंग स्कीम के मुकाबले ईएलएसएस म्यूचुअल फंड में लॉक-इन पीरियड काफी कम होता है। जहां टैक्स सेविंग एफडी में इन्वेस्टर्स का पैसा 5 साल और पब्लिक प्रोविडेंट फंड में 15 साल तक लॉक रहता है। वहीं, ईएलएसएस म्यूचुअल फंड में इन्वेस्टर्स का पैसा 3 साल तक ब्लॉक रहता है।

यह फायदा

हालांकि, पैसा ब्लॉक रहने का एक बड़ा फायदा यह है कि लंबी अवधि तक अनुशासित रहकर निवेश को बढ़ावा मिलता है। यही आगे आपकी वेल्थ क्रिएशन में मदद कर सकता है। 3 साल का लॉक-इन खत्म होने का मतलब यह नहीं है कि आपको फंड से बाहर निकलना जरूरी होगा, आप इसे आगे तक एक्सटेंड कर सकते हैं।

लंबे समय में एसआईपी के जरिए निवेश पर ज्यादा लाभ

अन्य इक्विटी फंड की तहर इस कैटेगरी के फंड में भी निवेश लंबे समय में ज्यादा फायदेमंद साबित होता है। इसकी वजह यह है इक्विटी फंड में लंबे समय तक एसआईपी करने से शेयर बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का जोखिम कम हो जाता है। शेयर बाजार के निचले स्तर और ऊंचे स्तर का एक औसत रिटर्न बनता है और साथ ही कम्पाउंडिंग का फायदा भी मिलता है। एसआईपी को निवेश का सबसे अच्छा तरीका माना जा सकता है, क्योंकि यह नियमित आय वाले लोगों के लिए निवेश का सबसे बेहतर विकल्प है। इसके जरीये कम पैसे वाले भी अच्छा पैसा जुटा सकते हैं।

कुछ म्यूचुअल फंड स्कीम ने तीन साल में तीन गुना कर दिया पैसा

सुझाव | बिजनेस डेस्क

यदि आप भी म्यूचुअल फंड इक्विटी में निवेश कर मालामाल होना चाहते है तो आपक भी थोड़ा धैर्य के साथ कुछ म्यूचुअल फंड स्कीमों में निवेश करना पड़ेगा। हासल की दिनों में देखा गया है कि कुछ म्यूचुअल फंड ने तीन साल में ही रकम को तीन गुना तक कर दिया है। निवेशकों को 215 फीसदी तक मुनाफा मिला है। म्यूचुअल फंड निवेश करने का विकल्प है। इक्विटी म्यूचुअल फंड के जरिए निवेश कर आप इसमें स्टॉक मार्केट की तरह रिटर्न हासिल कर सकते हैं। हाई रिटर्न देने की हिस्ट्री देखकर ही यह निवेशकों में दिन प्रति दिन लोकप्रिय होता जा रहा है। इसका अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि इंडस्ट्री का कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट दिसंबर 2023 में पहली बार 50 लाख करोड़ के पार चला गया है। अगर आप म्यूचुअल फंड में सही इक्विटी स्कीम का चुनाव करते हैं तो आप बेहतद कम समय में अपनी दौलत को कई गुना बढ़ा सकते हैं। हाल फिलहाल के रिटर्न पर नजर डालें तो कई स्कीम ऐसी हैं, जिन्होंने महज 3 साल में 3 गुना रिटर्न दिया है। हमने इस रिपोर्ट के जरीये ऐसी कुछ स्कीम की जानकारी दी है, जिनमें 3 साल में 176 से 215 फीसदी रिटर्न मिला है।

म्यूचुअल फंड इक्विटी में निवेश करने का सुरक्षित तरीका

क्वांट स्माल कैप

- 3 साल का सालाना रिटर्न: 46.48%
- 3 साल का एबसॉल्यूट रिटर्न: 214.60%
- 3 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यू: 3,14,293 रुपये
- फंड साइज: 13002 करोड़ रुपये
- एक्सपेंस रेश्यो: 0.77%

एबीएसएल पीएसयू इक्विटी

- 3 साल का सालाना रिटर्न: 43.97%
- 3 साल का एबसॉल्यूट रिटर्न: 198.72%
- 3 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यू: 2,98,412 रुपये
- फंड साइज: 1937 करोड़ रुपये
- एक्सपेंस रेश्यो: 0.68%

आईसीआईसीआई प्रू इंफ्रा

- 3 साल का सालाना रिटर्न: 41%
- 3 साल का एबसॉल्यूट रिटर्न: 180.85%
- 3 एसाल में 1 लाख निवेश की वैल्यू: 2,80,322 रुपये
- फंड साइज: 4148 करोड़ रुपये
- एक्सपेंस रेश्यो: 1.30%

निप्पोन इंडिया स्मॉल कैप

- 3 साल का सालाना रिटर्न: 40.40%
- 3 साल का एबसॉल्यूट रिटर्न: 177%
- 3 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यू: 2,76,759 रुपये
- फंड साइज: 43816 करोड़ रुपये
- एक्सपेंस रेश्यो: 0.67%

आईसीआईसीआई प्रू बीआरटी 22 एफओएफ

- 3 साल का सालाना रिटर्न: 40.28%
- 3 साल का एबसॉल्यूट रिटर्न: 176.30%
- 3 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यू: 2,76,050
- फंड साइज: 567 करोड़ रुपये
- एक्सपेंस रेश्यो: 0.08%

एसबीआई पीएसयू

- 3 साल का सालाना रिटर्न: 40.23%
- 3 साल का एबसॉल्यूट रिटर्न: 176%
- 3 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यू: 2,75,755 रुपये
- फंड साइज: 1159 करोड़ रुपये
- एक्सपेंस रेश्यो: 1.1%

हाल के दिनों में बढ़ी तेजी

म्यूचुअल फंड की इक्विटी स्कीम के रिटर्न की बात करें तो साल 2023 में इनका प्रदर्शन बेहद मजबूत रहा। 2023 में घरेलू शेयर बाजार में रिकॉर्ड तेजी रही, जिसके चलते इक्विटी स्कीम्स को भी फायदा हुआ है। 2023 में सेंसेक्स और निफ्टी में 18 फीसदी और 19 फीसदी रिटर्न मिला, जबकि मिडकैप में 42 फीसदी और स्मॉलकैप में 46 फीसदी तेजी रही है। ब्रॉडर मार्केट भी मजबूत हुआ है। इसके अलावा सेक्टोरल इंडेक्स में ज्यादातर में तेजी रही। इसी के चलते निवेशकों को इक्विटी म्यूचुअल फंड में भी खासा रिटर्न मिला है।

निवेश के फायदे

फाइनेंशियल एडवाइजर भी म्यूचुअल फंड के जरिए इक्विटी में निवेश को बेहतर मानते हैं। इसका फायदा यह है कि किसी एक स्कीम में सिर्फ एक स्टॉक नहीं, बल्कि अलग अलग कंपनियों के कई स्टॉक शामिल होते हैं। ये स्टॉक अलग अलग सेक्टर या अलग अलग मार्केट कैप वाले भी हो सकते हैं, जिनका चुनाव फंड मैनेजर स्कीम के कैटेगरी के आधार पर करते हैं। फंड मैनेजर स्टॉक सेलेक्ट करते समय उस कंपनी की ग्रोथ की संभावनाओं पर भी रिसर्च करते हैं। अगर निवेशको का लक्ष्य कम से कम 3 साल या इससे ज्यादा अवधि तक निवेश करने का हो तो रिटर्न बेहतर मिलने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। लंबी अवधि में रिस्क भी घट जाते हैं।

बिहार में सियासत तेजी से बदल रही है। बिहार के सीएम नीतीश कुमार एक बार फिर भाजपा नीत राजग में आ रहे हैं। एक बार फिर 'भतीजे' तेजस्वी यादव से 'चाचा' नीतीश का मोहभंग हो गया है। लालू प्रसाद यादव खुद को राजनीति का धुरंधर मानते हुए जिस तरह नीतीश को निपटा कर बेटे को बिहार का सीएम बनाने के फेर में थे, विपक्षी गठबंधन इंडिया की हालत देखते हुए नीतीश ने समय रहते लालू की संभावित राजनीति की हवा निकाल दी। पिछली बार राजद के कारण तो इस बार कांग्रेस के कारण नीतीश कुमार ने पाला बदला है और वापस राजग में जा रहे हैं। इंडिया में कांग्रेस ने अपने सभी सहयोगियों को यथोचित स्थान नहीं दिया, तो लोग छिटकने लगे। पहले ममता व मान ने एकला चलो की राह चुनी तो अब नीतीश भी अलग हो गए। इस पर आजकल का यह अंक...

बिहार की सियासत में फिर भूचाल

विश्लेषण
सुशील राजेश
वरिष्ठ पत्रकार

नीतीश कुमार 2022 में भाजपा से अलग हुए और अब फिरभाजपा के पाले में आ रहे हैं। दोनों ही बार जदयू में दलबदल और दोफाड़ की आशंकाओं और संभावनाओं ने काम किया। बेशक राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष का गठबंधन तैयार करने के सूत्रधार नीतीश ही थे। वह पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण विपक्ष के बड़े नेताओं से मिलते रहे, लेकिन 'इंडिया' नाम से एक बुनियादी प्लेटफॉर्म बना, तो उन्हें हाशिए पर धकेल दिया गया। कांग्रेस और कुछ अन्य दलों के नेताओं ने उन्हें संयोजक तक बनने से रोका। नीतीश कुमार इस राजनीति से बहुत क्षुब्ध थे। यदि भाजपा के साथ उनका गठबंधन परवान चढ़ता है, तो सबसे अधिक विपक्ष का नुकसान यह होगा कि 'इंडिया' का बिखराव पुख्ता होने लगेगा।

बीते बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के बीच करीब तीन घंटे की बैठक प्रधानमंत्री आवास पर हुई। यह असामान्य बैठक थी, क्योंकि किसी अति महत्वपूर्ण विषय पर ही प्रधानमंत्री इतना वक्त खर्च करते हैं। उनके सामने बिहार पर सर्वे की एक रपट भी थी, जो भाजपा ने ही कराया था। सर्वे का निष्कर्ष था कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा, अपने घटक दलों समेत, अधिकतम 25 सीटें जीत सकती है। सर्वे अयोध्या राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा से पहले कराया गया था। सर्वे में यह भी सामने आया कि उसके प्रभाव से 5-7 सीट से अधिक बढ़ने के आसार नहीं हैं। 2019 में भाजपा ने जदयू के साथ 40 में से 39 सीटें जीती थीं। जाहिर है कि विमर्श का बिन्दु जदयू और नीतीश रहा होगा! भाजपा कुछ विशेष सूत्रों के जरिए नीतीश कुमार से संवाद कर रही थी। विमर्श में यह तय होने लगा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का सूत्रधार ही पाला बदल कर भाजपा से मिल जाए, तो चुनावी फायदा हो सकता है। कमोबेश 'अति पिछड़ा वर्ग' के सरप्लस वोट भी भाजपा के पक्ष में आ सकते हैं। लंबे विमर्श के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने नए गठबंधन को 'ओके' कह दिया। उसके बाद तय-सा हुआ कि नीतीश एक बार फिर 'पलटी' मार कर भाजपा के खेमे में आ सकते हैं।

घटनाक्रम से मिले रहे संकेत

कुछ असामान्य संकेत भी गौरतलब हैं। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने शुक्रवार को ही पांच बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को फोन किया, लेकिन नीतीश ने फोन नहीं उठाया। राजद के वरिष्ठ नेता शिवानंद तिवारी ने मुख्यमंत्री से मुलाकात का वक्त मांगा। लालू उन्हें अपने दूत के तौर पर नीतीश के पास भेजना चाहते थे, लेकिन मुख्यमंत्री ने मिलने का वक्त ही नहीं दिया। नीतीश और शिवानंद पुराने वक्त के 'समाजवादी साथी' रहे हैं। 'राजभवन' में गणतंत्र दिवस पर चाय का आयोजन था, उसमें मुख्यमंत्री की कुर्सी की बगल में ही उपमुख्यमंत्री की कुर्सी चिह्नित थी। मुख्यमंत्री तो कार्यक्रम में गए, लेकिन उनके एक मंत्री अशोक चौधरी ने उपमुख्यमंत्री वाली पर्ची फाड़ कर उस कुर्सी पर बैठ गए। मुख्यमंत्री ने मंत्री को रोका-टोका तक नहीं। उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और उनके कुछ मंत्री भी उस कार्यक्रम में नहीं गए। यह एक किस्म की 'संवैधानिक अवज्ञा' थी। इस घटना से पहले मुख्यमंत्री नीतीश ने कैबिनेट बैठक बुलाई थी। उपमुख्यमंत्री करीब 2 घंटे की बैठक के दौरान खामोश ही रहे। सबसे महत्वपूर्ण संकेत यह है कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह समेत भाजपा के बड़े नेता, नीतीश के लिए, 'दरवाजा बंद' जैसी आक्रामक जुबान बोलते रहे थे। वह अचानक मुलायम हो गई। बिहार के उपमुख्यमंत्री रहे सुशील कुमार मोदी लगातार कहते रहे कि कोई भी दरवाजा हमेशा के लिए बंद नहीं होता। जब जरूरत पड़ती है, तो वह खुल भी जाता है। गिरिराज सिंह और अश्विनी चौबे सरीखे बड़बोले केंद्रीय मंत्री, नीतीश को, जिस भाषा में गरियाते थे, वे अचानक खामोश हो गए हैं। भाजपा के विधायकों ने नीतीश को मुख्यमंत्री के तौर पर 'स्वीकार' करने के बयान देने शुरू कर दिए हैं। क्या इतने संकेत नीतीश कुमार की 'नई पलटमारी' के लिए पर्याप्त नहीं हैं?

नई खिचड़ी पकनी तय

राजद, कांग्रेस, भाजपा में विधायकों की आपातकालीन बैठकें हो रही हैं। नीतीश और भाजपा ने रविवार, 28 जनवरी को महत्वपूर्ण बैठकें बुलाई हैं। कथित महागठबंधन के घटक मुख्यमंत्री से स्पष्टीकरण मांग रहे हैं कि अचानक सियासी उबाल इतना क्यों है? नीतीश के प्रवक्ता जवाब दे रहे हैं कि मुख्यमंत्री को स्पष्टीकरण देने की जरूरत नहीं है। वह किसी भी तरह के भ्रम में नहीं हैं। गौरतलब यह भी है कि मुख्यमंत्री ने अचानक अपने सभी कार्यक्रम रद कर दिए हैं। थोक में आईएएस, आईपीएस और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के तबादले किए गए हैं, लेकिन इस आलेख के लिखे जाने तक नीतीश ने न तो मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया है और न ही विधिवत रूप से गठबंधन से अलग हुए हैं, लेकिन उनका एक बार फिर 'पलटी' मार कर भाजपा के साथ जाना लगभग तय है। भाजपा में अमित शाह, जेपी नड्डा, संगठन महासचिव बीएल संतोष और बिहार भाजपा के प्रभारी विनोद तावड़े आदि के बीच लगातार बैठकें हुई हैं। बिहार के प्रमुख कार्यकर्ताओं, नेताओं, विधायकों को 'नए गठबंधन' को लेकर आश्वस्त किया जा रहा है कि भाजपा अपनी बुनियादी नीतियों को नहीं छोड़ेगी, लेकिन आम चुनाव के संदर्भ में यह गठबंधन फायदेमंद साबित होगा।

सबकुछ लगभग तय, ऐलान बाकी

इसी बीच भाजपा के सूत्रों ने खुलासा किया है कि कांग्रेस के 10 से अधिक विधायक उसके संपर्क में हैं। उनका एक अलग गुट बनवाया जा सकता है, जो भाजपा-नीतीश सरकार को समर्थन दे सकता है। कांग्रेस के कुल 19 विधायक हैं। भाजपा नेतृत्व ने अपनी बिहार इकाई को आश्वस्त किया है कि नीतीश दो उपमुख्यमंत्रियों पर सहमत हैं। उनमें से एक 'अति पिछड़ा वर्ग' का प्रतिनिधि होगा। सूत्र रेणु देवी का नाम बता रहे हैं, जो 2020 के जनादेश के बाद नीतीश सरकार में ही उपमुख्यमंत्री थीं। दूसरे उपमुख्यमंत्री को लेकर सुशील मोदी ही मुख्यमंत्री की पहली पसंद हैं। वह लंबे समय तक इस पद पर मुख्यमंत्री नीतीश के साथ काम कर चुके हैं। अलबत्ता मौजूदा नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा और केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय के नामों की भी चर्चा है। भाजपा के एक बड़े नेता ने मुझे खुलासा किया है कि रविवार को भाजपा-जदयू विधायक दल की साझा बैठक में नीतीश कुमार को एनडीए विधायक दल का नेता चुना जा सकता है। उसके बाद नई सरकार बनाने का दावा राज्यपाल के सामने पेश किया जा सकता है, लेकिन इससे पहले नीतीश को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना जरूरी है।

नीतीश की अलटी-पलटी राजनीति का सफर

जनता दल से अलग होकर 1994 में जॉर्ज फर्नांडिस और नीतीश कुमार ने समता पार्टी की शुरुआत की। 1996 के लोकसभा चुनावों में समता पार्टी ने भाजपा के साथ गठबंधन किया। 1998 में गठबंधन जारी रहा। मार्च 2000 में नीतीश पहली बार बिहार के मुख्यमंत्री बने। पर सदन में बहुमत साबित नहीं कर सके। सात दिन तक ही सीएम रहे। 2003 में नीतीश कुमार ने समता पार्टी से अलग जनता दल (यूनाइटेड) बनाया। भाजपा से गठबंधन किया। 2005 में बिहार में विधानसभा चुनाव में पहली बार भाजपा और जदयू को चुनावी सफलता हासिल की। नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री बने। 2009 के लोकसभा चुनाव में भी गठबंधन को बड़ी सफलता मिली। 2010 में भाजपा-जदयू ने एक बार फिर एक साथ चुनाव लड़ा और जबरदस्त सफलता हासिल की। नीतीश एक बार फिर मुख्यमंत्री बने। 2014 के लोकसभा चुनाव से पहले नीतीश कुमार ने बिहार में भाजपा के साथ 17 साल पुराना गठबंधन तोड़ दिया। गठबंधन टूटने के बाद लोकसभा में जदयू को झटका लगा। नीतीश सीएम बने रहे। राजद और कांग्रेस ने बाहर से समर्थन दिया। 2015 में जदयू, राजद व कांग्रेस के महागठबंधन को सफलता मिली। नीतीश कुमार फिर बिहार के मुख्यमंत्री बने। राजद से असंतुष्ट नीतीश 2017 में महागठबंधन से अलग हो गए। भाजपा के साथ आ गए। सीएम बने रहे। 2019 के लोकसभा चुनाव में भी राजग ने बिहार की कुल 40 सीटों में से 39 सीटें जीत लीं। 2020 में एनडीए सरकार बनी, सीएम नीतीश ही रहे। वर्ष 2022 में नीतीश भाजपा का साथ छोड़कर फिर से महागठबंधन के साथ आ गए। सीएम बने रहे। राजद से तेजस्वी यादव राज्य के उप मुख्यमंत्री बने। वे दूसरी बार डिप्टी सीएम बने। अब वर्ष 2024 में एक बार फिर नीतीश कुमार पाला बदलने जा रहे हैं, वे महागठबंधन का साथ छोड़कर भाजपा के साथ राजग में आ रहे हैं। इस बार भी सीएम नीतीश ही बने रहेंगे। 19 साल से वे विधायक के चुनाव नहीं लड़े हैं।

नीतीश कुमार की 'पलटीमार' राजनीति

एक सवाल जनादेश, सरकार, पलटीमार राजनीति और लोकतंत्र को लेकर भी है। गौरतलब है कि 1995 से नीतीश ने विधायक का चुनाव ही नहीं लड़ा और न ही उनके दलों को बहुमत का जनादेश मिला है। फिर भी नीतीश कुमार 9वीं बार मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। नीतीश में ऐसा कौन-सा आकर्षण है कि राजद और भाजपा दोनों ही उन्हें 'पलटी' मारने को समर्थन देते रहे हैं और मुख्यमंत्री भी बनवाते रहे हैं। मौजूदा जनादेश 2020 में भाजपा-जदयू को मिला था, क्योंकि दोनों ने साझा चुनाव लड़ा था। नीतीश ने अगस्त, 2022 में अचानक पलटी मारी और लालू यादव के खेमे में चले गए और मुख्यमंत्री बने रहे। अब करीब डेढ़ साल बाद फिर उनका मोहभंग हुआ है और चल पलट कर भाजपा के साथ सरकार बनाने जा रहे हैं। हालांकि इस बार भाजपा उन्हें मुख्यमंत्री बनाने के लिए ना-नुकर कर रही थी, लेकिन नीतीश की बुनियादी शर्त यही थी कि मुख्यमंत्री वह ही बने रहेंगे। बहरहाल नीतीश को एक बार फिर पलटी की ज़मीन दी जा रही है। यह कैसा लोकतंत्र है कि बहुमत का जनादेश पाए बिना ही एक राजनेता लगातार कई सालों से बिहार का मुख्यमंत्री बना हुआ है? बेशक इस स्थिति के लिए भाजपा और राजद ही बराबर की जिम्मेदार हैं, क्योंकि बहुमत उनके पक्ष में भी नहीं है। अलबत्ता वे सदन की सबसे बड़ी पार्टियां हैं। नतीजतन बिहार लगातार 'जुगाड़ की सरकार' के भरोसे चल रहा है।

बिहार की सियासत की दिशा

नीतीश कुमार 2022 में भाजपा से अलग हुए और अब राजद, कांग्रेस और वाममोर्चे का हाथ झटक कर भाजपा के पाले में आ रहे हैं। दोनों ही बार जदयू में दलबदल और दोफाड़ की आशंकाओं और संभावनाओं ने काम किया। इस बार लोकसभा चुनाव से पहले जदयू के कमोबेश 7 सांसद भाजपा के संपर्क में थे, उन्हें इस बार लोकसभा चुनाव जीतना संदिग्ध लग रहा था, क्योंकि 2019 की तरह सामाजिक समीकरण पक्ष में नहीं थे। 2019 में जदयू-भाजपा गठबंधन में जदयू के 16 सांसद जीते थे। इस बार संभावनाएं 5 सांसद जीतने की भी नहीं लग रही हैं, लिहाजा नीतीश कुमार पर लगातार दबाव रहा है कि वह पाला बदल कर भाजपा के साथ गठबंधन करें। उधर, कुछ विधायकों की लालू-तेजस्वी यादव के साथ गुप्त बैठक की भनक नीतीश को लगी, नतीजतन पार्टी अध्यक्ष ललन सिंह को बदल कर नेतृत्व अपने हाथ में लेना पड़ा। अब पार्टी अध्यक्ष के तौर पर नीतीश को लगा कि पार्टी में टूट-फूट संभव है, लिहाजा उन्होंने पाला बदलने की सोची। उन्हें पुख्ता ज़मीन तब मिली, जब प्रधानमंत्री मोदी ने 'जननायक' एवं पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को 'भारत-रत्न' का सम्मान देने की घोषणा की। कर्पूरी नीतीश और लालू के 'गुरु सम' नेता माने जाते रहे हैं। सामाजिक न्याय के नाम पर आज भी अति पिछड़ा वर्ग 'जननायक' को भूला नहीं है।

इंडि गठबंधन को धक्का

बेशक राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष का गठबंधन तैयार करने के सूत्रधार नीतीश ही थे। वह पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण विपक्ष के बड़े नेताओं से मिलते रहे, लेकिन 'इंडिया' नाम से एक बुनियादी प्लेटफॉर्म बना, तो उन्हें हाशिए पर धकेल दिया गया। कांग्रेस और कुछ अन्य दलों के नेताओं ने उन्हें संयोजक तक बनने से रोका। नीतीश कुमार इस राजनीति से बहुत क्षुब्ध थे। यदि भाजपा के साथ उनका गठबंधन परवान चढ़ता है, तो सबसे अधिक विपक्ष का नुकसान यह होगा कि 'इंडिया' का बिखराव पुख्ता होने लगेगा। ममता और केजरीवाल पहले ही अलगाव के स्पष्ट संकेत दे चुके हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने नीतीश कुमार का पक्ष लेते हुए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया है। अन्य प्रतिक्रियाएं भी सामने आ सकती हैं। दूसरी तरफ जीतन राम मांझी, चिराग पासवान, उपेन्द्र कुशवाहा सरीखे बिहारी नेताओं ने अमित शाह से मुलाकात कर एनडीए का ही घटक बने रहने की प्रतिबद्धता दिखाई है, लिहाजा, बिहार में नीतीश के आने के बाद निश्चित तौर पर एनडीए की स्थिति मजबूत होगी। इसका असर लोकसभा व विधानसभा में देखने को मिलेगा।

बदलते बिहार में क्या क्या बदलेगा?

राजनीति
राज कुमार सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

अकसर कहा जाता है कि भारत में राजनीतिक बदलाव की हवा बिहार से चलती है। लोकनायक जय प्रकाश नारायण का संपूर्ण क्रांति आंदोलन इस मान्यता का कारण हो सकता है, जिसने अजेय समझी जानेवाली और फिर आपातकाल में तानाशाह के रूप में देखी जाने वाली इंदिरा गांधी की सत्ता से बेदखली का मार्ग प्रशस्त किया। वैसे उसके बाद भी बिहार में बहुत कुछ हुआ, और उसके चलते भी कई धारणाएं-कहावतें बनी हैं। बिहार फिर बदलता दिख रहा है। क्रिकेट की तरह भारतीय राजनीति भी असीमित संभावनाओं, मगर अनिश्चितताओं का खेल है। कई बार आखिरी गेंद पर मैच पलट जाता है। ऐसे में जब बदलाव की बुनियाद ही किसी 'पलटीमार' पर टिकी हो, तब पटाक्षेप से पहले अंतिम निष्कर्ष जोखिमभरा भी हो सकता है। फिर भी पिछले कुछ दिनों का घटनाक्रम बता रहा है कि 'सुशासन बाबू' से 'पलटीमार' के संबोधन तक का सफर तय करने वाले नीतीश कुमार सत्ता के खेल में एक बार फिर जोड़ीदार बदल रहे हैं। संकेत है कि दूल्हा नहीं, सिर्फ बाराती बदलेंगे यानि मुख्यमंत्री तो नीतीश कुमार ही रहेंगे, बहुमत के लिए जरूरी बैसाखी की भूमिका में राजद-कांग्रेस-वाम की तिकड़ी की जगह फिर से भाजपा आ जाएगी।

सुविधा के संवाद

समाचार माध्यम बता रहे हैं कि अतीत में नीतीश कुमार राजद-कांग्रेस महागठबंधन में और भाजपा के साथ एनडीए में कब-कब सरकार चला चुके हैं। आप इसे नीतीश का राजयोग कह सकते हैं या फिर बिहार की विडंबना भी कि राज्य विधानसभा का संख्या गणित कुछ ऐसा बन गया है कि दोनों बड़े दलों के पास तीसरे नंबर के दल के नेता की पालकी उठाने के अलावा कोई विकल्प ही नहीं है। सत्ता की पालकी पर सवार नीतीश कुमार भी सुविधानुसार सांप्रदायिकता विरोध अथवा फिर परिवारवाद-भ्रष्टाचार विरोध की राजनीति करने की कला में माहिर हैं। वैसे इस कला में अनाड़ी तो कोई भी दल या नेता नहीं रह गया है। बार-बार दगा के बावजूद महागठबंधन और एनडीए भी नीतीश कुमार को बिहार का नायक बताने के लिए संवाद गढ़ ही लेते हैं। हर बार ऐसे बदलाव के मूल में बिहार की सत्ता और उसके लिए नीतीश की चिर आकांक्षा ही रही है, लेकिन 2024 में होनेवाला बदलाव राज्य ही नहीं, राष्ट्र की राजनीति को भी प्रभावित करेगा।

आखिर नीतीश कुमार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भाजपा को दस साल बाद केंद्रीय सत्ता से बेदखल करने के वादे-इरादे के साथ बने दो दर्जन से भी ज्यादा विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' के सूत्रधार माने जा रहे थे। जब ममता बनर्जी, के. चंद्रशेखर राव, अरविंद केजरीवाल और अखिलेश यादव सरीखे क्षत्रप क्षेत्रीय दलों का तीसरा मोर्चा या संघीय मोर्चा बनाने की कवायद कर रहे थे, तब नीतीश ने सबसे पहले कहा था कि भाजपा के विरुद्ध तीसरा नहीं, एक ही मोर्चा बनना चाहिए, जो कांग्रेस को साथ लिए बिना कारगर नहीं हो सकता। कांग्रेस की सहमति से ही नीतीश ने राज्य-दर-राज्य घूमते हुए तमाम क्षत्रपों को

मनाया भी। विपक्षी गठबंधन की पहली बैठक भी पटना में हुई। उसमें सूत्रधार की भूमिका में नीतीश ही दिखे, लेकिन उसके बाद कब स्टीयरिंग कांग्रेस के हाथ में चली गई, नीतीश को पता नहीं चला।

जरूरी भी, मजबूरी भी

खुला रहस्य है कि सबसे लंबे समय तक बिहार का मुख्यमंत्री रहने वाले नीतीश के लिए सत्ता ही साध्य है। साधन जो भी बनना चाहे, इसके बावजूद उन्हें विपक्षी गठबंधन का पीएम फेस तो दूर, संयोजक तक नहीं बनाना क्या बिहार में इस नए बदलाव का कारण है? इस स्वाभाविक सवाल का सही जवाब सिर्फ मोदी और नीतीश के पास हो सकता है। अंदर ही खबर रखने वाले बताते हैं कि यह बदलाव अचानक नहीं हुआ। जैसे-जैसे नीतीश को 'इंडिया' में केंद्रीय भूमिका न मिलने के संकेत पुष्ट होते गये, उन पर जनता दल यूनाइटेड में एक वर्ग का दबाव बढ़ता गया कि वह सम्मानजनक विकल्प तलाशें। यह भी कि ऐसा दबाव डालने वाला वर्ग दरअसल भाजपा के संपर्क में था, जो मोदी सरकार की 'हैट्रिक' की कोशिशों में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती। इस बार '400 पार' का नारा देनेवाली भाजपा पिछले लोकसभा चुनाव में 303 सीटें जीती थी, जिनमें से 17 बिहार से मिली थीं। तब नीतीश साथ थे और एनडीए ने 40 में से 39 सीटें जीतने का करिश्मा कर दिखाया था। शेष एक सीट पर कांग्रेस का दांव लग गया था, वरना अब विधानसभा में सबसे बड़े दल राजद का खाता तक नहीं खुल पाया था। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना और पंजाब में शिरोमणि अकाली दल से गठबंधन टूटने तथा कर्नाटक में सत्ता से बेदखली से वहां गड़बड़ाये चुनावी गणित से भाजपा पर दबाव बढ़ गया है कि वह बिहार में अपनी बिसात ठीक से बिछाये। जाहिर है, लालू प्रसाद यादव के राजद से दोस्ती असंभव है, जबकि लोजपा, हम और वीआईपी जैसे छोटे दलों की मदद से वह बिसात संभव नहीं। ऐसे में अगर अपेक्षित सम्मान न मिलने पर 'इंडिया' से किनारा नीतीश की मजबूरी बन गयी थी तो केंद्रीय सत्ता की 'हैट्रिक' के लिए उन्हें साथ लेना भाजपा की जरूरत भी। शायद, दिवंगत समाजवादी नायक कर्पूरी ठाकुर को 'भारत रत्न' ने उस 'मजबूरी' और 'जरूरत' के बीच सुविधानजक पुल बनाने का काम किया।

'इंडिया' बनाम एनडीए

अगर पुष्ट संकेतों के मुताबिक नीतीश एनडीए में लौटते हैं तो न सिर्फ बिहार में भाजपा गठबंधन सरकार में भागीदार होगी, बल्कि अप्रैल-मई में होने वाले लोकसभा चुनाव में संभानाएं भी बेहतर हो जाएंगी। बेशक चिराग पासवान, उपेंद्र कुशवाहा और जीतन राम मांझी असहज महसूस करेंगे, पर सत्ता की खातिर यह सब चलता रहता है। आखिर सत्ता की खातिर ही तो नीतीश कुमार ने उन लालू से दो-दो बार हाथ मिला लिया, जिनके राज को कभी 'जंगल राज' बताते थे और जिस भाजपा में जाने से मरना बेहतर बताते थे, उसके साथ भी दूसरी बार जा रहे हैं। हां, मोदी की भाजपा सरकार को केंद्रीय सत्ता से बेदखल करने के लिए बने 'इंडिया' गठबंधन के लिए यह बहुत बड़ा झटका है। ममता बनर्जी और भगवंत मान पहले ही क्रमशः पश्चिम बंगाल और पंजाब में अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुके हैं। अब जबकि सूत्रधार नीतीश भी किनारा कर रहे हैं तो यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि पिछले साल जुलाई में ही बना विपक्षी गठबंधन कहां, कितना और कब तक बचेगा।

दूर क्यों हुए?

बिहार की राजनीति में शुरू से जदयू भाजपा का बड़ा भाई बना रहा। समय के साथ जदयू की सीटें कम होती गईं। भाजपा की सीटों की संख्या बढ़ती गई। राजद के बाद दूसरे नंबर की पार्टी भाजपा हो गई। नीतीश कुमार सरकार के निर्माण में बीजेपी की शर्तों से असहज रहे। नीतीश डिप्टी सीएम रेनू देवी व तारकिशोर प्रसाद को लेकर सहज महसूस नहीं करते थे। उनके साथ 13 साल तक डिप्टी सीएम रहे सुशील कुमार मोदी की तरह इन लोगों से उनका तालमेल अच्छा नहीं रहा।

धर दीन्ही चदरिया

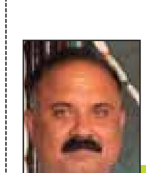

बिहार
प्रणय यादव
वरिष्ठ टीवी पत्रकार

नीतीश कुमार ने फिर वही किया जो अब तक करते आए हैं, लेकिन इस बार नीतीश कुमार ने जो पलटी मारी है। उसका असर सिर्फ बिहार पर नहीं होगा। देश की राजनीति पर होगा। लालू की लालटेन तो फूटी ही, इसके साथ साथ विपक्षी एकता भी तार तार हो गई। अब विरोधी दलों के खेमे में सन्नाटा है। कांग्रेस, आरजेडी, उद्धव ठाकरे की शिवसेना, एनसीपी जैसी तमाम पार्टियां नीतीश को नैतिकता का ज्ञान दे रही हैं, लेकिन नीतीश को इसकी परवाह नहीं है, क्योंकि वो जानते हैं कि राजनीति में नैतिकता की परिभाषा वक्त और मौके के हिसाब से बदलती रहती है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि इस बार नीतीश ने सिर्फ लालू के नहीं तमाम नेताओं के सपनों को तोड़ा है। बीजेपी ने जो चाल चली है। उसमें बीजेपी का फायदा ही फायदा है। तीर नीतीश का है और इससे लहूलुहाने होने वाले उनके अपने पुराने साथी हैं।

नीतीश कुमार महात्वाकांक्षी हैं। राजनीति में सब महात्वकांक्षी होते हैं। सब आगे बढ़ना चाहते हैं। विधायक सांसद मंत्री मुख्यमंत्री बनना चाहते है। लेकिन सब बन नहीं पाते क्योंकि हर किसी में अवसर को पहचानने और हारते हुए पक्ष से जल्दी से जल्दी पीछा छुड़ा सकने की काबिलियत नहीं होती जो नीतीश में कुमार में हैं और पिछले तीस सालों में नीतीश कुमार ने ये बखूबी साबित किया है। वो छह बार चादर बदल चुके हैं। हर बार पुरानी चादर उतारते हैं। नई ओढ़ते हैं, लेकिन पुरानी वाली को फेंकते नहीं। रख लेते हैं। जरूरत पड़ने पर फिर ओढ़ लेते हैं। और इसी कला का नतीजा है कि नीतीश की पार्टी बिहार में हमेशा तीसरे नंबर की पार्टी रही, लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश ही रहे।

नीतीश ने इस बार जो खेल किया है। उससे लालू की सारी प्लानिंग चौपट हो गई। लालू जानते थे कि बिहार में बीजेपी पावर में रहेगी तब तक उनकी पार्टी की वापसी संभव नहीं है। लालू को ये भी पता था कि नीतीश कुमार की नजर अब प्रधानमंत्री की कुर्सी पर है, क्योंकि 2012 में नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री का चेहरा बनाने के विरोध में ही नीतीश ने एनडीए छोड़ा था। लेकिन 2014 में लोकसभा चुनाव में सिर्फ दो सीटें मिलीं। नीतीश ने कसम खाई थी कि मर जाएंगे लेकिन बीजेपी के साथ नहीं जाएंगे। लेकिन राजनीति में मरना जीना तो लगा रहता है। इसलिए नीतीश कुमार एक बार फिर मरकर जी उठे और फिर बीजेपी के साथ हैं।

असल में इस बार नीतीश ने दिखाया कि वो हिसाब किताब में लालू से ज्यादा माहिर हैं। लालू चाहते थे कि किसी तरह बेटे को बिहार की गद्दी पर बैठाया जाए। इसी चक्कर में लालू ने दांव खेला। सोचा था नीतीश को फंसा लेंगे, लेकिन उल्टा फंसा। नीतीश एक रास्ता बंद हो इससे पहले दूसरा खोल लेते हैं। अगर प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार नहीं बनना है तो बिहार की कुर्सी क्यों छोड़ते। लालू का प्रेशर था। जब नीतीश ने बात नहीं मानी तो लालू ने नीतीश की पार्टी में सेंध लगाने की कोशिश शुरू की। नीतीश को भनक लग गई तो उन्होंने खेल खराब करने में देर नहीं की। नीतीश ने जो किया उससे जनता पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। सरकार का चेहरा नहीं बदलेगा। सिर्फ चोला बदल जाएगा। लालटेन की जगह

अब एनईडी लाइट से सरकार जलेगी और विधानसभा में सिर्फ ट्रेजरी बेंचेज और अपोजीशन बेंचेज की अदला बदली होगी।

लेकिन नीतीश के इस पैंतरे से विपक्ष की मोदी को घेरने की सारी रणनीति छिन्न भिन्न हो गई। इसका सबसे पहला शिकार कांग्रेस होगी। कांग्रेस राहुल गांधी की न्याय यात्रा के जरिए माहौल बनाने की कोशिश कर रही थी। जिसे असम में हिमंता ने पलीता लगाया। बंगाल में घुसे तो ममता की पार्टी ने काले झंडे दिखा दिए। अब उम्मीद बिहार से थी। लेकिन वो भी टूट गई। जब राहुल बिहार में रैली करेंगे तो गठबंधन के फाउंडर नीतीश कुमार मोदी मोदी के नारे लगा रहे होंगे। इसलिए कांग्रेस के नेता निराश हैं। नीतीश के लिए दरवाजा बीजेपी ने भी मजबूरी में खोला है। लेकिन इसका सबसे बड़ा फायदा ये होगा कि तेजस्वी यादव समेत विपक्ष के जो नेता जातिगत जनगणना के मुद्दे को उछालकर पिछड़ों अति पिछड़ो, दलितों और महादलितों के बीजेपी से दूर करना चाहते थे। अब वो मुद्दा ही हाथ से निकल गया क्योंकि जातिगत सर्वे कराने वाले नीतीश तो अब बीजेपी के साथ हैं।

बिहार की राजनीति के साथ साथ केन्द्र की राजनीति पर भी इसका जबरदस्त असर होगा। लोकसभा चुनाव सिर पर हैं। बीजेपी भी जानती है कि नीतीश की अपनी ताकत भले ही कम हो लेकिन उनका साथ जीत हार का फैसला करने में मददगार होता है। पिछले चुनाव में जब बीजेपी नीतीश के साथ थी तो एनडीए ने 40 में से 39 सीटें जीती थीं। अब नीतीश फिर साथ हैं तो इसका असर तो पड़ेगा। दूसरी बात नीतीश विरोधी दलों के गठबंधन की नींव की ईंट थे। नींव की ईंट अलग होने से बिल्डिंग का खड़े रहना मुश्किल है। राजनीति में मैसेजिंग का बड़ा महत्व होता है। नीतीश के जाने से मैसेज ये गया कि एंटी मोदी मोर्चे में सबसे अपने अपने हित हैं और सबसे बड़ा कॉमन फैक्टर है नरेन्द्र मोदी का डर। महाराष्ट्र में जब टूट हुई थी तो एकनाथ शिन्दे पर खोके का आरोप लगा। एजेंसियों के डर का इल्जाम लगा। लेकिन बिहार में विरोधी दलों के नेता न तो नीतीश पर भ्रष्टाचार का इल्जाम लगा सकते हैं। न परिवारवाद का। इसलिए नीतीश का जाना एंटी मोदी मोर्चे के लिए ताबूत में आखिरी कील हो गया। हालांकि बंगाला में ममता बनर्जी और पंजाब में केजरीवाल पहले ही अकेले चुनाव लड़ने का एलान कर चुके हैं। अखिलेश यादव ने यूपी में कांग्रेस को ज्यादा भाव देने को तैयार नहीं है। ये नेता तो विरोधी दलों के गठबंधन में कंगूरे की ईंटें थीं। जो एक एक करके गिर रही थी। नीतीश के टूटने से नींव हिली है। इसलिए अब बिल्डिंग का गिरना भी तय है। ये बीजेपी के लिए चुनाव से पहले बड़ी जीत है। अब बीजेपी के नेता ये कहेंगे कि नेता वही होता है जो वक्त पर हवा का रुख पहचान ले, नीतीश ने पहचान लिया है।

नीतीश कुमार ने बड़े अरमानों के साथ विपक्षी एकता की कवायद शुरू की थी। उन्हें इस गठबंधन में एक महत्वपूर्ण पद की उम्मीद थी। हुआ बिल्कुल उल्टा। इंडि गठबंधन अपनी-डफली और अपनी राग बजाने लगा। 2017 में महागठबंधन से अलग होने के बाद नीतीश ने राजद को इसका जिम्मेदार ठहराया था। इस बार कांग्रेस को इसके लिए जिम्मेदार बता रहे हैं। दूसरी ओर कांग्रेस की ओर से अपनाया जा रहा अलग रास्ता भी विवाद का कारण बना है। राहुल गांधी द्वारा गठबंधन के बारे में बात करने के बजाय कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू की गई है। ये यात्रा बिल्कुल कांग्रेस की अपनी और अलग यात्रा है। इसलिए जदयू को महागठबंधन में रहने का कोई कारण नजर नहीं आया। इंडिया एकजुट रहने और मोदी को जवाब देने में पूरी तरह विफल रहा। वैसे में नीतीश ने अपनी पार्टी के भविष्य को ध्यान में रखते हुए एक व्यवहारिक निर्णय लिया, जिसका सियासी गलियारों में स्वागत भी हो रहा है। दूसरी तरफ जदयू ने अपना पिछला इतिहास देखा। जदयू 2019 में लोकसभा चुनावों में एनडीए के साथ लड़ी गई 17 सीटों में से 16 पर जीत हासिल की थी। इस बार नीतीश की पार्टी की राह मुश्किल लग रही थी।

दूसरे दिन फाइटर की कमाई में भारी उछाल साउथ में ऋतिक की फिल्म का बोलबाला

मुंबई। ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण स्टारर फिल्म फाइटर रिलीज के बाद बड़े पर्दे पर धूम मचा रही है। पहले दिन अच्छी कमाई करने के बाद अब फाइटर का दूसरे दिन का कलेक्शन भी सामने आ गया है। फिल्म ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 24.60 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दूसरे दिन फाइटर ने बॉक्स ऑफिस 41.20 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया। रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म का टोटल नेट कलेक्शन 65.80 करोड़ रुपए हो गया है।

बॉलीवुड के बाद हॉलीवुड सिंगर टेलर हुईं डीपफेक का शिकार, मचा बवाल

लॉस एंजेलिस। मशहूर पॉप सिंगर टेलर स्विफ्ट अब डीपफेक का शिकार हुई है, जिसके बाद बवाल मचा हुआ है। दरअसल एक्स हैंडल पर मशहूर पॉप सिंगर टेलर स्विफ्ट की डीपफेक फोटोज शेयर की गई। इसके बाद इस अकाउंट को सस्पेंड कर दिया गया। जैसे ही सिंगर के एआई जेनरेटेड फोटोज सामने आए तो सोशल मीडिया पर बवाल हो गया और सभी ने इसका विरोध किया। यूजर्स ने कहा कि वो एक नेक इंसान है और उनके साथ इस तरह की हरकत करना बेहद शर्मनाक है।

मुंबई पहुंचे जोनस ब्रदर्स, इंडिया में पहली बार करेंगे परफॉर्म

मुंबई। अमेरिकी पॉप रॉक बैंड जोनस ब्रदर्स शनिवार को मुंबई पहुंचे। वह एक कॉन्सर्ट के लिए इंडिया आए हैं। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरे और पैपराजी के लिए पोज दिए। वीडियो में निक को बेज रंग की शर्ट और पैंट पहने देखा जा सकता है। उन्होंने वाइट स्नीकर्स, कैप और एक बैग के साथ अपने लुक को पूरा किया। केविन ने ऑलिव ग्रीन टी.शर्ट, काली पैंट और जूते पहने थे। जो ने ब्लू शर्ट और ऑरेंज टी शर्ट पहनी हुई थी।

फिल्म मंकी मैन का धमाकेदार ट्रेलर जारी

मुंबई। ऑस्कर के लिए पूर्व में नॉमिनेट हो चुके स्लमडॉग मिलेनियर फेम एक्टर देव पटेल की अगली फिल्म मंकी मैन को लेकर फैंस में काफी क्रेज है। अब मचअवेटेड फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया, जो एक्शन से भरपूर है। इस फिल्म के जरिए देव डायरेक्टर के रूप में डेब्यू करने वाले हैं। साथ ही इस फिल्म से एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला हॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। शोभिता साउथ और बॉलीवुड की फिल्मों में धमाल मचा चुकी हैं। ट्रेलर सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और लोग इसे खूब पसंद कर रहे हैं।

लाइफ Style

कृति यूएई गोल्डन वीजा से सम्मानित

एजेंसी ▶▶| मुंबई

कृति सेनन बॉलीवुड की मोस्ट टैलेंटेड एक्ट्रेस में से एक हैं। कृति ने अपने अब तक के करियर में कई शानदार फिल्में दी हैं और अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया है। पिछले साल कृति को उनकी फिल्म मिमी के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था।

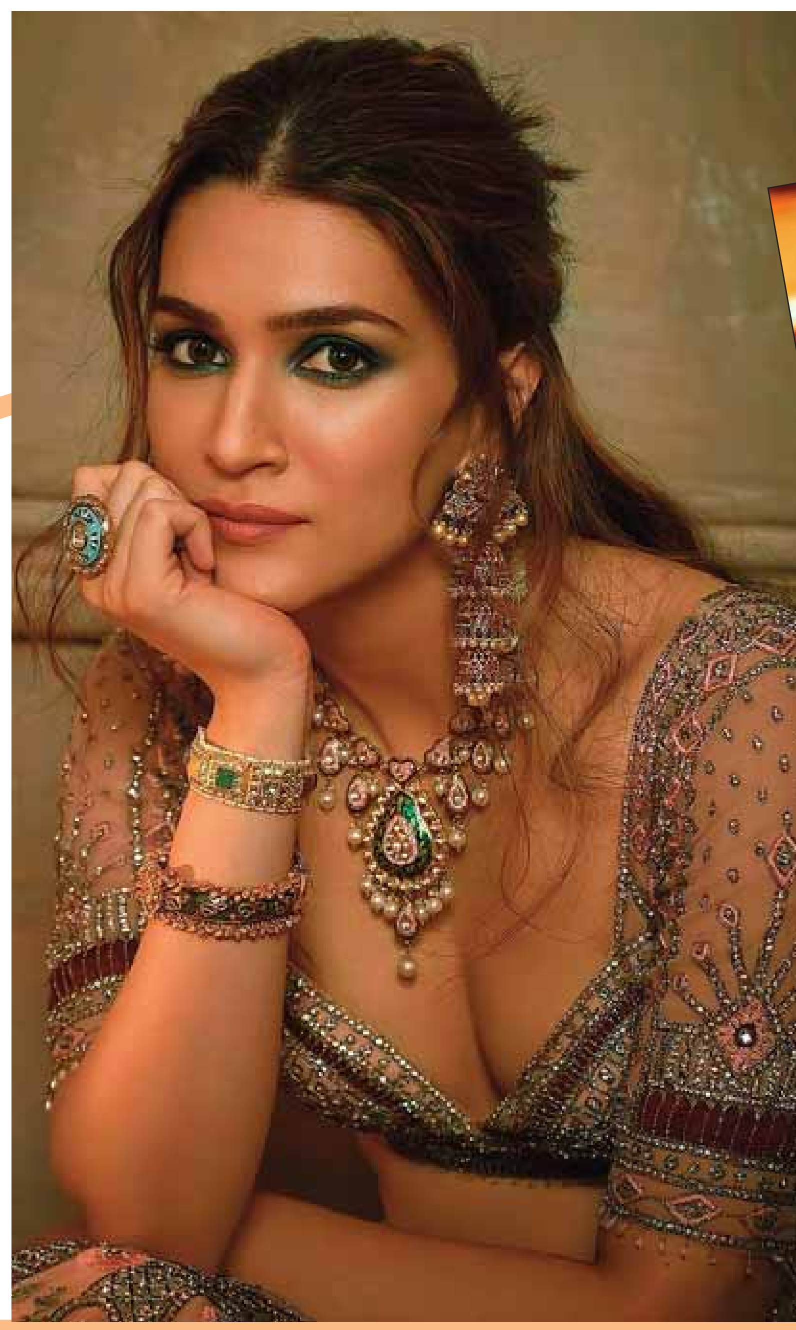

इन सबके बीच एक्ट्रेस ने अब एक और उपलब्धि अपने नाम कर ली है। दरअसल आदिपुरुष एक्ट्रेस कृति सेनन को आइकॉनिक यूएई गोल्डन वीजा से सम्मानित किया गया है। इससे पहले शाहरुख खान, रणवीर सिंह और कई फेमस भारतीय फिल्म हस्तियों को ये सम्मान मिल चुका है। इसी के साथ कृति भी इस रैंक में शामिल हो गई हैं। कृति को ईसीएच डिजिटल सीईओ इकबाल मार्कोनी से गोल्डन वीजा मिला। अपना ग्रेटिट्यूड जाहिर करते हुए एक्टर ने कमेंट किया, यूएई गोल्डन वीज़ा प्राप्त करना सम्मान की बात है। दुबई की मेरे दिल में एक स्पेशल जगह है और मैं इसके वाइब्रेंट कल्चरल लैंडस्केप का हिस्सा बनने के लिए एक्साइटेड हूं। संयुक्त अरब अमीरात में गोल्डन वीज़ा की शुरुआत 2019 में हुई थी। गोल्डन वीज़ा सिस्टम लॉन्ग टर्म रेजिडेंस की सुविधा देती है। इस वीजा के मिलने के बाद विदेशियों को नेशनल स्पॉन्सर के बिना और उनके 100 प्रतिशत स्वामित्व के साथ यूएई में रहने, काम करने और स्टडी करने की सुविधा मिलती है। कृति सेनन से पहले शाहरुख खान एंड फैमिली, संजय दत्त, सानिया मिर्जा, बोनी कपूर और अर्जुन कपूर, जाह्नवी कपूर, खुशी कपूर और अंशुला कपूर, संजय कपूर, वरुण धवन, रणवीर सिंह, कमल हासन, मोहनलाल, ममूटी सहित कई हस्तियों को ये वीजा दिया जा चुका है।

हॉलीवुड मसाला

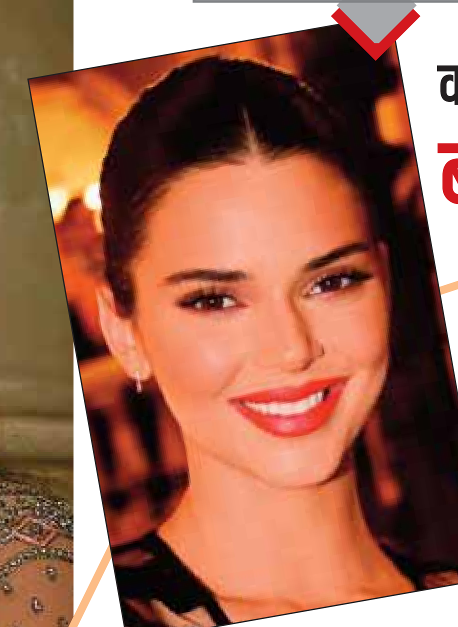

कड़ाके की ठंड में बोल्ड अंदाज

लॉस एंजेलिस। केंडल जेनर हॉलीवुड इंडस्ट्री की बोल्ड एंड ग्लैमरस एक्ट्रेसेस में से एक हैं। वह अक्सर अपने लुक्स को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में केंडल की कुछ तस्वीरें सामने आईं हैं। केंडल स्पेन, कोलोराडो में डिनर डेट के दौरान स्पॉट हुईं। इस दौरान कड़ाके की ठंड में वह बेहद ही बोल्ड लुक कैरी किए नजर आए। स्नो फॉल के बीच केंडल जेनर का ये अंदाज देख हर कोई हैरान है। लुक की बात करें तो केंडल जेनर ग्रे कलर माइक्रो मिनी ड्रेस में नजर आईं हैं।

किम ने उठाया स्की का लुत्फ...

लॉस एंजेलिस। किम कार्दशियन अपने बिजी शेड्यूल के बीच खुद के लिए टाइम निकालना भी अच्छे से जानती हैं। वह इन दिनों एस्पेन में बटरमिल्क पहाड़ों की वादियों में खूब एंजॉय कर रही हैं, जहां से उनकी तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। फैंस भी किम की इन तस्वीरों को खूब पसंद कर रहे हैं। सामने आई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि किम कार्दशियन एस्पेन की ठंड में पूरी तरह पैक होकर बर्फीली वादियों में स्की का आनंद ले रही हैं। इस दौरान वह ब्लैक टॉप के ऊपर लैदर जैकेट और मैचिंग पैंट के साथ स्कैटिंग शूज पहने नजर आ रही हैं। बालों पर उन्होंने ब्लैक शेड्स भी लगाए हुए है और हाथों में गल्वस पहन रखे हैं। वह जमकर बर्फीली वादियों का लुत्फ उठा रही हैं।

हिना ने शेयर की नो फिल्टर सेल्फी...

मुंबई। एक्ट्रेस हिना खान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर नो फिल्टर सेल्फी शेयर की, जिसमें उनकी आंखों के नीचे रेड रैशेज और होठों पर छाले दिखाई दे रहे हैं। शनिवार को उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक नो फ़िल्टर सेल्फी शेयर की, जिसमें उन्होंने वाइट टी शर्ट पहनी हुई है और अपने बालों को खुला रखा है। तस्वीर के कैप्शन में उन्होंने लिखा नो फिल्टर सेल्फी, मेरी आंखों के नीचे रेड रैशेज, होठों पर छाले, जुकाम सब बुखार की वजह से। बता दें कि हिना ने 28 दिसंबर को अस्पताल में भर्ती होने की सूचना दी थी। उन्होंने बताया था कि उन्हें तेज बुखार है। वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार फियर फैक्टर खतरों के खिलाड़ी 13 में एक चैलेंजर के रूप में देखा गया था।

कांगुवा से जारी हुआ बॉबी का पहला लुक

मुंबई। फिल्म कांगुवा के निर्माताओं ने बॉबी देओल का फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर कर फैंस को सरप्राइज दिया है। बॉबी का क्रूर और खतरनाक लुक दिख रहा है। कांगुवा में बॉबी एनिमल के बाद एक बार फिर विलेन के रोल में धमाका करेंगे। बॉबी शक्तिशाली उधीरन की भूमिका निभाने वाले हैं। पोस्टर के कैप्शन में लिखा है, निर्दयी, ताकतवर, अविस्मरणीय। मेकर्स ने पोस्टर को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। फिल्म में खलनायक बने बॉबी का पोस्टर सामने आते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। लॉर्ड बॉबी का ये अब तक का सबसे खूंखार रूप है, जिसे देख हर कोई डर जाएगा। पोस्टर में बॉबी भीड़ से घिरे हुए हैं। शरीर पर खून लगा हुआ है, बिखरे हुए बाल और हड्डियों का हार पहने दिख रहे हैं।

टीवी मसाला

चांदनी चौक की गलियों में मंगेतर संग स्पॉट हुईं सुरभि

मुंबई। एक्ट्रेस सुरभि चंदना जल्द दुल्हन बनने जा रही हैं। 13 साल की डेटिंग के बाद अब सुरभि ने कुछ दिन पहले बॉयफ्रेंड बिजनसमैन करण शर्मा संग अपनी शादी की घोषणा की थी। वहीं अब सुरभि ने पुरानी दिल्ली के चांदनी चौक में मंगेतर संग खूबसूरत प्री वेडिंग फोटोशूट करवाया है। इस खूबसूरत फोटोशूट की तस्वीरें सुरभि ने इंस्टा अकाउंट पर शेयर की हैं। लुक की बात करें तो सुरभि पर्पल रेड वेलवेट प्लाजो सूट में खूबसूरत लग रही हैं। मिनिमल मेकअप, नथ, मांग टीका और चोकर नेकलेस सुरभि के लुक को चार चांद लगा रहे हैं। तस्वीरों में कपल खाऊ गली के लजीज फूड्स के मजे लेते हुए देखा जा सकता है। इसके अलावा कपल पुरानी दिल्ली के चांदनी चौक की गलियों में एकदूजे की आंखों में खोए हुए दिख रहे हैं। फैंस उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। बता दें कि सुरभि चंदना और करण शर्मा 1 या 2 मार्च को जयपुर में अपने करीबी दोस्तों और रिश्तेदारों के बीच शादी के बंधन में बंधेंगे।

फिल्म किस्मत ने उड़ा दी थी अंग्रेजों की नींद, भूमिगत हो गए थे गीतकार

फिल्म किस्मत को बॉलीवुड की पहली एंटी हीरो फिल्म माना जाता है। इस फिल्म में अशोक कुमार मुख्य भूमिका में थे और वह अपराधी बने थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई और आने वाले कई वर्षों तक चलती रही।

मुंबई। यह फिल्म गणतंत्र दिवस से पहले यानी भारत का संविधान लागू होने से पहले रिलीज हुई थी। फिल्म में एक गाना है, जो आज भी सुना जाता है। हालांकि उस समय यह गाना अंग्रेजों के लिए किसी सिरदर्द से कम नहीं था। ये गाना था, आज फिर हिमालय की चोटी से हमने ललकारा है। दूर हो जाओ ऐ दुनिया वालों, हिंदुस्तान हमारा है। फिल्म का संगीत अनिल बिस्वास ने तैयार किया था। फिल्म की रिलीज से पहले सेंसर बोर्ड ने गाने पर आपत्ति जताई थी और इसे हटाने के लिए कहा था। गीत लिखने वाले भूमिगत हो गए थे दरअसल उन दिनों ऐसे मुद्दों पर फिल्में बनाने का

चलन तेज़ नहीं था। तब सेंसर बोर्ड में यह तर्क दिया गया कि यह फिल्म अंग्रेजों के खिलाफ नहीं बल्कि जर्मनी और जापान जैसी शक्तियों के खिलाफ है, जो ब्रिटेन के खिलाफ मैदान में थीं। गाने की एक लाइन है, शुरू हुआ है जंग तुम्हारा, जागो हिंदुस्तानी, किसी के आगे झुकना नहीं, जर्मन हो या जापानी, ये आज सबके लिए हमारा राष्ट्रीय नारा है। इसी लाइन की बदौलत निर्माता सेंसर बोर्ड के सामने अपनी बात रखने में सफल रहे। यह फिल्म भारत छोड़ो आंदोलन के छह महीने बाद रिलीज हुई थी। यह गाना रिलीज होने के बाद काफी मशहूर भी हुआ था। ये गाना आजादी की लड़ाई लड़ने वाले हर शख्स की जुबान पर था। लेकिन गीत की लोकप्रियता के साथ, ब्रिटिश सरकार ने गीत लिखने वाले कवि प्रदीप की खोज शुरू कर दी। इसकी भनक लगते ही कवि प्रदीप भूमिगत हो गये ताकि उन्हें देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार न किया जा सके।

बेबी बंप छुपाते आईं नजर

मुंबई। एक्ट्रेस यामी गौतम ने अब तक जिन भी फिल्मों में काम किया है, अपनी खूबसूरती और एक्टिंग की बदौलत दर्शकों का ध्यान खींचा है। यामी ने भले ही कम फिल्में की हैं लेकिन लोग उनकी अपार क्षमताओं को जान चुके हैं। यामी की पर्सनल लाइफ की बात करें तो उन्होंने साल 2021 में डायरेक्टर आदित्य धर संग शादी की थी। शादी को करीब तीन साल हो चुके हैं और फैंस गुड न्यूज का इंतजार कर रहे हैं। इन दिनों यामी की प्रेग्नेंसी को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। यामी और आदित्य को हाल ही में मुंबई में स्पॉट किया गया। इस दौरान जिस चीज ने सबका ध्यान खींचा वो था यामी के दुपट्टा कैरी करने का स्टाइल। ऐसा लग रहा है कि वह दुपट्टे से अपने बेबी बंप को छुपा रही थीं। यामी की ये तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे हैं। इस पर यूजर्स जमकर कमेंट कर रहे हैं।

गणतंत्र दिवस पर शहर भर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

आन-बान-शान से सर्वत्र फहराया तिरंगा

जबलपुर। शुक्रवार को गणतंत्र दिवस समारोह पूरे जिले में उल्लास, उमंग और धूमधाम से मनाया गया। स्कूलों, कॉलेजों, मोहल्ले के चौराहों-चौराहों पर विभिन्न संस्थाओं, राजनैतिक दलों व शासकीय कार्यालयों में गरिमापूर्ण समारोह आयोजित कर आन-बान-शान से तिरंगा फहराया गया और सलामी दी गई। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी दिन भर धूम रही।

भाजपा कार्यालय में फहराया ध्वज

गणतंत्र दिवस पर भारतीय जनता पार्टी जबलपुर द्वारा रानीताल स्थित भाजपा कार्यालय में भाजपा के नगर अध्यक्ष प्रभात साहू सभी ने सामूहिक राष्ट्रगान गायन कर ध्वज वंदन किया। इसके उपरांत सभी अतिथियों ने भारतमाता की आरती की। इस अवसर पर प्रदेश मंत्री आशीष दुबे, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, व्यापारी प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक शरद अग्रवाल, रजनीश यादव, रत्नेश सोनकर, आदि उपस्थित थे।

रेलवे स्टेडियम में जीएम ने फहराया ध्वज

पश्चिम मध्य रेल में 75वाँ गणतंत्र दिवस समारोह उल्लासपूर्वक मनाया गया। मुख्य समारोह रेलवे स्टेडियम जबलपुर में आयोजित किया गया जहाँ महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय द्वारा ध्वजारोहण किया गया। रेलवे सुरक्षा बल ने मार्च पास्ट करके महाप्रबंधक को सलामी दी। इस अवसर पर समारोह में अपर महाप्रबंधक रवि शंकर सक्सेना, महिला कल्याण संगठन की सदस्याएं तथा विभागों के प्रमुख विभागाध्यक्ष, मंडल रेल प्रबंधक जबलपुर, रेल अधिकारीगण, रेल सुरक्षा बल के जवान, एवं कर्मचारी, बड़ी संख्या में बच्चे, परिजन उपस्थित रहे।

नगर कांग्रेस कमेटी

शहर (जिला)कांग्रेस कमेटी, द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर तिलक भूमि तलैया स्थिति स्मारक पर शहर(जिला)कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' के द्वारा ध्वजारोहण कर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के संदेश का वाचन किया। इस अवसर पर सतीश तिवारी, कमलेश यादव, संगठन मंत्री मनोज सेठ, अयोध्या तिवारी आदि उपस्थित रहे।

एजी ऑफिस में ध्वजारोहण

महाधिवक्ता कार्यालय में गणतंत्र दिवस समारोह में महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और हाईकोर्ट सुरक्षा गार्ड की टुकड़ी की सलामी ली। इस अवसर पर पुलिस बैंड द्वारा राष्ट्रगान की धुन बजाई गई। समारोह में सभी शासकीय अधिवक्ता तथा महाधिवक्ता कार्यालय के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

संभागायुक्त व कलेक्टर कार्यालय में ध्वजारोहण

संभागायुक्त कार्यालय में संभाग कमिश्नर अभय वर्मा ने और कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर दीपक कुमार सक्सेना ने ध्वज फहराया। इस अवसर पर कलेक्टर कार्यालय के सभी अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

रेल मंडल कार्यालय में ध्वजा रोहण

गणतंत्र दिवस के अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में डीआरएम विवेक शील ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक प्रदीप कुमार, वरिष्ठ मंडल अधिकारी सुबोध विश्वकर्मा, वाणिज्य प्रबंधक विश्वरंजन आदि मौजूद रहे।

एसपी कार्यालय में ध्वजा रोहण

गणतंत्र दिवस पर पुलिस अधीक्षक आदित्य कुमार सिंह ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभी अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

यश नर्सरी हा.से. स्कूल अधारताल और गोहलपुर में मनाया 75वां गणतंत्र दिवस

जबलपुर। 75 वां गणतंत्र दिवस समारोह यश नर्सरी हायर सेकंडरी स्कूल अधारताल और यश नर्सरी हायर सेकेंडरी स्कूल गोहलपुर में बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। संस्था के दोनो शाखाओं में छात्रों द्वारा रंगारंग प्रस्तुतियों के द्वारा सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर देशभक्ति गीत और नृत्य की प्रस्तुति अपने आप में ही मोहक लग रही थी। प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी विद्यालय के स्काउट्स द्वारा जिला स्तरीय मुख्य समारोह में परेड में शामिल होकर राष्ट्र ध्वज को सलामी दी गई जिसके मुख्य अतिथि कैबिनेट मिनिस्टर श्री राकेश सिंह रहे। उक्त कार्यक्रम संस्था संचालक डॉ विजयकान्त तिवारी और प्राचार्य श्रीमती सोनल तिवारी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यकम को सफल बनाने में समस्त स्टाफ का सहयोग रहा।

मैं हिन्दुस्तान का हूँ, और हिन्दुस्तान मेरा है यही भावना देश को प्रगति के शिखर पर ले जायेगी: पं. पुरूषोत्तम तिवारी

जबलपुर। 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर इंडियन पीपुल्स अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय कार्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित पुरुषोत्तम तिवारी द्वारा झंडा फहराया गया व कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों द्वारा राष्ट्रगान गाया गया। वहां उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए पंडित पुरुषोत्तम तिवारी ने कहा कि इस बार 26 जनवरी को देष अपना 75वाँ गणतंत्र दिवस मना रहा है। यानि हमारा देष अब गणतंत्र के रूप में 76वें वर्ष में प्रवेष कर रहा है। 15 अगस्त 1947 को भले ही भारत देष आजाद हो गया था लेकिन तब हमारे पास अपना संविधान नही था। इस दिन ही हमारे देष को अपना संविधान मिला था। संविधान के बिना कोई नही चल सकता है। संविधान लागू होने के बाद हमारा देष भारत एक गणतंत्र देष बन गया। आज इसी ऐतिहासिक और शुभदिन की 75वीं सालगिरह है। आज हर नागरिक को भारत की गौरव-गाथा पर गर्व का अनुभव होता है। आजादी के बाद भारतवासियों ने अनगिनत उपलब्धियां हासिल की हैं। गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में

मुस्लिम लीगल एंड वेलफेयर सोसायटी ने किया ध्वजारोहण

जबलपुर। 75वें महान गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में मुस्लिम लीगल एड एण्ड वेलफेयर सोसाइटी जबलपुर के द्वारा बड़ी ओमती हरिजन थाना के पास ध्वजारोहण किया गया, इस भव्य कार्यक्रम में समस्त अधिवक्तागण, पुलिसकर्मी, समाज सेवी एवं प्यारे बच्चे सम्मिलित हुए। लीगल एड सोसाइटी के अध्यक्ष श्री शबाब खान, निज़ाम खान, मासूम खान, रोशन ज़मीर अली (शाहिंद) मोहत्सिम खान, फ़िरोज़ अंसारी, रिजवान खान, रइस खान, जफर खान, शेख अज़ीम, शफी खान (सभी अधिवक्ता) बेबी मेहविश, रयान खान, अमीर हमज़ा, गुडू नबी इत्यादि वरिष्ठजनों ने राष्ट्रीय गीत गाकर तिरंगे को सलामी पेश की।

आरटीओ जितेंद्र सिंह रघुवंशी ने फहराया तिरंगा-गया राष्ट्रगान

आर टी ओ कार्यालय में लहराया शान से तिरंगा

जबलपुर। 75 वें गणतंत्र दिवस के मौके पर जबलपुर के आरटीओ कार्यालय में आरटीओ जितेंद्र सिंह रघुवंशी ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर ध्वजा रोहण किया इसके साथ ही अपने मातहत कर्मचारियों को किस तरह लोगो की सेवा की जाती है उसका संदेश दिया तो वही जबलपुर के क्षेत्रीय परिवाहन कार्यालय के कर्मचारियों ने देश भक्ति गीत गाये इस दौरान क्षेत्रीय परिवाहन कार्यालय के सभी कर्मचारी मौजूद रहे तो वही जबलपुर आरटीओ जितेंद्र सिंह रघुवंशी ने जबलपुर निवासियों से यातायात नियमो का पालन करने की अपील करी है तो वही गणतंत्र दिवस पर किये गए आरटीओ कार्यालय में ध्वजा रोहण के दौरान आरटीओ कार्यालय में पदस्थ सभी अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे

जेडीए कार्यालय में फहराया तिरंगा

जबलपुर। जबलपुर विकास प्राधिकरण जबलपुर सिविक सेंटर मढ़ाताल स्थित कार्यालय में गणतंत्र दिवस पर के सुअवसर पर संभागायुक्त / अध्यक्ष जबलपुर विकास प्राधिकरण श्री अभय बर्मा द्वारा प्रातः 8.15 बजे झंडारोहण कर मुख्य कार्यपालिक अधिकारी श्री दीपक कुमार वैद्य तथा अन्य समस्त अधिकारियों / कर्मचारियों की उपस्थिति में राष्ट्रीय गान गाया गया।

विधायक संतोष ने किया ध्वजारोहण

हर्षोल्लास से मनाया गया 75 वां गणतंत्र दिवस

सिहोरा। नगर के साथ सभी ग्रामीण क्षेत्रों में 75 वां गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया इस अवसर पर सभी शासकीय अशासकीय विद्यालयों एंव प्रतिष्ठानों में ध्वजारोहण के साथ शानदार रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गये। इस बार के गणतंत्र दिवस में जहां पुलिस थाने के अंदर बने विजय स्तंभ में साफ सफाई पुताई न होने के कारण कांग्रेस जनों ने असंतोष व्यक्त किया वहीं स्टेडियम में आयोजित मुख्य समारोह में भी भारी आव्यवस्था देखी गई जो चर्चा का विषय बनी रही। 75 वें गणतंत्र दिवस समारोह का मुख्य आयोजन नगर पालिका जनपद पंचायत द्वारा संयुक्त रुप से अरूणाभ घोस स्टेडियम में जनपद अध्यक्ष रश्मि मनेन्द्र अग्निहोत्री के मुख्य आतिथ्य,संतोष बरकडे विधायक की अध्यक्षता तथा नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती संध्या दिलीप दुबे के विशिष्ट आतिथ्य में किया गया जहां विधायक ने ध्वजारोहण करने के साथ मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया तथा ग्रांम रक्षा समिति सहित अन्य स्कूलों के एन सी सी कैडिटों की सयुक्त परेड ने ध्वज सलामी दी तदपश्चात देश की रक्षा में अपने प्राणो का उत्कर्ष करने वाले क्षेत्र के अमर शहीदों के परिजनों का सम्मान किया गया।

विधायक कार्यालय में ध्वजारोहण- विधायक कार्यालय में ध्वजारोहण विधायक संतोष बरकडे द्वारा भाजपा पदाधिकारियों एवं वरिष्ठों की उपस्थिति में किया। इस अवसर नगर पालिका अध्यक्ष संध्या दिलीप दुबे,जयप्रकाश दुबे,अंजना सराफ,राजेश दाहिया, अंकित तिवारी, अनुपम सराफ, किशन जानवानी, विनय जैन,शशिर पांडे, पार्षद अंकुश नायक, बेबी विनय पाल, माधव मिश्रा, राजा ठाकुर, गीता पटेल, साधना साहू, सुग्रीव श्रीवास सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

सिहोरा की शैवी दुबे का यूपी जेल सुपरिटेंडेंट के पद पर चयन

सिहोरा। सिहोरा तहसील को गौरवान्वित करते हुए मिस्पा मिशन स्कूल की छात्रा कुमारी शैवी दुबे ने उत्तरप्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा में 35 वीं रैंक हांसिल कर जेल सुपरिटेंडेंट के पद पर चयनित हुई। ब्राह्मण पुरा निवासी वरिष्ठ पत्रकार एंव मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र दुबे की बेटी शैवी ने अपने दुसरे प्रयास में यह सफलता प्राप्त की है। उनके आज रविवार 28 जनवरी को प्रथम नगर आगमन पर शिव मंदिर बाबाताल में सायं 4 बजे समस्त मित्र मंडली द्वारा ढोल नगाड़े के साथ भव्य स्वागत किया जायेगा जिसमें आप सभी नगरवासी भी आमंत्रित हैं। क्षेत्रीय पत्रकारों को जैसे ही पत्रकार साथी की सुपुत्री के चयन की जानकारी मिली तो उन्होंने बस स्टेंड में आतिशबाजी कर मिष्ठान वितरण किया एंव एक दुसरे को बधाई दी।

आन बान शान से राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया

मझौली। गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर नगर में मझोली में समस्त शासकीय एवं अशासकीय स्कूलों शासकीय कार्यालय में बड़ी ही आन बान शान से राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया गया एवं राष्ट्रगान कर ध्वज प्रणाम कर प्रसाद वितरण किया गया। नगर के शासकीय एवं आशासकीय स्कूलों के द्वारा सुबह 8 बजे प्रभात फेरी निकाली गई जिसमें छात्र-छात्राओं के द्वारा भारत के अमर शहीदों की जय हो भारत माता की जय हो वंदे मातरम जैसे नारे लगाते हुए एवं मनमोहक झाकिया निकली गई जो नगर के मुख्य मार्ग से होते हुए वापस अपनी स्कूल पहुंची। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम डांस, भाषण, गीत आदि छात्राओं के द्वारा मनमोहक झांकियां प्रस्तुत की गई।

स्थानीय विश्रामगृह में ध्वजारोहण

पाटन। नगर के स्थानीय विश्रामगृह में गणतंत्र दिवस के अवसर पर पूरे मान सम्मान के साथ ध्वजारोहण एसडीओ अर्चना त्रिपाठी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर लोक निर्माण विभाग के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

श्रीमती गुरूदयाल कौर- कृपाल चौक गुप्तेश्वर निवासी श्री महेन्दर सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती गुरूदयाल कौर (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती भारती कुकरेजा- ओसवाल होम्स के बाजू में ग्वारीघाट निवासी श्री मूलचंद कुकरेजा की धर्मपत्नी श्रीमती भारती कुकरेजा (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मोहन बाई दुबे- हाथीताल गुरूद्वारा रोड निवासी श्री श्याम सुंदर दुबे की धर्मपत्नी श्रीमती मोहन बाई दुबे (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री साधू चरण मोहंती- शास्त्री विहार राइट टाउन निवासी श्री साधू चरण मोहंती (91) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री झब्बू बंशकार- प्रेमसागर निवासी श्री झब्बू बंशकार का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री संतोष यादव- दुर्गा नगर रामपुर निवासी श्री संतोष यादव (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती प्रेम बाई कुशवाहा- सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री राम प्रसाद कुशवाहा की धर्मपत्नी श्रीमती प्रेम बाई कुशवाहा (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सुशीला बाई ढिमोले- ग्राम कौडिया गाडरवारा निवासी श्री लालजी ढिमोले की धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला बाई ढिमोले (93) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती चंदा देवी चौधरी- कांचघर झंडा चौक निवासी श्री धर्मराज चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती चंदा देवी चौधरी (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राम अशोक परमार- कृषि नगर कॉलोनी अधारताल निवासी श्री राम अशोक परमार (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अशोक खटीक- भानतलैया खेरमाई खटीक मोहल्ला निवासी श्री अशोक खटीक (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री शंकर रैकवार- हनुमान टोरिया कांचघर निवासी श्री शंकर रैकवार (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री रमेश चंद्र मेहरा- पटेल नगर महाराजपुर निवासी श्री रमेश चंद्र मेहरा (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती ईशा विरमानी- अमृत अपार्टमेंट कृपाल चौक गुप्तेश्वर निवासी श्री सुमित विरमानी की धर्मपत्नी श्रीमती ईशा विरमानी (39) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री शंकर लाल ठाकुर- मदनमहल निवासी श्री शंकर लाल ठाकुर (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री बंशी लाल बेन- गोरखपुर ईसाई मोहल्ला निवासी श्री बंशी लाल बेन (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती चंदा देवी ज्ञानचंदानी- नवनीत एनक्लेव रांझी निवासी श्री भगवान दास ज्ञानचंदानी की धर्मपत्नी श्रीमती चंदा देवी ज्ञानचंदानी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री गुरूबचन सिह मथारू- छापर विजयनगर निवासी श्री गुरूबचन सिंह मथारू (97) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती ईला बेन- पुष्पक नगर अधारताल निवासी श्री प्रफुल्ल चंद्र की धर्मपत्नी श्रीमती ईला बेन (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 10x8 से.मी. रंगीन 1000/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-0761-4048310, 2757175

न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर
रा.प्र.क्रं/1182/अ-6/2023-24

आम इश्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक शाहजहाँ उस्मानी/ शेख अहमद उल्लाह उस्मानी नि.-85/प वेस्टलेन्ड खमरिया, जबलपुर ने नजूल ब्लाक नं.-31 प्लाट नं. 17/1 निर्मित रकवा/ रकवा-320 व.फु./ अवि. हिस्सा- / ग्राम-सिविल स्टेशन प.ह.नं.- खसरा नं.- रकवा-320 व.फु./ हे. विक्रय पत्र/ हक त्याग/ वसीयतनामा/ दानपत्र/ वारसान हक/ दिनांक-13/04/1987 मृत्यु दिनांक- को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र- खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है।

प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/पटवारी/ डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल ब्लाक नं.-31 प्लाट नं. -17/1 निर्मित रकवा/ रकवा -320 व.फु./ अवि. हिस्सा- / ग्राम -सिविल स्टेशन प.ह.नं.- खसरा नं.- रकवा-320 व.फु./ हे. श्रीमती विलियम लारेन्स बगै. के नाम दर्ज है।

अत: किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 30/01/2024 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

इश्तहार आज दिनांक 17/01/2024 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक -17/01/2024
पेशी दिनांक-30/01/2024
मुद्रा
तहसीलदार
रांझी, जबलपुर

न्यायालय अपर कलेक्टर जबलपुर
राजस्व प्रकरण क्रमांक/181/अ-20(1)/2023-24
जबलपुर दिनांक 09/01/2024

आम इश्तहार

आवेदक श्रीमती आशा टेकवानी पति भगवान दास टेकवानी, भगवान दास पिता झामन दास, राज, जितेन्द्र, अमित सभी पिता भगवानदास टेकवानी निवासी 279 / एन शांति नगर दमोहनाका जबलपुर द्वारा नजूल ब्लॉक नं. 52, प्लाट नं. 36/2, 43/2, 44/8, 47/3 रकवा 790 वर्गफुट जिला जबलपुर ने इस न्यायालय के समक्ष नीचे विनिर्दिष्ट स्थाई पट्टे का भूमि स्वामी अधिकार में संपरिवर्तन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया हैं और जबकि यह संपरिवर्तन किया जाना प्रस्तावित है एवं सुनवाई की तारीख 29/01/24 स्थान न्यायालय अपर कलेक्टर शहर कक्ष क्रमांक 12 जबलपुर पर 3.00 बजे नियत की गई है। उक्त स्थाई पट्टे में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को एतद् द्वारा द्वारा सूचित किया जाता है कि वे या तो स्वत: या विधिक व्यवसायी या मान्यता प्राप्त अभिकर्ता के माध्यम से नियत तारीख को उपस्थित हो और अपनी आपत्तियां, यदि कोई हो तो प्रस्तुत करें। आपके उपस्थित नहीं होने पर एवं आपत्तियां को प्रस्तुत नही कर पाने की स्थिति में किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा। स्थाई पट्टे का विवरण-ब्लॉक नम्बर-52, प्लाट नं.-36/2, 43/2, 44/8, 47/3, रकवा-790, उपपट्टेदार-श्रीमती आशा टेकवानी पति भगवान दास टेकवानी, भगवान दास पिता झामन दास, राज, जितेन्द्र, अमित सभी पिता भगवानदास टेकवानी, भू भाटक 294/- रुपए प्रतिवर्ष।

जारी दिनांक 09/01/2024
पेशी दिनांक 29/01/2024
पदमुद्रा
अपर कलेक्टर
जबलपुर